भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड | Indian Institute of Management Kozhikode

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड

Indian Institute of Management Kozhikode

भारतीय विचारधारा का वैश्वीकरण *Globalizing Indian Thought*

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2012- 2013

वार्षिक प्रतिवेदन | ANNUAL REPORT | 2012 - 2013

Final for Apvd ptg chn 6 Feb 14 cover 300 gsm,inner 150 gsm english 200 copies

6 feb 14 Final Apvd Ptg Chn

स्वप्न
DREAM
अन्वेषण
INNOVATE
सफलता
ACHIEVE

विषय सूची

निदेशक की रिपोर्ट	4
प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	7
छात्र क्रियाकलाप	11
प्रवेश	12
प्रबंध में अध्येता कार्यक्रम	14
स्थानन	17
पूर्व छात्र	24
प्रबंध विकास कार्यक्रम	24
संकाय विकास कार्यक्रम	28
अंतराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम	29
कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम	32
अनुसंधान एवं प्रकाशन	33
सूचना प्राद्यौगिकी	47
पुस्तकालय और सूचना केन्द्र	48
परिसर विकास	51
कार्मिक	52
वार्षिक लेखे और वित्तीय स्थिति	65
संचालन मंडल और आई आई एम के सोसाइटी	66
संकाय	70
कर्मचारी सदस्य	71

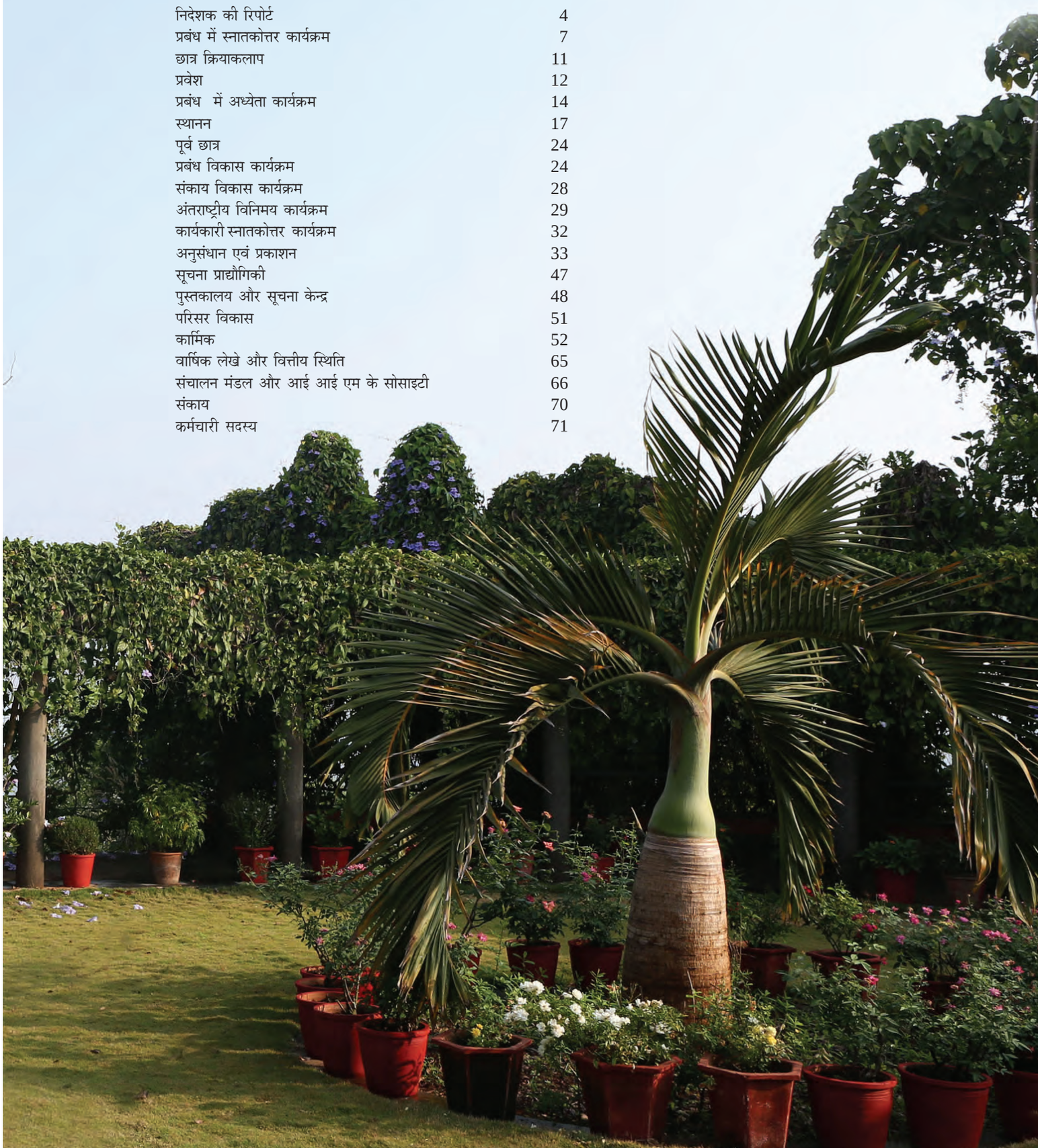

निदेशक की रिपोर्ट

आई आई एम कोषिक्कोड, भारत के निगमित क्षेत्र तथा प्रबंध शिक्षा के विकास में पिछले पन्द्रह वर्षों से मुख्य भूमिका निभाता आ रहा है। विगत वर्षों में आई आई एम कोषिक्कोड ने अत्यंत सफल व्यापारनायक, प्रबंधविचारक तथा संपत्तिसृजकों का निर्माण किया है। वर्ष 2012-13 के दौरान आई आई एम कोषिक्कोड के रोमांचक विकास को सभी हितधारकों के साथ साझा करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है।

इस साल के 15 वें बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों को उपाधी प्रदान की गई। संस्थान का 15 वाँ दीक्षांत समारोह 23 मार्च 2013 को सम्पन्न हुआ, जिसमें 309 छात्रों ने (पी.जी.पी. 13 बैच के एक छात्र सहित) डिप्लोमा प्राप्त किया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ पल्लम राजू ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्राध्यापक लॉर्ड मेगनाद देसाई ने भी इस अवसर पर अपने आतिथ्य से हमें अनुगृहित किया।

16 वें बैच के 348 छात्रों (सा. 178, पि जा 93, अ.जा. 54, अ.ज.जा. 15 तथा विकलांग 6+2) को इस वर्ष पी.जी.पी. हेतु नामांकित किया गया।

देश में आर्थिक मंदी के बावजूद संस्थान पी.जी.पी. 15 वें बैच के उपाधी प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को स्थानन मुहैया कराने में सक्षम रहा हैं।

प्रभावशाली विद्या योजना जो वर्ष 2001-02 में 300 संपर्क घंटों (परिसर तथा मंच) से शुरु की गई थी, कार्यरत कार्यपालकों को सतत् योजनाएँ प्रस्तावित की जाती रहीं। इस वर्ष ई.पी.जी.पी. दीक्षांत समारोह भी नियमित पी.जी.पी. के साथ 23 मार्च 2013 को संपन्न हुआ।

प्रबंध विकास योजनाएँ संस्थान के मुख्य क्रिया-कलाप के रूप में जारी हौं। इस वर्ष कुल 78 एम.डी.पी. आयोजित की गई जिनसे कुल 1953 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

संकाय विकास योजनाएँ आई. आई. एम. कोषिक्कोड के क्रिया-कलाप का दूसरा मुख्य क्षेत्र रहीं। इस वर्ष लगभग 7 एफ.डी.पी. आयोजित की गई जिनसे, 120 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

इस वित वर्ष में एम.डी.पी. के द्वारा कुल 8,30,42,982/- रु तथा एफ.डी.पी. के द्वारा 15,72,606/- रु का राजस्व प्राप्त हुआ।

अध्येता कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में 17,000/- रु. प्रतिमाह, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में 18,000/- रु. तथा पाँचवे वर्ष के प्रथम छमाही में 18,000 रु. की आर्थिक सहायता जारी रखी गई। इस वर्ष एफ.पी.एम. के छठे बैच में 9 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। एफ.पी.एम. के पाँच बैचों में कुल प्रतिभागियों की संख्या 33 है।

अनुसंधान, सम्मेलन तथा प्रकाशन, में संकाय योगदान के बदौलत कई अनुसंधान लेख, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दैनिकी में प्रकाशित हुए जिनमें पुस्तकें, संपादित पुस्तके, पुस्तकों के अध्याय, प्रकरण तथा कार्यकारी पत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अनुसंधान के परिणाम प्रसिद्ध राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए। कुछ पत्र सर्वोत्तम पुरस्कार हेतु भी चयनित किए गए हैं। इस वर्ष संस्था में एक राष्ट्रीय एवं एक अंतर्राष्ट्रीया स्तर के सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

छात्र एवं संकाय विनिमय योजना के अन्तर्गत ओडेन्सिया नैन्ट्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस, कैटोलिका लिबसन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकनॉमिक्स पुर्तगाल, कोलेज ऑफ कॅामर्स, नेशनल चैंग्ची यूनिवर्सिटी, ताईवान, साइप्रस इंन्टरनेशनल इंस्टिच्यूट ऑफ मैनेजमेंट, साईप्रस, ई.डी.एच.ई.सी. बिजिनस स्कूल, फ्रांस, सुगक्यूँक्वान यूनिवर्सिटी कोरिया, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिघम, यू.के. यूनिवर्सिटी ऑफ ब्राडफोर्ड यू.के. के साथ नई साझेदारी हेतु करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस संस्थान के कुल 44 छात्रों ने विभिन्न साझा संस्थानों में तथा दूसरे साझा संस्थानों के 25 छात्रों ने इस संस्थान में एक नियत समय तक अध्ययन किया।

संस्थान परिसर के प्रयोक्ता समुदाय को सूचना एवं प्राद्योगिकी सुविधाएँ मुहैया कराने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखा। उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु इस वर्ष कंप्यूटिंग सुविधाओं को और विकसित किया गया। परिसर के नव निर्मित भवनों को एल. ए.एन. से जोड़ा गया तथा यथोचित आई.टी. संरचना एवं सुविधओं से लैश किया गया।

प्रथम चरण के सभी आवासीय भवनों को अधिक विश्वसनीय संबद्धता प्रदान करने हेतु ए.डी.एस.एल. तकनीकि का उपयोग करते हुए परिसर के एल.ए.एन. से जोडा गया। यह संबद्धता मौजूदा वाई-फाई सुविधा की अनावश्यकता तथा विश्वसनियता को सुनिश्चित करने के अतिरिक्त प्रदान की गई है।

संकाय सदस्यों की संख्या लगातार बढती जा रही है तथा इस वर्ष संस्थान में पाँच नए संकाय सदस्यों ने कार्यभार ग्रहण किया। संकाय संवर्धन के सिलसिले में चार संकाय सदस्यों ने हार्वर्ड विजिनस स्कूल ग्लोबल, पार्टिसिपेंट सेंटर्ड लर्निंग बोस्टन में भाग लिया। संस्थान के शैक्षणिक गतिविधियों के विकास के साथ-साथ परिसर के पाँचवें चरण के भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ परिसर के संरचना सुविधाओं में और वृद्धि की गई। जब तक एम.डी.पी. प्रांगण की आंतरिक सज्जा का कार्य प्रगति पर है तबतक 56, दो कमरों वाला अतिथि गृह जो कि इस प्रांगण का, एक हिस्सा है, को तैयार कर रहने योग्य बना दिया गया।

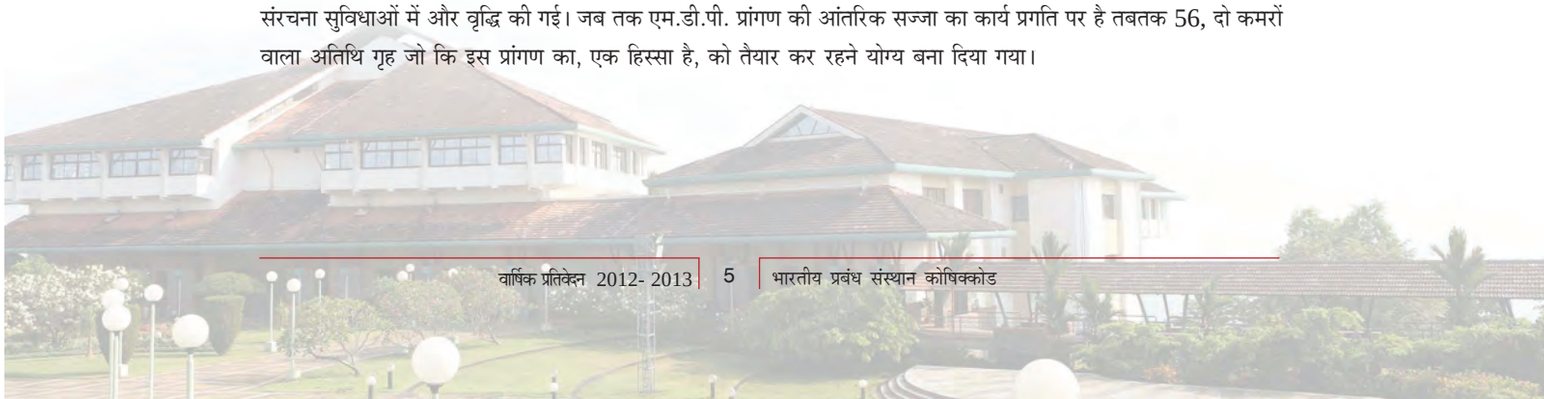

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

15.4 एकड़ भूमि के अतिरिक्त फैलाव हेतु संकल्पनात्मक महायोजना को अंतिम रूप दिया गया तथा नई अर्जित भूमि पर भावी निर्माण योजना तैयार की गई। परिसर के प्रस्तावित चरण पाँच संरचना को विश्व स्तर की सुविधाएँ प्रदान करने के लक्ष्य से परम महत्वाकांक्षी जी.आर.आई.एच.ए. (आई.ई. ग्रीन रेटिंग फॅार इंटिग्रेटड हैबिटेट एसेसमेंट) जिससे कि मानव रचित संरचना के कार्बन पद चिह्न को निम्नतम रखा जा सके, को लागू करते हुए बनाया गया।

आई.आई.एम.के. के अनुसंगी परिसर के कार्यपालक शिक्षा को उद्देश्य से कोच्ची के इन्फोपार्क परिसर में स्थापित किया गया। आई.आई.एम.के. के अनुसंगी परिसर का निर्माण 12,400 वर्ग फुट पर किया गया तथा इसे अत्यन्त कम समय में संचालित किया गया ।

उपर्यक्त उपलब्धि सभापति महोदय के विलक्षण मार्गदर्शन, आई आई एम के समाज के कार्यकारिणी के माननीय सदस्यों, संकाय, कर्मचारियों तथा भारत एवं केरल सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के समर्थन एवं सहयोग के बिना संभव नहीं था।

मैं इस संस्थान को सफलता के शीर्ष तक पहूँचाने हेतु सभी हितधारकों से अपना सहयोग जारी रखने की अपेक्षा करता हूँ।

प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी
निदेशक

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रबंध में द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम संस्थान का मुख्य कार्यक्रम है, जो सिद्धांत एवं अभ्यास का विवेकसम्मत मिश्रण है। यह कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा संबद्ध मुद्दों के विभिन्न पहलुओं के महत्व को प्रस्तुत करता है। यह कार्यक्रम व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर संघ (ए एम बी ए) द्वारा प्रत्यायित है।

पीजीपी 15 वें बैच के चौथे सत्र की कक्षाएँ 11 जून 2012 से प्रारंभ हुई। जुलाई तथा अगस्त के महीनों में पीजीपी 15 वें बैच हेतु उद्यमवृत्ति विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

गतिशील वातावरण में प्रबंधन

प्रत्यायित एवं सफल प्रबंधन चुनौतिपूर्ण स्थिति में कार्य करना है, जिससे कि सतत् एवं सकारात्मक परिवर्तन हो सके। नियत पाठ्यक्रम जैसे - नेतृत्व, संकल्पनात्मक तथा सरकार का अनुप्रयुक्त, परामर्श पेशा एवं अभ्यास प्रबंधन आदि, अभ्यर्थियों को परिवर्तन में प्रक्रिया प्रबंधन तथा भौतिक एवं मानवीय परिसंपत्ति तथा पूँजी में परिवर्तन लाने हेतु अभिकल्पित है।

प्रबंधकों की इक्कीसवीं शताब्दी हेतु तैयारी

संस्थान की शैक्षणीक योजनाएँ नवीनता एवं परिवर्तन के लिए व्यापक साक्ष्य है। आदर्शवाद के साथ सिद्धान्त एवं अभ्यास का मिश्रण अभ्यर्थियों को वैश्विक वातावरण में प्रबंधक के रूप में तैयार करते हैं, ताकि वे बड़ी चुनौतियों का बोझ उठाने में सक्षम हो सकें। नए पाठ्यक्रम एवं ताजा विषयवस्तु तथा संकाय-विद्यार्थी, उद्योग-विद्यार्थी का पारस्परिक संबंध इस उन्नति को संभव बनाता है।

नया बैच

पीजीपी 16 का पंजीकरण एवं उद्घाटन 02 जुलाई 2012 को हुआ। गणित, कंप्यूटर या संचार प्रतिभा की कमजोरी दूर करने हेतु 02 जुलाई से 16 जुलाई 2012 तक अभिविन्यास एवं यथार्थ योजना आयोजित की गई। संस्थान के निदेशक देबाशिष चाटर्जी ने नए बैच से नेतृत्व विषय पर बात-चीत की। साउथ एशिया एस.पी. जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट की क्षेत्रीय निदेशिका, सुश्री नेहा पाई ने अभिविन्यास एवं परिप्रेक्ष्य योजना में प्रबंध स्नातकों से उद्योग जगत की अपेक्षाऐ विषय पर पीजीपी 16 बैच को संबोधित किया। अर्श विद्यापीठ, ऋषिकेश के आध्यात्मिक संसार के जाने माने व्यक्तिक्व, स्वामि दयानंद सरस्वति ने विद्यार्थियों को 05 जुलाई 2012 को संबोधित किया। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. डी सुब्बराव ने पीजीपी 16 के विद्यार्थियों को 06 जुलाई 2012 को संबोधित किया।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

98 छात्राओं सहित 356 विद्यार्थियों ने पीजीपी हेतु पंजीकरण कराया। पीजीपी 15 के 4 स्थगन वांछित विद्यार्थियों ने पीजीपी 16 को अपनाया। 3 विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत कारणों से इस कार्यक्रम को छोड़ दिया। इस प्रकार पीजीपी 16 के विद्यार्थियों की कुल संख्या 357 हो गयी। पूर्ण ब्योरा निम्नवत है।

पंजीकृत छात्र	356
पुरुष	98
स्त्री	258
कुल	*357

*तीन छात्र ने इस बैच से वापस चले गए, तो चार छात्र ने डी पी पी बैच में सम्मिलित हुए।

पीजीपी 16 के श्रेणीकृत छात्र विवरण

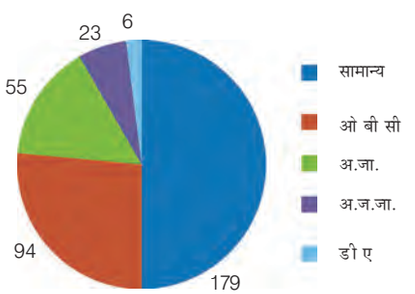

आई आई एम के में पीजीपी 16 बैच के छात्रों का भौगोलिक संक्षिप्त विवरण

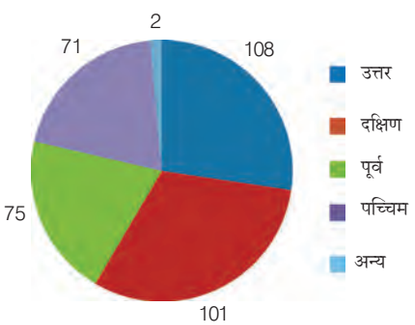

कार्यक्रम की संरचना

छात्रों तथा अन्य प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि का उपयोग करते हुए विभिन्न शिक्षण पद्धति का एक प्रायोगिक मिश्रण विकसित कर इस संस्थान में लागू किया गया है। प्रबंधकीय प्रतिभा संवर्धन हेतु शिक्षण प्रक्रिया तथा परिणाम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रकरण अध्ययन के माध्यम से समस्या हल करने की विशेष प्रतिभा को और तीव्र बनाया गया है, जो अधिकतर पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है। औद्योगिक परियोजनाओं के अधिग्रहण के माध्यम से छत्रों को उद्योगों से सीधा जोडकर पीजीपी पाठ्यक्रम उन्हें और कौशल प्रदान करता है।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम मुख्य क्षेत्र में बुनियादी सक्षमता विकसित करने हेतु समर्पित है तथा प्रबंधन के प्रति समग्र एवं सामाजिक सजग प्रवृत्ति विकसित करने में सहायक है। प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। अनिवार्य संकुल का लक्ष्य प्रतिभागियों को मूलभूत ज्ञान कौशल तथा तकनीक, प्रासंगिक सूझ-बूझ एवं समस्त परिप्रेक्ष्य से अवगत कराना है,जो सामान्य प्रबंधन का अटूट हिस्सा है। प्रथम वर्ष में अनिवार्य आधार निर्माण के महत्व के मद्देनजर शिक्षण का एक पर्याप्त भाग संस्थान के पूर्णकालिक संकाय सदस्यों द्वारा वहन किया गया।ग्रीष्मकालीन अतःशिक्षण तथा सामाजिक विकास परियोजनाएँ इस प्रकार के तीव्र अधिगम अनुभव हेतु परिक्षण आधार प्रदान करती हैं।

द्वितीय वर्ष दैनिक रूप से चयनित क्षेत्र में कौशल के शीर्ष तक पहूँचने हेतु अवसर प्रदान करता हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनिवार्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पी जी पी के द्वितीय वर्ष में संस्थान निम्नलिखित ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है।

अर्थशास्त्र
खेल सिद्धान्त
समाज का प्रबंधन-संस्थाओं का मूल्यांकन एवं कानूनी प्रणाली
व्यापार एवं सरकार
व्यवसाय के लिए अर्थशास्त्र

वित्त, लेखा एवं नियंत्रण
वित्तीय रिपोर्ट देना एवं विश्लेषण
वित्तीय संजात
अन्तर्राष्ट्रीय वित्त
रणनैतिक वित्तीय प्रबंधन
विलयन,अर्जन एवं निगमित पुनर्संरचना
परियोजना प्रबंध एवं वित्त
नियत आय प्रतिभूति
वित्तीय सेवाओं का प्रबंध
वित्तीय जोखिम मापन एवं प्रबंध
बैंकों का प्रबंध
मूल्यांकन एवं वास्तविक विकल्प
प्रतिभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन
वित्त व्यावहारिक
पूँजी बाजार एवं वितिधान बैंकिग

विपणन
बिक्री एवं विपणन प्रबंधन
रणनीतिक विपणन
व्यवसायों के बीच विपणन
सेवाओं का विपणन
उपभोक्ता व्यवहार
एकीकत विपणन संचार
उत्पाद नीति एवं ब्रांड प्रबंधन
ग्राहक संबंध प्रबंधन
खुदरा प्रबंधन
ग्रामीण विपणन
बेहतर समाज के लिए विपणन
सामाजिक मीडिया एवं उभोक्ता विपणन
विपणन अनुसंधान पर अग्रिम तरीके
इंटरनेट विपणन

सूचना प्राद्योगिकी और प्रणाली
व्यवसायिक बुद्धिमान प्रणालियाँ
उद्दम संसाधन कंप्यूटिंग
सू.प्रो.जोखिम प्रबंधन
व्यवसाय के लिए क्लौड कंप्यूटिंग
समस्या समाधान एवं निर्णयनिर्माण
आई टी उद्पाद्य एवं सेवा प्रबंधन
सूचना सुरक्षा प्रबंधन
प्रणाली चिन्तन एवं आदर्शता
कंप्यूटेशनल विज्ञापन
सूचना प्रणाली अभिकलन में मानव घटक
हरी एवं धारणीय अभिकलन

संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन
वार्ता एवं संघर्ष के संकल्प
खुद की खोज
मुआवजा एवं पुरस्कार प्रबंध

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

मुआवजा एवं पुरस्कार प्रबंध
संगठनात्मक विकास
एच आर एम के कानूनी पक्ष
नेतत्व-प्रायोगिक संकलनात्मकता एवं विकास
प्रबंधन एवं परामर्श-वत्ति एवं पेशा
संगठनात्मक बदलाव प्रबंधन
कार्यस्थल में कर्मचारी निष्पादन एवं मानवता उन्मुखीकरण की वद्धी के लिए कुछ आधुनिक संस्था व्यवहार
कर्मस्थान में अभिविन्यास
भर्ति करा देने वाले और चुनाव
रणनीतिक एच आर एम
विष्पादन प्रबंधन
प्रबंध सर्जनात्मकता
उद्यम के ज्ञानात्मक अभिविन्यास अभिकल्प

मात्रात्मक तरीके एवं संचालन प्रबंधन
आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन
परियोजना प्रबंधन
सिक्स सिग्मा
सेवा संचालन प्रबंधन
अन्तर्राष्ट्रीय तर्कशास्त्र
उत्पाद्य नवाचार एवं विकास
प्रबंधकों को स्वानुभव से पढना
अन्तर्राष्ट्रीय क्रय प्रबंध
झुकाव प्रणाली
परिचालन रणनीति
हरा आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन और पेशा

रणनीति
संयुक्त व्यापार एवं मैत्री के रणनीतिक विश्लेषण
उद्यमिता एवं नए व्यापार
रणनीति के अर्थशास्त्र
विलयन,अर्जन,संयुक्त व्यापार एवं निगम संवद्धि
रणनीतिक कार्यान्बवयन
नवाचार के रणनीतिक प्रबंधन
निगमित शासन एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व
21 वीं शति के लिए व्यावसायिक नमूना
संस्था में रणनीतिक लचीलापन और संसाधन प्रभावन क्षमता
रणनीतिक विश्लेषण-खेल-कूद से अन्तर्दष्टी

प्रबंध में मानवीकता एनं स्वतंत्र कला
वैश्वीकरण एवं संस्कार
प्रभाव प्रबंधन जैसे विनिमय
अनुनय कला-विनिमय एवं सामाजिक और सामाजिक मानसिक दष्टिकोण

आन्तरिक अनुशासन
मूल्यांकन

पी जी पी 15 के दूसरे साल में कक्षा के कुल 2760 घंटे थे तो पीजीपी 16 में प्रथम साल में कुल 3720 घंटे का कक्षा रहे। कुल मिलाकर 23 अनुलग्न संकाय सदस्य थे, जिन्हें उद्योग और शिक्षा जगत दोनों से बुलाया गया था तथा वर्ष 2012-13 के दौरान पीजीपी पाठ्यक्रम के शिक्षण में योगदान दिया था।

छात्रों को ऐसी परियोजना पाठयक्रम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो स्वतंत्र अध्ययन के पाठ्यक्रम होते हैं। छात्र उचित परियोजनाओं का पहचान करते हैं, और संकाय सदस्य के निरंतर मार्गदर्शन सहित अध्ययन करते हैं। चालू शैक्षणिक वर्ष 2012-13 के दौरान दो दलों ने परियोजना पाठ्यक्रम का अध्ययन किया।

दीक्षांत समारोह

पीजीपी 15 वें बैच का दीक्षांत समारोह 23 मार्च 2013 को संपन्न हुआ। संचालक मंडल के सभापति डॉ. ए. सी मुथैया ने पी. जी. पी. 2011-13 बैच के 325 तथा पीजीपी 2010-12 के दो विद्यार्थियों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया।माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. पल्लम राजू इस समारोह में मुख्य अतिथि थे। लंदन स्कूल ऑफ एकोनॉमिक्स के विख्यात प्रोफेसर, लॉड मेघनाद देसाई सम्मान अतिथि थे। इस संस्थान के निदेशक प्रोफेसर देवाशिष चटर्जी ने जन समूह का स्वागत किया तथा संस्थान एवं इसके क्रिया कलाप पर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। सम्मान अतिथि लॉर्ड मेघनाद देसाई ने भी जनसमूह को संबोधित किया। मुख्य अतिथि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु श्री देवी प्रसन्ना पति (प्रथम), श्री प्रियांक शर्मा (द्वितीय) तथा सुश्री साक्षी कोहली (तृतीय) को आई आई एम के स्वर्ण पदक प्रदान किया। सर्वोत्तम सर्वांगीण प्रदर्शन हेतु भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड स्वर्ण पदक संयुक्त रूप से सुश्री दिव्या श्रीनिवास तथा श्री नामिथ नजीब को प्रदान किया गया।

प्रथम वर्ष की अन्तिम परीक्षा के बाद पीजीपी 16 वें बैच के विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन अन्त.शिक्षुता हेतु प्रस्थान कर गए।

छात्र क्रिया कलाप

- आपूर्ति श्रखला प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन, उद्योग संवाद प्रकोष्ठ ने किया।
- उद्योग संवाद प्रकोष्ठ द्वारा भिन्न क्षेत्र के महान पंडितों के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- रक्तदान शिविर, सेहत जाँच क्षमता, कर्तव्य (किशोरों के घरों में खेल सामान का दान, निराश्रितों की संस्था पर खाने का किट प्रदान करना) आदि समाज सेवा दल ने आयोजित किया।
- उद्योग संवाद प्रकोष्ठ द्वारा ई-वाणिज्य संचालित किया गया। इसमें भिन्न उद्योग के महान व्यक्तियों ने भाग लिया।
- उद्योग संवाद प्रकोष्ठ द्वारा ई-सम्मिट (देशीय उद्यमी अवसर) आयोजित किया गया।
- बैकवार्टेस (वार्षिकदेशीय प्रबंध त्योहार क्षितिज) वार्षिक नेतृत्व गुप्त सभा और इकोस वार्षिक साँस्कतिक समारोहइस साल में हुआ।
- खेलकूद समिति द्वारा आयोजित शंतरंज (उत्कष्ट खिलाडियों द्वारा) कक्षाएं एवं परिसंवाद।
- सामाजिक सेवा दल द्वारा आयोजित एन जी ओ के लिए परियोजना प्रबंध पर कार्यशाला आयोजन।
- इस साल में एच आर सम्मिट चलाया गया। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के महान पंडितों ने सम्मिट पर भाग लिया।
- समाज सेवा दल द्वारा उत्कृष्ट छात्रों के लिए सामाजिक सभा का आयोजन किया गया।
- छात्रों के शानदार मैराथन कार्यवाही समिति ने कालिकट मिनि मैराथन। इस साल के विषय वस्तु है "मालिन्य पर लडाई"।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

- बीसवीं व्यापार मामला स्कूल एवं देवांग मेहता बिसिनेस स्कूल ने दूसरे साल के पीजीपी 15 के एक छात्रा को प्रबंन के अच्छे छात्र ठहराया। उन्होंने 5 लाख रुपए के छात्रवृत्ति स्वर्गीय मिस अनिता गंगल पुरस्कार दिया गया । दूसरे मौके में छाप के ख्याति - वर्तमान और भविष्य- विषय के प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में दूसरे स्थान भी प्राप्त किया।
- पूने में हुए अन्तिम देशीय टाटा मोटोर्स मिन्डोवर मामले चुनौती में (दल की नाम् -ट्रिप्पिल ट्रब्ल-प्रथम साल के तीन छात्रों ने विजयी हुए। सबसे अच्छे कैंपस से सबसे अच्छे छात्रों से चूनौती देने वाले् मुद्दो के समाधान का आमंत्रण ही टाटा मोटोर्स मिमला अध्ययन के मिन्डोवर ने किया है। 1500 से अधिक दलों ने 40 बी स्कूलों ने इस प्रतियोगिता में पंजीकत किया।आई आई एम के के दल ने अन्तिम छह दलों में पहूँचे, और विजयी हुई।
- सर रतन टाटा समिति द्वारा आयोजित सर रतन टाटा छात्रवृत्ति द्वितीय साल के 5 छात्रों को (पीजीपी 15) प्राप्त हुआ।
- ओ पी जिंटाल ग्रूप द्वारा आयोजित ओ पी जिंदाल गुणावगुण छात्रवृत्ति द्वितीय साल के दो छात्रों को प्राप्त हुआ।
- आदित्य बिड़ला दल द्वारा आयोजित आदित्य बिड़ला दल ने एक छात्र (पीजीपी 16) को पुरस्कार प्रदान किया।
- सामाजिक सामान्य बैश्धिक समाधान संस्था प्रा.लि. द्वारा आयोजित एस जी जी एस सी के प्रतिभा छात्र वृत्ति, से प्रथम साल के एक छात्र को पुरस्कृत किया गया।

प्रवेश 2012

प्रवेश प्रक्रिया के विशिष्ट संकेतक नीचे दिए गये है।

साक्षात्कार के लिए बुलाये गए उम्मीदवारों की संख्या

	2011-12	2012-13
सामान्य	1362	1657
ओ बी सी	832	856
अ.जा.	416	530
अ.ज.जा.	230	278
विकलांग	88	96
अनिवासी भारतीय	06	06
कुल	2934	3423

साक्षात्कार में शामिल उम्मीदवारों की संख्या

	2011-12	2012-13
सामान्य	1174	1164
ओ बी सी	744	454
अ.जा.	354	251
अ.ज.जा.	191	93
विकलांग	82	43
अनिवासी भारतीय	04	06
कुल	2549	2011

कुल दिए गये प्रस्ताव

	2011-12	2012-13
सामान्य	314	311
ओ बी सी	226	236
अ.जा.	126	137
अ.ज.जा.	78	69
विकलांग	35	25
अनिवासी भारतीय	01	03
कुल	780	781

कुल स्वीकृत प्रस्ताव

	2011-12	2012-13
सामान्य	188	194
ओ बी सी	100	109
अ.जा.	51	61
अ.ज.जा.	27	26
विकलांग	11	07
अनिवासी भारतीय	01	01
कुल	378	398

स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए पंजीकृत विद्यार्थीयों

	सामान्य	ओ बी सी	अ.जा.	अ.ज.जा.	विकलांग	अनिवासी भारतीय	कुल
2011-12	175	79	43	20	10	01	328*
2012-13	179**	96	55	20	06	01	356

*2010-11 बैच के आवत्त करनेवाले एक छात्र से युक्त

**एक एन आर आई छात्र से युक्त

स्नातक अनुशासन

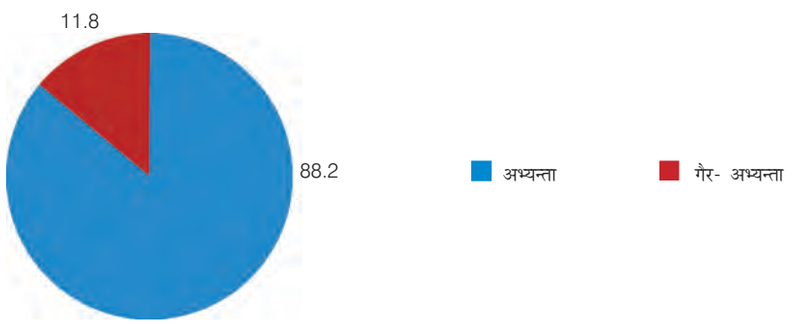

लिंग अनुपात

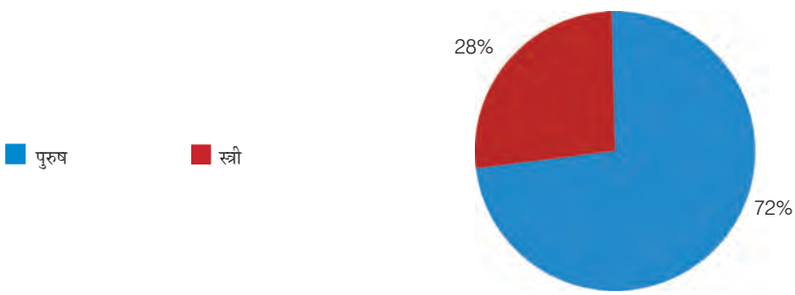

कार्य अनुभव

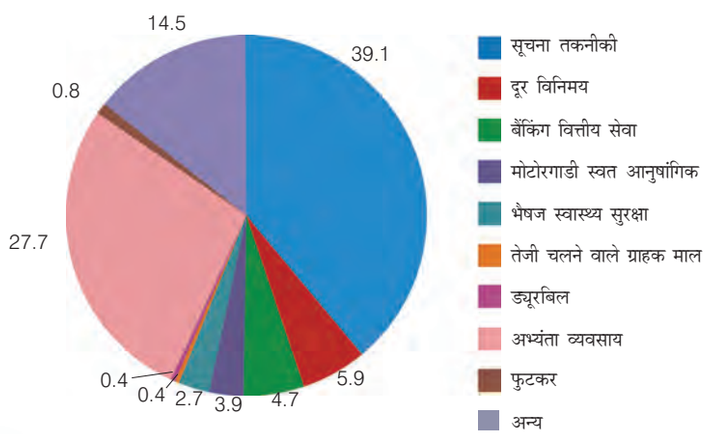

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

सामान्य नामांकन परिक्षण 2012

विभिन्न भारतीय प्रबंध संस्थानों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु समान्य नामांकन परीक्षण 2012 (कैट 2012) भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड द्वारा आयोजित की गई। इस परीक्षण हेतु पंजीकृत उम्मीदवारों की कुल संख्या 2,14,068 थी, जिसमें 60,876 महिलाएँ थी, तथा अन्य पुरुष। कैट 2012 हेतु पंजीकरण की संख्या पिछले साल से लगभग 5 प्रतिशत अधिक थी। कुल मिलाकर 1,91,642 उम्मीदवारों ने इस परीक्षा में भाग लिया, जिसमें 54,744 महिलाएँ थीं। कैट 2012 का परिणाम 09 जनवरी 2013 को घोषित हुआ।

नामांकन 2013

पीजीपी 2013-15 के उम्मीदवारों के चयन हेतु साक्षात्कार 18 फरवरी से 06 अप्रैल 2013 तक कोषिक्कोड,मुंबई, कोलकाता, दिल्ली तथा बैंगलूरु में नियत किया गया। लेखन कार्य तथा साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों का ब्योरा निम्नवत है:-

संवर्ग	उम्मीदवारों की संख्या
सामान्य	1514
अ.पि.वर्ग-एनसी	926
अ.जा.	599
अ.ज.जा.	309
शारीरिक रूप से आशक्त	110
कुल	3458

प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफ.पी.एम)

प्रस्तावना

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड का अध्येता कार्यक्रम डॉ. की उपाधी के स्तर का कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य उत्तम गुणता वाले विद्वान एवं शोधकर्ता प्रस्तुत करना है। भारतीय प्रबंध संस्थानों में अध्येता कार्यक्रम भारतीय प्रबंध संस्थानों, उद्योग जगत, व्यापार,सरकार तथा समाज हेतु उच्चतम गुणतावाले संकाय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। एफ पी एम हेतु सामान्य चार वर्षों की अवधी अभिकल्पित की गयी है। इस कार्यक्रम के तहत् उम्मीदवारों को दो वर्षीय कठोर पाठ्यक्रम पूरा करना होता है, जिसमें प्रथम वर्ष बृहद रूप से प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम जैसा ही है, तथा द्वितीय वर्ष उम्मीदवार के विशिष्टीकरण क्षेत्र में डॉ. स्तर के कार्यक्रम के प्रति समर्पित होता है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्यापक रूप से शोध पद्धति आगत तथा प्रबंध शिक्षण में शिक्षाशास्त्र समायोजित हैं। भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड ने पर्याप्त प्रशिक्षण द्वारा उत्तम गुणता के उम्मीदवार प्रस्तुत करने के लक्ष्य से एफ पी एम कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2007-08 में शुरु किया। यह कार्यक्रम पूरे विश्व से प्रतिभावान विद्यार्थियों को आकर्षित करता है, तथा लोगों के नए विचारों का प्रयोग तथा लगातार नई विचारधारा को प्रोत्साहित एवं विकसित करने हेतु हम ने एक आदर्श वतावरण बनाया है।आई आई एम के छात्रों को अमिट औजार उपलब्ध कराता है, जिससे कि वे उचित अवसर का अधिग्रहण करने तथा वैश्विक स्तर पर परिवर्तनशील परिदृश्य में चुनौतियाँ एवं खतरों का सामना करने में कौतूहलपूर्ण एवं रचनात्मक रहें।

आई आई एम में एफ पी एम

वर्तमान में विशिष्टीकरण के सात क्षेत्र प्रस्तुत किए गए हैं, जैसे - अर्थशास्त्र, वित्त, लेखांकन एवं नियंत्रण, सूचना एवं प्राद्योगिकी तंत्र, संगठनीय आचरण एवं मानव संसाधन, मात्रात्मक पद्धति एवं प्रचालन प्रबंधन तथा नीतिबद्ध प्रबंधन। एफ पी एम छात्रों को प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में क्रमश. कुल 61/64.5 क्रेडिट प्राप्त करना होता है। वर्तमान में आई आई एम कोषिक्कोड में एफ पी एम कार्यक्रम में 6 क्षेत्रों में 33 विद्यार्थी हैं।

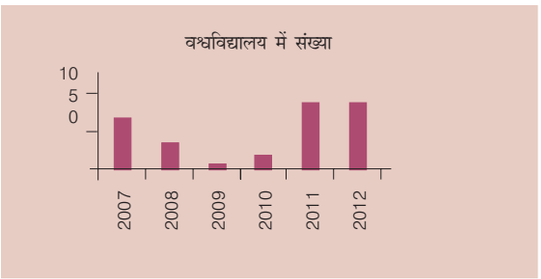

वित्तीय समर्थन

इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण लक्षण यह है कि यह उम्मीदवारों को आकर्षक वित्तीय समर्थन प्रदान करता है, जिसके चलते कार्यक्रम में नामांकन प्रस्ताव करने हेतु संस्थान अति वर्णात्मक रहता है। यह आवश्यक स्तर पर गुणता की जाँच सुनिश्चित करता है।

एफ पी एम में शामिल होने वाले सभी भारतीय छात्रों को प्रथम एवं दूसरे वर्ष के लिए 17,000 रुपए प्रतिमाह तथा तीसरे, चौथे एवं पाँचवे वर्ष के प्रथम छमाही में 18,000 रुपए की अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है। पाँचवें वर्ष के दूसरे छमाही में विद्यार्थियों को शोध सलाहकार समिति के निर्णय के अनुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। किताब, लेखन सामग्री तथा, कंप्यूटर आदि पर व्यय हेतु 1,20,000 रुपए का आकस्मिक अनुदान कार्यक्रम हेतु अनुमति प्राप्त समयसीमा के अन्तर्गत इस्तमाल किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु भारत में (20,000) रुपए तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु विदेशों में (75,000) रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

एफ पी एम नामांकन 2012-13

इस कार्यक्रम हेतु ऑनलाईन 260 छात्रों ने नामांकन कराया तथा साक्षात्कार 02 अप्रैल से 04 अप्रैल तक संपन्न हुआ। एफ पी एम कार्यक्रम के छठे बैच (शैक्षिक सत्र 2012-13) में आई आई एम के ने 22 उम्मीदवारों का नामांकन दिया। 22 प्रस्तावों में से 17 उम्मीदवारों ने अपनी सहभागिता की पुष्टि की। पंजीकरण के दिन मात्र 12 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया तथा बाद में तीन उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया। एफ पी एम के छठे बैच के 09 विद्यार्थियों का विभाजन निम्नवत है-

विपणन क्षेत्र	02
आई टी और प्रणाली क्षेत्र	02
रणनीतिक प्रबंधन	02
क्यू एम और एम क्षेत्र	02
वित्तीय एवं लेखा नियंत्रण	01

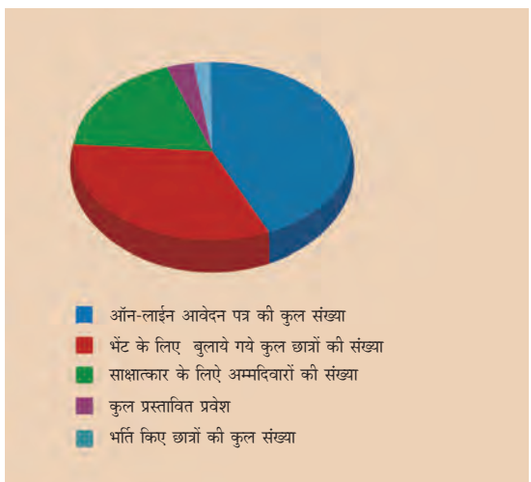

वर्ष 2012-13 की अवधी में अध्येता उपलब्धि

वर्तमान में आई आई एम के परिसर में छह क्षेत्रों में 33 अध्येता प्रतिभागी हैं। पहले ही विद्यार्थियों ने कुछ ही वर्षों में प्रचुर विकास दिखाया है। एफ पी एम के कुछ विद्यार्थियों की निष्पत्ति निम्नवत है-

क) आई आई एम के के अध्येता शीर्षक पुरस्कार

मार्च 23, 2013 के 15 वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह में दो एफ पी एम 01 बैच के मि.वैभव चावला और मि. मनीष शुक्ला नामक छात्रों को भारतीय प्रबंध संस्थान के अध्येता शीर्षक पुरस्कार प्रदान किया गया।

ख) फुलब्राईट -नेहरू डॉक्टेरल तथा प्रॅफशनल रिसर्च फेलोशिप

मि. राकेश कुमार पति ने मिनिसोटा विश्वविद्यालय यु एस ए के कार्ल्सन प्रबंधन स्कूल पर सितंबर 2012 से नौ महीने तक शुरु होने वाले अवधी में प्रशि श्रण प्राप्त किया ।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

ग) पुरस्कार

सुस्मिता नारायण अघल्या (2013) ने औषधि उद्योग में हरा श्रखला आपूर्ति इन्दो कनेडियन अन्तशिक्षुक ,एच आचसी मोन्ट्रील फरवरी 2012 नामक परियोजना विषय के लिए भारतीय छात्र कार्यक्रम संस्था पुरस्कार प्राप्त किया।

कृष्णदास एन जी एस टी एफ (सिंगपूर की सबसे उत्कृष्ट शोध छात्रा 2012 विश्वविज्ञान और तकनीकी फारम (जी एस टी एफ) सिंगपूर द्वारा हरा सूचना प्राद्यौगिकी एवं क्लौड कंप्यूडिंग के लिए विशेष छात्र के रूप में चुन लिया गया।इसमें शोध अनुदान एवं आमंत्रित पत्रिकाएं निहित है।

कृष्णदास एन, विंग्स आफ एक्सलेंस पुरस्कार 2012 (स्विसरलैंड) धारणीयता पर जोखिम प्रबंध नामक शोध को विश्व भर से आमंत्रित किए पत्रिकाओं में से सबसे अच्छे पत्रिका के रूप में चुनाया गया और उसे प्रस्तुति के लिए चुनाया गया।संत जैलान सिंपोसियम-2012 स्विटसरलैंड

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ -अन्तर्राष्ट्रीय

दीपक एस कुमार, केयूर पुरानी और सुनिल सहदेव (2012) दश्य सेवा माध्यम के मूल्यनिरूपण, एक पर्यावरण मानसिक दष्टिकोंण, शैक्षिक विषय पर वार्षिक विपणन सम्मेलन, 3,6 जुलै 2012-सताम्पटन विश्वविद्यालय राज्यसंघ

स्वाइन ए के और श्याम ए वी (2012) आपात विपणन एवं प्रबंधन के नए गतिशीलता पर अनुसूचित कार्यवाही के लिए संज्ञेय व्यावसायिक आसूचना प्रणाली पर मई 17-18 लंदन, राज्य संघ में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ।

सुस्मिता नारायण अघालय, अरुण ए एलियास, रूपेष कुमार पति (2012) भेषज व्यवसाय पर प्रतिलोम तर्कशास्त्र का विश्लेषण - एक प्रणाली दष्टिकोण-विषय पर २६वाँ वार्षिक आस्त्रेलियन और न्यूजिलैंड शैक्षिक प्रबंधन सम्मेलन (एन जे डी एम दिसंबर 5,7, वेस्ट पश्चिमी आस्त्रेलिया

अंकिता ठंडन (2012) सामाजिक मूल्य निर्माण के लिए उद्यम शिक्षा-सामाजिक उद्यम के लिए अनुसंधान कार्यसूची-चौथी अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक नवाचार अनुसंधान सम्मेलन सितंबर 12-14 2012 तीसरा क्षेत्र के अनुसंधान स्थान, बिरिंगहाम, यू.के

कृष्णदास एन और राधाकष्ण पिल्लै आर (2012) ग्रीन आई टी सूत्रपात के धारणीयता के लिए नमूना, सूचना प्रणाली 2012 (आई सी आई एस 2012) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्यवाही।

कृष्णदास एन और राधाकष्ण पिल्लै आर (2012) क्लौड कंप्यूटिंग- साँख्यकीय प्रक्रिया द्वारा विश्लेषण,-कंप्यूटर खेल,मल्टि मीडिया एवं संबंध तकनीकी पर छठीं अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन जी एस टी
एफ (व्यय चुके हुए है)।

सुप्रिया के के और एम पी सेबास्ट्यन (2013)शिक्षा के लिए आई सी टी -इसके शुरुवात एवं सफलता. 7 वीं सीमारहित शिक्षा अन्तर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन, मार्च 25-28 उच्च तकनीकी कालेज यू ए ई।

सम्मेलन प्रस्तुतीकरण-देशीय

कष्णदास एन और राधाकष्ण पिल्लै आर (2013) भारतीय क्षेत्रों में व्यवसायिक धारणिका पर नवाचार रणनीत-ऊर्जस्व भारत के लिए भौगोलिक रणनीतिक कार्यवाहियाँ- आई आई एम के।

सुप्रिया के के.और सेबास्ट्यन एम पी (2012) ई-गर्वेस-भारत के लिए चुनौतियाँ-ऊर्जस्व भारत के लिए भौगोलिक रणनीति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर 27-28, आई आई एम के केरल

सुप्रिया के के.और सेबास्ट्यन एम पी (2013) रूपांतरित प्रबंध शिक्षा पर चिन्तन दष्टिकोण प्रणाली।-प्रबंध पर नौवीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ए आई एम एस विस्तत एवं प्रबंध शिक्षा के लिए स्थापित,जनवरी 1-3, पूने

वेणुगोपाल ए (2012) गुणकर्म परिनियोजना से प्राक्कलन कर्मचारी आवास। चटर्जी, एस पी पती और एम धाल उच्च तकनीकी लोग उच्च स्पर्श एच आर,हम मानुषिकता खो रहे हैं (पन्ना-23-40) नई दिल्ली व्लूमबेरी

पत्र प्रस्तुति

अपर्णा वेणुगोपाल ने गुणकर्म परिनियोजना से प्राक्कलन कर्मचारी आवाज विषय पर एच आर सम्मिट-2013 में पत्र प्रस्तुत किया।- आई आई एम के केरला 8-10 फरवरी 2013

पुस्तकें

कृष्णदास एन और राधाकष्ण पिल्लै आर (2012) क्लौड कंप्यूटिंग निदान -बहत अध्ययन (किताब पाठ) क्लौड कंप्यूटिंग के लिए सेवा उन्मुख कार्यप्रणाली एवं तकनीकी। आई जी आई ग्लोबल द्वारा प्रकाशित

श्रीवास एस, सौरोर्ज से देहातों में वैद्युतीकरण, विकास शील राज्यों के लिए एक नमूना।, लांब लेबर्ट शैक्षिक प्रकाशन, फरवरी 4, 2013

जर्नल प्रकाशन

सुस्मिता ए, नारायण, रूपेष कुमार पति एवं प्रेम व्रत (2012) भैषज व्यवसाय में प्रबंधन समस्या का अनुसंधान, साहित्यिक समीक्षा।, भैषज एवं स्वास्थ्य सुरक्षा विपणी अंक 6(4) पन्ना 351-375

मामला अध्ययन

कृष्णदास एन (2012) गूँज कपडे का शक्ति एमराल्ड उर्जा विपणन मामला अध्ययन इकठ्डे पत्रिका

स्थानन

पीजीपी 16 बैच हेतु ग्रीष्मकालीन स्थानन

स्थानन दल कोषिक्कोड ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया की समाप्ति की घोषणा करते हुए अन्यन्त गर्व का अनुभव कर रहा है। इस अवसर पर स्थानन दल उन सभी लोगों को धन्यवाद देता है, जिन्होंने यह उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने हेतु सहयोग किया ।

मंदी प्रवृत्तियों तथा प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के बावजूद आई आई एम कोषिक्केड ने ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। हम उन सभी भर्ति करने वालें को धन्यवाद देना चाहेंगे, जिन्होंने स्थानन प्रक्रिया में भाग लिया तथा हमारे छात्रों पर विश्वास किया। हमारे विद्यार्थियों की विविध शैक्षणिक एवं कार्य अनुभव पृष्ठभूमि के कारण उद्योग जगत के भर्ति करने वालों के लिए आई आई एम कोषिक्कोड अधिमान गंतव्य बन चुका है।

इस सफलता में इस संस्थान के पूर्व छात्रों का सराहनीय सहयोग रहा। उनके सहयोग के बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना अत्यन्त कठिन था।अन्ततःहम दोनों बैचों के छात्रों का सराहनीय योगदान भी स्वीकार करना चाहेंगे।

साँख्यकीय आँकडे

- छात्रों की संख्या - 366
- कंपनियों की संख्या - 144
- कंपनियों की संख्या - 80
- उच्चतम वत्तिका-आई एन आर - 150,000

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

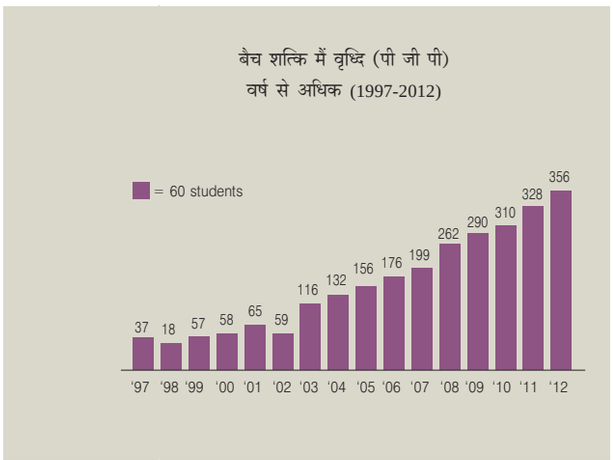

कीर्ति के 15 साल

1997 में स्थापित आई आई एम कोषिक्कोड अब भारत में स्थित सबसे पुराने पाँच आई आई एम में सोलह साल से अपना कीर्ति बनाये रखे है। यह केरल के कालिकट शहर से बाहर स्थित है, जो भारत का सबसे सुन्दर बी-स्कूल परिसर है। संस्था में बैचों की संख्या बढते जाने के साथ-साथ या अनुरूप भर्ति करा ने वालों की संख्या भी बढती है,जिससे छात्रों को अपनी जीविका चुनने का मौका मिलता हैं।बढने वाले विदेशी विश्वविद्यालय के भागीदारी तत्व तथा नेटवर्क के आदान-प्रदान का फल देता है, तथा सहक्रिया कार्य को दर्ज करा देते है।

आई आई एम के ने प्रबंधन में स्नानकोत्तर कार्यक्रम, डिप्लोमा प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम डी पी) और अन्य कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा है।

इस काल में हुए सबसे शीघ्रतम स्थानन

पी जी पी के 366 छात्रों के साथ एफ पी एम के छात्र भी ग्रीष्मकालीन स्थानों में भागीदार हुए। आई आई एम के ने स्थानन के लिए वफादार रास्ते से चलते आए है, जो उत्कृष्ठ स्थानन प्रदान करते हैं। यहाँ 140 भर्ति कराने वाले अन्तशिक्षुता कायम रखते हुए भिन्न विस्तृत ऊर्ध्वाधर, छोटे समय पर प्रदान किया है। प्रथम बार तो भर्ति करा देने वालों ने संस्था के शैक्षिक उत्कृष्ठता एवं मूल पाठ्यक्रम पद्धति पर प्रभावित हुए हैं। आई आई एम के के भिन्न प्रतिभा संपन्न मूल एवं छात्रों की जिज्ञासा भर्ति कराने वालों को आई आई एम के परिसर अधिमान है। वे लोग छात्रों द्वारा लाए गए भिन्न अनुभव एवं दष्टिकोण से प्रभावित हुए हैं, जिससे पिछले साल की परंपरा को आगे बढा दिया है। आई आई एम के के छात्रों के लिए भारत के प्रथम श्रेणी के ऊँचे कंपनियों ने एक बार और कैंपस पर ज्यादा-से- ज्यादा ग्रीष्मकालीन इन्टर्न शिप प्रदान करते हैं।

उच्च स्तर के गुण प्रदान करके हमारे नियमित रूप से भर्ति करा देने वालों की प्रतीक्षा संस्था कायम रखते आ रही हैं, जिससे व्यावसायिक कर्मचारियों के स्थान दृढ कर देता है।

कालातीत

पिछले सालों की तुलना में बैच की आकति के बढावा के साथ-साथ सामना करने वाले आर्थिक दबाव के मुद्दा भी सामना करते आ रहे हैं।आई आई एम के ने सभी छात्रों को एक रूप से विख्यात संस्था में चलाने वाले ग्रीष्मकालीन इंन्टेनशिप में भागीदार होने का मौका देते हैं।

मुख्य संख्यिकी वैज्ञानिक दृष्टिकोण

प्रवेश नियम में लिंग विभिन्नता को बढावा देने वाले राज्य के प्रथम बी - स्कूल है- आई आई एम के इस वास्तव का सबूत है, संस्था में प्रवेश लेने वाले लडकियों की संख्या।

हर साल में इस कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्र-छात्राएं भिन्न पष्ठभूमि से आने वाले हैं। अन्य प्रीमियर बी-स्कूल की तुलना में गैर अभियन्ता पष्ठभूमिसे आए छात्रों की संख्या ज्यादा है।

वाणिज्य में स्नातक, फैशन एवं व्यापार प्रशासन जैसे पृष्ठभूमि भी अभियन्ता छात्रों के साथ मिले-जुले है। साथ-साथ विख्यात व्यावसायिक क्षेत्र के अनुभव से युक्त छात्र भी ऩए छात्रों के साथ इस कार्यक्रम में मिले हुए हैं।

21 महीने की औसत कर्यानुभव से आधुनिक प्रवृत्ति एवं विकास से युक्त बैच के रूप में साबित किया है।

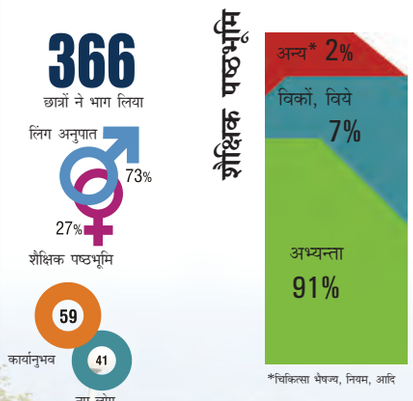

प्रस्ताव

इस साल के मुख्य ऊर्ध्वाधर बिक्री, विपणन और वित्तीय उभर आए है, साथ-साथ पचास प्रतिशत ज्यादा बैच इन संक्षिप्त विवरण देने वाले इन्टेनशिप चुनने में पीछे लगे रहते हैं। इस साल में निगमित रणनीति एवं परामर्श ऊर्ध्वाधर की भूमिका निभाने वाली कंपनियों की संख्या में खूब वृद्धि दिखाई दे रही है। इस वद्धी का श्रेय संस्था की 15 साल की पूर्ति में देखा जा सकता है, क्योंकि परामर्श ऊर्धाधर पर यकीन करने वाले नए भर्ति कराने वालों को छात्रों की क्षमता पर यकीन होगा।रणनीतिक धारणीयता का समर्थन भी संभव होता है, कि जब अच्छे संख्या के छात्रों के, जिसे भिन्न क्षेत्रों के भिन्न अनुभव है, संक्षिप्त विवरण देता है। प्रथम बार की कैंपस पर्यटन से कंपनियों की अभिलेख से छात्रँ कुशलता एवं भविष्य की जीविका के दिशा से युक्त इन्टेंशिप के लिए खूब संख्या में छात्रों को अवसर मिलते हैं।

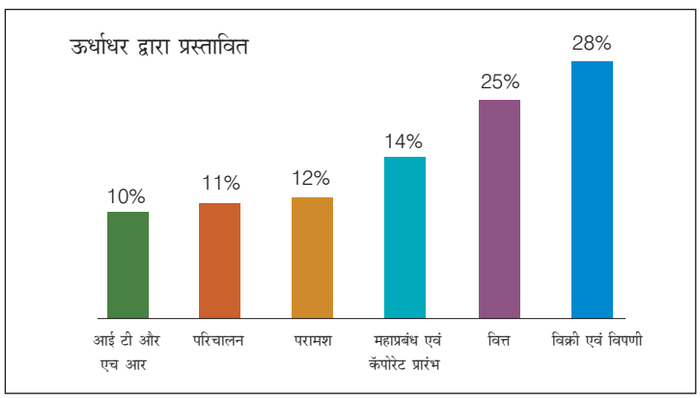

20

छात्रो को अन्तर्राष्ट्रीय अन्तशिक्षु स्थान प्रस्तावित है।

भर्ति कराने वाले लोग

आई आई एम के को इस साल के ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए व्यावसायिक क्षेत्र से बडी-बडी कंपनियों का मेजबान बनाने का विशेष अवसर मिला है। उसी समय नियमित भर्ति कराने वाले कैंपस में आकर्षक प्रस्ताव लेकर आए हैं। कैंपस में नए भर्ति कराने वालों की संख्या प्रतिपादित रूप से बढ गयी है, इससे आई आई एम के ने भर्ति कराने वालों की संख्य में वृद्धि हुई है। बैंकिंग, एफ एम सी जी और आई टी जैसी कंपनियाँ विस्तृत प्रभाव प्रदान करने में स्थाई रूप पायी है। निजि क्षेत्र जैसे माध्यम स्वास्थ्य सुरक्षा एवं खेल प्रबंधन भी उनके समक्ष प्रस्तुत किया है।

144

ग्रीष्मकालीन स्थानन कार्यक्रम में भागीदार हुए।

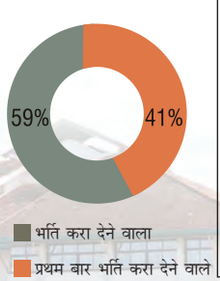

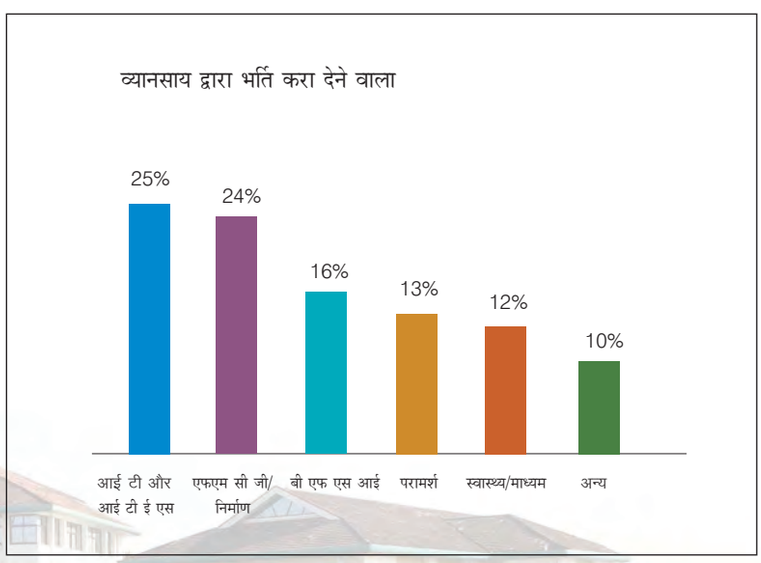

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

भर्ति कराने वालों की राय

फिलिप्स- आई आई एम के के कैंपस से संबंध रखना एक महान अनुभव है। आगामी सालों में बहुत अच्छी तरह से इस संबंध को हम आगे बढाना चाहते है।

एन एस आई- आई आई एम के में आने से हमें आवेश एवं आकाक्षा का अनुभव हुआ है। छात्रों के गुण उत्कृष्ठ है, और हमें ग्रीष्मकालीन परियोजना के लिए अच्छे संसाधन भी मिले है। साथ-साथ स्थानन आयोग की सहायता एवं सुचारू प्रक्रिया के लिए तथा उनकी पाठ्यक्रम के लिए हम उन्हें सराहते हैं।

एल एंट टी- पिछले तीन साल से आई आई एंम के से सफल सहयोग कायम रखते आ रहे हैं। मेरे ख्याल से स्थानन कार्यक्रम प्रबंध वृत्तिका रूप से चले आ रहे है, और संस्था और हमारे बीच अच्छे संबंध भी हैं।

पेप्सी - यह प्रक्रिया की योजना एवं अनुसूचना एक महान कार्य है । लघुसूचित उम्मीदवारों के लिए हमें इन्तजार करने की जरूरत नहीं थी। साथ-साथ वे इस कार्य के लिए तैयार भी थे, यानी छात्रों से आदान प्रदान से हमें खूब खुशी हुई है।

हेईस- आई आई एम के के ग्रीष्मकालीन इन्टेनशिप कार्य सुचारू ढंग से आयोजित एवं अच्छी तरह आयोजित हुआ। हेइस भारत पर छात्रों ने खूब तत्परता दिखाई, और स्थानन आयोग के मदद सराहनीय है। आगामी सालों में भी हमारा संबंध कायम रखने की कोशिश करेंग।

संक्षिप्त रूप

आई आई एम के ग्रीष्मकालीन स्थानन ने अपने हृदय से जुटाने वाले परियोनाओं को खोजने वाले दृष्टी की सबूत ही देखे जाते हैं। स्वास्थ्य संरक्षण और खेल प्रबंधन के केन्द्रीय मंत्रालय और प्रसिद्ध राजनीतिक दल, जैसे संस्थाओं को ललकार से युक्त वृत्ति की ओर आजादी से अपना कदम आगे बढाने का जो उनके स्वप्न साक्षात्कार एवं बिना डर से अवसर मिला है।बहुत छात्रों को शैक्षिक क्षेत्रों के अनेक कंपनियों में अपनी भूमिका निभाते आ रहे है, इससे सामाजिक विचारधारा के प्रति छात्रों का झुकाव दृढ रहता है। माध्यम प्रबंध, गृह नवाचार की भूमिका प्रदान करने वाली पी आर व्यवसाय-प्रतिष्ठान भी इस ग्रीष्मकालीन स्थानन कार्यक्रम में भाग लिया है। भारत के प्रसिद्ध राक-बांट ने इसमें भागीदार हुए और गीत जिज्ञासुओं को अपने वृत्तिका स्तर अपनी इच्छा आगे बढाने का अवसर मिला है। ग्रीष्मकालीन स्थानन ने छात्रों को अपने वृत्तिका के बारे में स्वच्छ सूचनाएँ प्रदान करते हैं, तथा उससे पीछे रहना दोषसिद्ध मानते हैं।

भरे कंपनियाँ और उनकी शुरुआत

संस्था के ज्यादा मूल्य प्रदान करने की मकसत से तथा उसकी बढपन बढाने के लिए शुरुआत करने वाले तथा आतिथेय कंपनियाँ भी इस कार्य में भाग लिया।

2012 व 2011

हम प्रचालन आई टी एच आर ऊर्ध्वाधर, जो बैच की सक्षमता प्रभावित करते है, उसके समानुपात, एक साल बाद बढ़ा है। बिक्री, विपणन और आर्थिकता के उद्धार ने यह साबित किया है कि यह क्षेत्र सादा हरित रहे है, जहाँ से उसका प्रस्ताव मिलते रहते हैं।

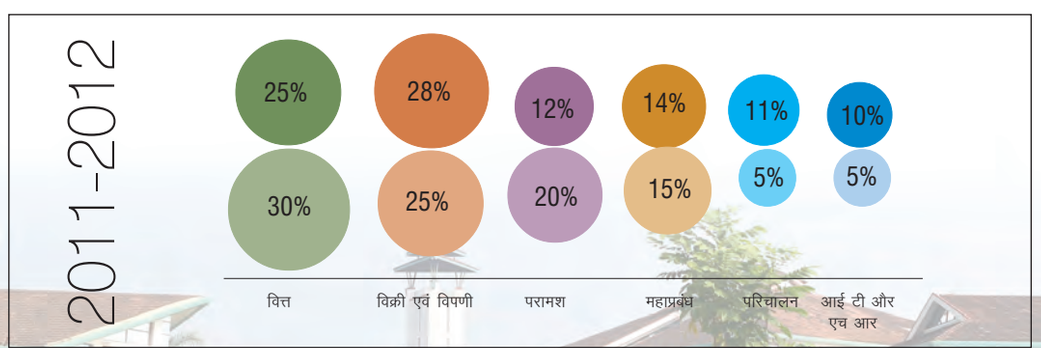

अल्मा मैटर मैटर्स

आई आई एम के के पूर्वछात्रों ने एक बार फिर साबित किया है कि जो कुछ भी प्रगति उन्हें हुई है, वह इस संस्था के कारण है। पूर्व छात्रों की भगीदारी और मदद सफल स्थानन का कारण हो गया है।

पी जी पी 15 बैच के लिए पार्शिक एवं अन्तिम स्थानन

15 वीं बैच के स्थानन को लेकर स्नातकोत्त्र कार्यक्रम के पारश्विक एवं अन्तिम स्थानन की सफल पूर्ति की घोषणा करने में आई आई एम के में पधारे स्थानन दल के प्रति गौरव प्रदान करते है। इसी अवसर पर स्थानन दल यहाँ के सभी लोगों को जो इस कार्यक्रम में मदद की है, तथा छात्रों की संकट हाल में मनोबल प्रदान की है, उन सब लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

आर्थिक मंदी के डरावने हालत पर भी खूब संख्या के नए भर्ति कराने वालों को लेकर सभी मुख्य व्यावसायिक संस्थाओं का सफल रूप से आई आई एम के ने आतिथ्य प्रकट किया है। हमारे छात्र के पृष्ठभूमि के भिन्न शैक्षिक एवं कार्यानुभव के कारण पूरे व्यावसायिक भर्ति करानेवालों के लिए कई सालों से आई आई एम के ज्यादा अधिमान्य बन गया है।

संस्था के पूर्व छात्र के बदलाव के दृढ समर्थन के बिना प्रशंसनीय प्राप्ति का केन्द्र नहीं हो पाता है। इनके दृढ समर्थन एवं के बिना विश्वास से वह प्रवीणता असंभव है। अन्त में हम यह बताना चाहते हैं कि दोनों बैच के छात्रों की समयनिष्ठा प्रक्रिया लगातार चल रही है।

एक दृष्टी में

मुख्य बातें

छात्रों की संख्या	325	उच्चतम अन्तर्राष्ट्रीय वेतन	33.00
कंपनियों की संख्या	146	औसत वेतन	12.31
प्रस्तावित पी पी ओ की संख्या	38	छात्राओं की औसत वेतन	13.17
पी पी एल एस की संख्या	49	छात्रों का औसत वेतन	11.82
नए भर्ति कराने वालों की औसत	32.00	पी एस यू एस की औसत वेतन	11.64

*वार्षिक वेतन लाखें में

अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव

इस साल में 22 अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव आया हुआ है, जो स्वास्थ्य सुरक्षा, एफ एम सी जी,सूचना सुरक्षा, और पण्य क्षेक्र ने मध्यपूर्व अफ्रिका, एशिया, पेसिफिक जैसे स्थानों में अपनी भूमिका प्रस्तावित की है। यह पिछले साल की तुलना में बहुत ज्यादा है, साथ-साथ इस क्षेत्र से संबंधित कार्य करने वाले दल को आभार प्रदान करते हैं।

2012 के कक्षा

अंबा से प्रत्यायित आई आई एम के भारत के बी - स्कूल है, जो इसके प्रवेश नियम में लिंग विभिन्नता को मिटाने का प्रयास करती हैं, और छात्रों को बैच में प्रवेश करने का समानुपात इस तथ्य को साक्ष्य कर देती है।अन्य अनेक संख्याओं ने भी इस पहल के प्रस्ताव को अपनाता है।

साथ-साथ हर साल यहाँ के भिन्न शैक्षिक पष्ठभूमि के छात्रों को इस कार्यक्रम में समावेश किया है। अन्य प्रीमियर बी-स्कूल की तुलना में हमारे संस्था में गैर-अभियन्ता पष्ठभूमि के छात्र छात्राएं ही ज्यादा है।

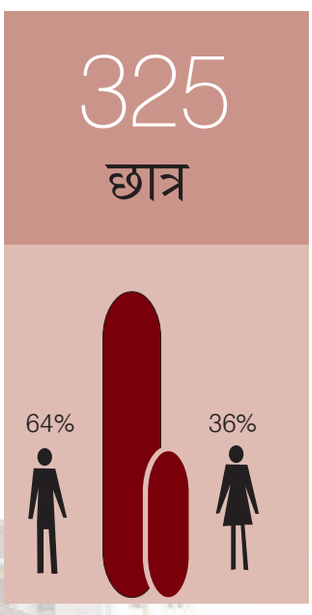

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

वाणिज्य में स्नातक, फैशन और व्यावसायिक प्रशासन जैसे थोड़ा दूरस्थ पष्ठभूमि भी इस परिसर में अन्य अभियन्ता छात्रों के संयोजन से प्राप्त है। इसके अलावा ताजा एवं स्नातक पूर्व छात्रों के साथ कुछ मशहूर क्षेत्र में औसत कार्यनुभव, जहाँ तक 21 महीने तक हो, प्राप्त लोगों के स्वस्थ्य सहयोग भी संस्था में कायम है। ग्रीष्मकालीन इंर्टनशिप में कंपनियों की समर्पण एवं कक्षा 2013 की क्षमता से करीब 12 प्रतिशत के बैच के पूर्व स्थानन दिखाते है।

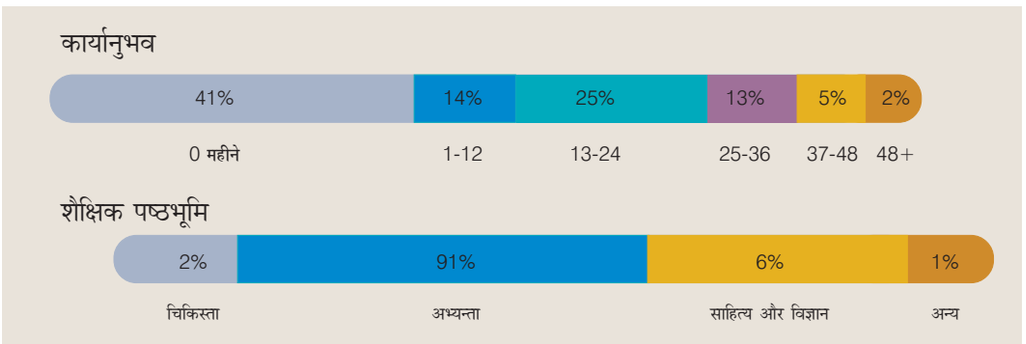

प्रस्ताव

वित्तीय

डेश्च बैंक,गोल्डमान साश,जे पी मोर्गन, सिटी बैंक, एच एस बी सी, डी ई शो, फिडिलिटी निवेश जैसे कंपनियों के नाम इस साल के सबसे ऊँचे स्थान पर है। भारतीय वित्तीय क्षेत्र जैसे आई सी आई सी आई, एक्सिस बैंक, एस बी आई चाप्सच एफ आई एन ओ, और फ्यूचर फेस्ट जैसे भर्ति करा देने वालों की अच्छी संख्या है। इनको बूमिकाएं प्रस्तावित करने वाले निगमित, वित्तीय खजाने, जोखिम प्रबंधन एवं निवेश बैंकिंग आदि है।

विपणन

इसमें एफ एम सी जी, एच यू एल, आई टी सी, नेस्ले, पेप्सी, अमुल, एच सी सी बी, ब्रिटानिया, पिडिलाईट, जैसे कंपनियाँ ऊँचे स्थान में है। बी 2 बी और सेवा विपणन ऊर्ध्वाधल, एशियन पेंटस, एयरटेल, आईडिया, वोडाफोण, रानबैक्सी बजाज और मारुती जैसे कंपनियाँ भागीदार हुए।

महाप्रबंधन

आई आई एम के से लगातार भर्ति करा देने वालों में से बडे-बडे कंपनियाँ भी है, जो टी ए एस, रिलैंन्स उद्योग, एल एंट टी, महीन्द्रा एठ महीन्द्रा, आर आर बी तथा और भी ज्यादा कंपनियाँ भी महा प्रबंधक की भूमिका अदा करते है। इस साल में सिप्ला, रानबैक्सा, बोश्क जैसे कंपनियाँ अपने नेतागिरी प्रदान किया है।

परामर्श

मक, किन्सी, डियोलाईट, के पी एम जी, कोग्निसेंट, बिसिनेस परामर्श, आई बी एम परामर्श और विप्रों परामर्श सेवा जैसे भर्ति कराने वाले अग्रस्थान है।

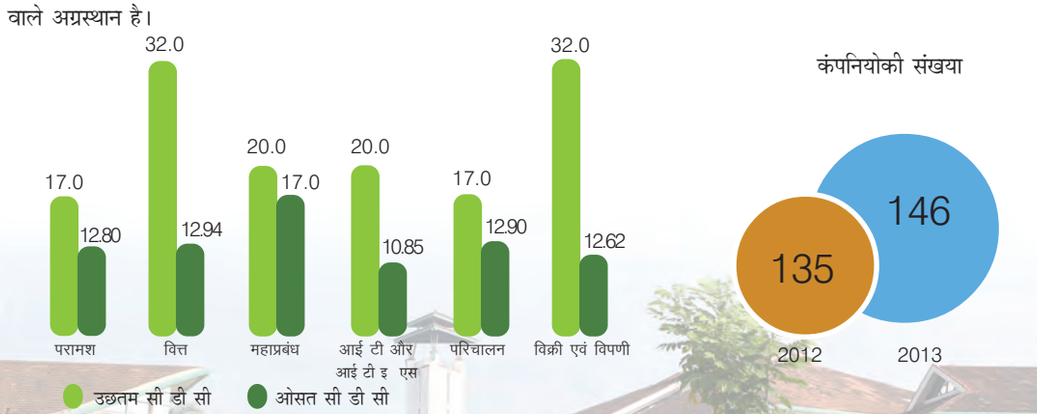

आई टी एवं आई टी ई एस

आर्थिक मंदनी की उन्मुखता से सूचना व्यवस्था के व्यवसाय प्रतिष्ठान ने कांग्निजेंर, एसेन्ट्युर नकनीकी, टी सी एस, आई बी एम परामर्शदादा, एम यू सिंग्मा केपजेमिनी, विप्रो, इनफोसिस, एच सी एल और मैन्ट ट्री जैसे ढेर, सारे कंपनियाँ भर्ती करवाने के लिए उम्मीदवारों के लिए खूब प्रस्थाव रखते है।

आई टी ऊध्वाधर में औसत वेतन प्रतिवर्ष 10.81 रुपये है; तो उच्चतम इकमुश्त प्रतिवर्ष 20.1 प्रस्तावित है।

माईक्रोसोफ्ट, सिग्ना, महीन्दा कमवैवा और साई-कर इन्फोटेक जैसे कंपनियाँ भी इस प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

प्रचायन

प्रचायन में प्रबल होने वाले बड़े-बड़े उद्योग जैसे एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, आर पी जी, अंबुजा सिमेंट्स, जिन्डाल स्टील और एल एवं टी भी छात्रों को प्रस्ताव रखा है।

प्रथम बार भर्ती कराने वालों में, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध, प्रापण, तर्कशास्त्र, एवं सेवा सुपुर्दगी जैसे विषय में सोडेवसो, येपमी जैसे उद्योग नेतायें भी अपनी भूमिका शामिल किया है।

सिटी बैंक भी आई आई एम के से प्रचायन संदिप्त विवरण के लिए भर्ति कराया है। कुछ मुख्य फ़र्म जैसे सुदर्शन केमिकलस, भी उम्मीदवारों के लिए प्रचायन उध्वाधर की भूमिका शुरू किया है।

औसत मुआवजा प्रतिवर्ष 12.31 रुपए हो तो उच्चतम प्रस्ताव प्रतिवर्ष 17.1 बनाया गया है।

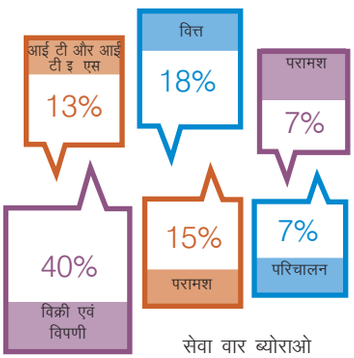

सेवा वार ब्योराओ

प्रवृत्ति

2013 साल भिन्न क्षेत्रकों की उन्नति एवं अवनति का साल है। इसलिए आई आई एम के ने कैंपस में निरीक्षण के लिए आने वाले विविध भर्ती कराने के झुंड के लिए पूर्व रूपेण निर्णय किया है। इस निर्णय में शैक्षिक क्षेत्र, स्वास्थ्य संरक्षण तथा ऊर्जा क्षेत्र, स्वास्थ्य संरक्षण तथा ऊर्जा क्षेत्र आदि पर में ध्यान दिया है।

छात्रों को चुनौती देने वाले भूमिका प्रदान करने वाले प्रस्ताव खेल प्रबंधन अन्य क्षेत्र और मीडिया एवं विज्ञापन कंपनियाँ इस साल में भर्ति करा देने वाले कंपनियों में से आकर्षक एवं रूठमुक्त क्षेत्र ।

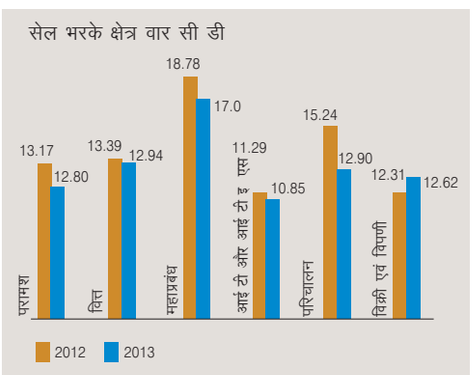

2013 व 2012

2012 वर्ष की तुलना में इस साल 2013 मे इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले कंपनियों की कुल संख्या का बढ़ावा देख सकते हैं, साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव की संख्या में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुए है। बिक्री एवं एवं विपणन और वित्त इस साल में भी अना कमाल ज़ारी रखा है। प्रचायन उद्धधार, प्रस्ताव के महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाता है।

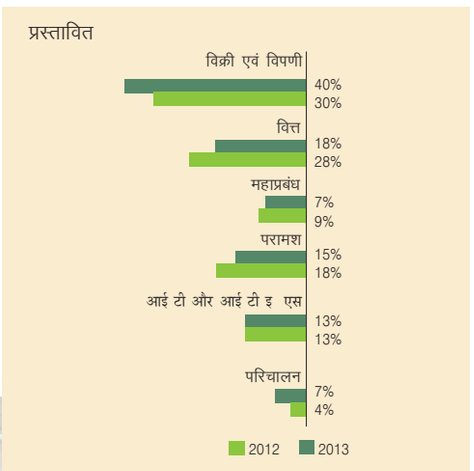

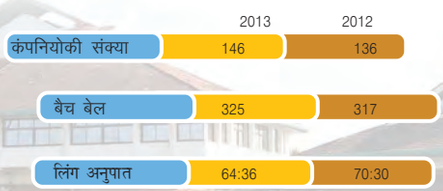

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

पूर्व छात्र

संगम

इस साल के छात्र एवं नए छात्रो के बीच के परस्पर संवाद मई 2012 को मुंबाई, बैंगलूर, दिल्ली, हैदराबाद, कोचिन, कोलकत्ता एवं चेन्नाई में हुआ। संगम न्यूयोर्क,लंदन, दुबाई,दल्लास, एवं सिंगपूर जैसे अन्तर्राष्ट्रीय शहरों में भी हुआ है।

नोस्टाल्जिया

वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन जनवरी 2013 को हुआ।पी जी पी 3 से पीजीपी 14 बैच तक के कुल 48 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। बैच वार्स एवं मौज-मस्ती के अनेक अवसर भी इस साल के पूर्व छात्र सम्मेलन के भाग लिए।

हितैषी होने के नाते पूर्वछात्रों की यह उत्तरदायित्व है कि छात्रों को निर्वाचित पाठ्यक्रम चुनने के लिए तथा उनके विशेषज्ञता को निर्णय करने के लिए मदद करना। उनके वृत्तिक परामर्श सत्र छात्रों द्वारा सराहनीय है, जैसे समकालीन व्यवसायों की प्रतीक्षाओ तथा संकेतों के बारे में पहली बार उन्हें सूचना मिलता है एवं भविष्य के स्थानन तथा सफल वृत्तिकता के लिए खुद को कैसे प्रस्तुत कर सकता है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

अप्रैल 2012- मार्च 2013 के अवधी की गतिविधियाँ

वर्ष अप्रैल 2012 -मार्च 2013 के दौरान संस्थान द्वारा 77 प्रबंध विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें 226 दिवस और 50 घंटे सम्मिलित थी।इनमें से 15 ओपन एमडीपी 5 प्रायोजित एमडीपी तथा एक अन्योन्यक्रियात्मक दूरस्थ शिक्षण प्लफार्म के अधीन आयोजित किए गए थे।इनमें 816 प्रतिभागीयें भाग लिए थे।इसी प्रकार उक्त अवधी के दौरान संस्थान द्वारा 46 दिवसों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम का भी (एफडीपी) आयोजित किया गया था।इन दोनों एमडीपी और एफडीपी कार्यक्रमों के लिए लगभग रु. 4. 03 करोड का राजस्व प्राप्त हुआ।

वर्ष 2011-2012 (अप्रैल 2011-मार्च 2012) के दौरान आयोजित एमडीपी कार्यक्रमों का विवरण निम्नप्रकार है।

अप्रैल 2012- मार्च 2013 की अवधी में संचालित एम डी पी कार्यक्रम

प्रबंध विकास कार्यक्रम (प्रायोजित)

क्रम.	कार्यक्रम	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों	अवधी सं
1	वरिष्ठ प्रबंधन के लिए उपभोक्ता प्रबंधन	प्रों. जोफी थामस	अप्रैल 04, 2012	22	1
2	प्रबंध नेतत्व के लिए कार्यशाला (मॉड्यूल – 2)	प्रो.अभिलाष एस नायर	अप्रैल 10-13, 2012	29	4
3	सामान्य प्रबंध कार्यक्रम	प्रों. जी. तंकमणी और प्रों. लीना मेरी ईपन	अप्रैल 23- मई 18, 2012	33	26
4	ए जी एम एस के भारतीय अध्यादेश कारखाना व्यवस्था के लिए प्रचालन उित्कष्ठता पर उच्च निष्पादन नेतत्व	प्रो. सजी गोपीनाथ	अप्रैल 25-27, 2012	18	3
5	प्रबंध नेतत्व के लिए कार्यशाला ई एल पी के लिए जी एम आर दल (मॉड्यूल 3)	प्रों. राहुल कुमार सेठ	मई 15-18, 2012	30	4

6 सक्षमता मापन एवं सफल योजना	प्रों. टी. एन. कष्णन	मई 17-18, 2012	14	2
7 वरिष्ठ प्रबंधन के लिए उपभोक्ता प्रबंधन	प्रों जोफी थामस	मई 28, 2012	12	1
8 रणनीतिक समझौता	प्रों. ए. बी. उन्निथान	जून 19-21, 2012	27	3
9 उत्कृष्ठता के लिए शैक्षिक नेतागिरी	प्रों. सजी गोपीनाथ	जून 20-22, 2012	30	3
10 रणनीती एवं नेतागिरी प्रबंधन कुशलता ई एल पी के लिए जी एम आर दल (मॉड्यूल – 4)	प्रों. राजेश एस. उपाध्यायुला	जून 12-15, 2012	30	4
11 प्रबंधन प्रभाव बैच- 1	प्रों. मनोरंजन धाल, प्रो. जी श्रीधर, प्रों. ए. के. स्वाईन	जूलाई 9-19, 2012	29	10
12 एकीकृत प्रबंधन कुशलता नील सागर रणनीति नियम ई एल पी के लिए जी एम आर दल (मॉड्यूल 5)	प्रों. सजी गोपीनाथ	जूलाई 23-26, 2012	30	4
13 रणनीतिक नेतत्व	प्रों. केयूर पुरानी	जूलाई 25-अगस्त 3, 2012	15	10
14 प्रबंधन प्रभाव बैच-2	प्रों. मनोरंजन धाल, प्रो. जी श्रीधर, प्रों. ए. के स्वाईन	जूलाई 30- अगस्त 09, 2012	25	10
15 लोक प्रबंधन के कानूनी दष्टिकोण	प्रों. मनोरंजन धाल	अगस्त 13-14, 2012	25	2
16 आपातकालीन नेताओं के कार्यक्रम निर्माण -बैच 1	प्रों. रूपेष के. पति, प्रा .जी. तंकमणी, प्रों. ए. बी. उन्निथान	अगस्त 20- Oct 27, 2012	30	68
17 प्रबंधन प्रभाव बैच-3	प्रों. मनोरंजन धाल, प्रो. जी. श्रीधर, प्रों. ए. के. स्वाईन	सितंबर 03-13, 2012	24	11
18 व्यावसायिक नेतत्व कार्यक्रम (मॉड्यूल-1)	प्रों. ए. बी .उन्निथान	सितंबर 06-09, 2012	30	4
19 रूपांतरित परियोजना कार्यक्रम	प्रों. सजी गोपीनाथ	सितंबर 24-28, 2012	27	5
20 उत्कृष्ठता के लिए शैक्षिक नेतागिरी	प्रों. सजी गोपीनाथ, प्रों. सी. राजू	अक्तूबर 04-06, 2012	30	3
21 व्यावसायिक नेतत्व कार्यक्रम (मॉड्यूल-2)	प्रों. ए. बी. उन्निथान	अक्तूबर 12-15, 2012	30	4
22 सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	प्रों. जी श्रीधर, प्रों. एस. एस. एस. कुमार, प्रों. राजेष यू, प्रों. कौशिक जी.	अक्तूबर 15-26, 2012	26	12
23 उत्कृष्ठता के लिए शैक्षिक नेतागिरी	प्रों. सजी गोपीनाथ, प्रों. सी. राजू	अक्तूबर 18-20, 2012	30	3
24 उत्कृष्ठता के लिए शैक्षिक नेतागिरी	प्रों सजी गोपीनाथ, प्रों सी. राजू	अक्तूबर 30- नवंबर 01,2012	30	3
25 नेतृत्व विकास कार्यक्रम	प्रों. मनोरंजन धाल	अक्तूबर 29-30, 2012	17	2
26 प्रबंधन उत्कृष्ठता के लिए प्रबंधन प्रभाव कार्यक्रम	प्रों. मनोरंजन धाल, प्रों. दीपा सेठी	नवंबर 2-7, 2012	25	6

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

27	तर्कशास्त्र प्रबंधन	प्रों. सजी गोपिनाथ	नवंबर 14, 2012	25	½
28	डाक विभाग के लिए सेवा प्रसारण	प्रों. सनल कुमार वेलायुधन	नवंबर 15-16, 2012	25	2
29	प्रभावशाली ग्राहक प्रबंध पर कार्यशाला (स्थान पूने)	प्रों. जोफी थामस	नवंबर 19, 2012	35	1
30	व्यावसायिक नेतृत्व कार्यक्रम (मॉड्यूल-3)	प्रों. ए. बी. उन्निथान	नवंबर 19-22, 2012	30	4
31	सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	प्रों. जी. श्रीधर, प्रों. एस. एस. एस. कुमार, प्रों राजेष यू, प्रों कौशिक जी.	नवंबर 19-30, 2012	24	12
32	संस्थागत नेतागिरी	प्रों. ओम कुमार कष्णन	नवंबर 21-23, 2012	21	3
33	सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	प्रों. जी. श्रीधर, प्रों. एस. एस. एस.ा कुमार, प्रों. राजेष यू, प्रों. कौशिक जी.	दिसंबर 10-21, 2012	25	12
34	आपातकालीन नेताओं के कार्यक्रम (मॉड्यूल-1)	प्रों. सुभाषिष दे	दिसंबर 10-14, 2012	22	5
35	समस्या समाधान एवं निर्णय निर्माण (स्थान पूने)	प्रों. ए. के. स्वाईन	दिसंबर 10-12, 2012	10	3
36	प्रबंधन प्रभाव लैब (बैच -1)	प्रों. मनीष कुमार, प्रों. दीपा सेठी	दिसंबर r 17-19, 2012	27	3
37	व्यावसायिक नेतृत्व कार्यक्रम (मॉड्यूल-4)	प्रों. ए. बी. उन्निथान	जनवरी 1-4, 2013	30	4
38	प्रबंधन प्रभाव लैब (बैच-2)	प्रों. मनीष कुमार प्रों. दीपा सेठी	जनवरी 2-4, 2013	27	3
39	रणनीतिक निर्णय निर्माण	प्रों. नंदकुमार एम. के. , प्रों. सप्तर्षी पी.	जनवरी 7-11, 2013	14	5
40	वाद्यों के बदलाव	प्रों. एस. बालसुब्रह्मण्यम	जनवरी 9-11, 2013	18	3
41	संस्थागत नेतागिरी	प्रों ओम कुमार कष्णन	जनवरी 17-19, 2013	30	3
42	आपातकालीन नेताओं के कार्यक्रम (मॉड्यूल- 2)	प्रों. अभिलाष एस. नायर	जनवरी 22-25, 2013	21	3
43	नीतिशास्त्र मूल्य एवं निगमित प्रशासन	प्रों. राधाकष्णापिल्लै, प्रों. जी वेंकट रामन	जनवरी 23-25, 2013	15	3
44	समस्या समाधान सर्जनात्मकता एवं निर्णय निर्माण	प्रों. ए. के. स्वाईन	जनवरी 28-फरवरी 01, 2013	16	5
45	प्रबंधन प्रभाव लैब (बैच-4)	प्रों. मनीष कुमार, मनीष कुमार प्रों. दीपा सेठी	जनवरी 28-30, 2013	27	3
46	प्रबंधन प्रभाव लैब	प्रों. मनीष कुमार, प्रों दीपा सेठी	फरवरी 05-07, 2013	25	3
47	परियोजना निर्माण एवं परियोजना प्रबंधन पर कार्यशाला	प्रों. सजी गोपिनाथ	फरवरी 09-10, 2013	34	2
48	प्रबंधन प्रभाव लैब	प्रों. मनीष कुमार, प्रों. दीपा सेठी	फरवरी 11-13, 2013	24	3
49	सेवा प्रसरण एवं तर्कशास्त्र	प्रों. सनल कुमार वेलायुधन प्रों. रूपेष कुमार पति	फरवरी 14-15, 2013	25	3
50	आपातकालीन नेताओं के कार्यक्रम (मॉड्यूल-3)	प्रों. राहुल कुमार सेठ	फरवरी 19-22, 2013	21	4
51	व्यावसायिक नेतृत्व कार्यक्रम	प्रों. ए. बी. उन्निथान	फरवरी 20-23, 2013	30	4

52	अकादमिक नेतागिरी	प्रों. ओम कुमार कण्णन	फरवरी 20-22, 2013	30	3
53	परियोजना प्रबंधन	प्रों. सजी गोपिनाथ प्रों. रूपेष कुमार पति	मार्च 04-08, 2013	18	5
54	अकादमिक नेतागिरी	प्रों ओम कुमार कण्णन	मार्च 07-09, 2013	30	3
55	परियोजना प्रबंधन	प्रों. सजी गोपिनाथ, प्रों. रूपेष कुमार पति	मार्च 11-15, 2013	25	5
56	टी ई क्यू आई पी संस्थाओं के लिए अकादमिक नेतागिरी	प्रो. सजी गोपिनाथ	मार्च 12-22, 2013	25	11
57	ए एस ए पी प्रबंधकों के लिए आवश्यकता निर्धारण प्रशिक्षण	प्रों. मनोरंजन धान	मार्च 19-21, 2013	42	3
58	रणनीति एवं नेतागिरी प्रबंधन कुशलता बैच-2 (मॉड्यूल 4)	प्रों. राजेश एस उपाध्यायुला	मार्च 26-29, 2013	21	4

प्रबंध विकास कार्यक्रम (खूले)

क्रम.	कार्यक्रम	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों	अवधी सं
1	कार्यपालकों के लिए प्रायोगिक वित्तीय एड्यू स्पेर प्रष्ठभूमि द्वारा	प्रों. एस. एस. एस. कुमार	मई 12-अगस्त 05, 2012	14	60 घंटे
2	प्रकाशित 2 वी. शती के लिए व्यावसायिक रणनीति	डॉ. एम. जी. श्रीकुमार	मई 21 - 23, 2012	19	3
3	अग्र स्कूल (स्थान आई आई एम के कैंपस	प्रों. देबाषीष चटर्जी	मई 27-30, 2012	48	4
4	सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (ह्यूग्स प्लाटफार्म द्वारा)	प्रो. सी. रीजू	मई 28, 2012 - अप्रैल 2013	64	120 घंटे
5	परियोजना प्रबंधन	प्रों. रूपेष कुमार पति	अगस्त 21-24, 2012	7	4
6	समस्या समाधान एवं निर्णय निर्माण	प्रों. ए. के. स्वाईन	सितंबर 05-07, 2012	9	3
7	मध्यस्तरीय प्रबंधकों के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	प्रों. ए. बी. उन्निथान	सितंबर 10-15, 2012	21	6
8	त्वरित बिक्री बल निष्पादन	प्रों. जी. श्रीधर	अक्तूबर 10-12, 2012	16	3
9	नेता बनना और होना-विपणी के युवा नेताओं के लिए कार्यक्रम	प्रों. उन्निकष्णन के. नायर	अक्तूबर 17-19, 2012	19	3
10	प्रकाशित-उद्यमी ज्ञान प्रबंधन	डॉ. एम. जी. श्रीकुमार	नवंबर 19-21, 2012	11	3
11	लैब प्रबंधकों के लिए विनिमय प्रभाव	प्रों. दीपा सेठी, प्रों. अनुपम दास	नवंबर 22-24, 2012	7	3
12	समयमुक्त नेतागिरी	प्रों. देबाषीष चटर्जी	नवंबर 28-30, 2012	47	3

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

13	परियोजना प्रबंधन (एड्यूस्पेर प्लेटफार्म द्वारा)	प्रों. रूपेष कुमार पति	नवंबर 2012-फरवरी 2012	27	50 घंटे
14	अग्र स्कूल -दुबै, स्थान-दुबै	प्रों. देबाषीष चटर्जी	दिसंबर 18-20, 2012	60	3
15	नेतागिरी निदानालय	प्रों. देबाषीष चटर्जी	जनवरी 10-12, 2013	24	3
16	अग्र स्कूल, हाईदराबाद	प्रों. देबाषीष चटर्जी	जनवरी 29-31, 2013	28	3
17	वैय्यक्तिक नवाचार-सर्जनशील चिंतन एवं निर्णय निर्माण	प्रों. ए. बी .उन्निथान	फरवरी 04-06, 2013	17	3
18	कार्यपालकों के लिए प्रायोगिक वित्तीय	प्रों. एस एस एस कुमार, प्रों. सोणी थामस	फरवरी 10-अप्रैल 07, 2013	16	50 घंटे
19	प्रतियोगिता लाभ के लिए सृर्जनात्मकता	प्रों. ए. के. स्वाईन, प्रों. एस. जयवेलू	फरवरी 25-27, 2013	14	3

संकाय विकास कार्यक्रम

आप्रैल 2012 – मार्च 2013 में आयोजित एफ डी पी

क्रम.	कार्यक्रम	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों	अवधी सं
1	विपणन प्रबंधन के संकाय सदस्य के लिए अनुसंधान प्रस्ताव विकास पर पूर्व डाक्टरल कार्यशाला	प्रों. जोफी थामस	अप्रैल 16-20, 2012	13	5
2	प्रबंधन अनुसंधान के लिए डैटा विश्लेषण पर कार्यशाला	प्रों. ए. बी. उन्निथान	अप्रैल 23-27, 2012	21	5
3	शैक्षिक अनुसंधान के अध्ययन के लिए शैक्षिक पत्रिका में प्रकाशित करने के लिए	प्रों. बद्रीनारायण शंकर पवार	मई 21-26, 2012	24	6
4	विपणन एवं व्यावहारिक विज्ञान में डॉक्टेल अनुसंधान	प्रों. जोशी जोसेफ	जूलाई 16-20, 2012	16	5
5	ग्रीनस्टान प्रयोग करने वाले डिजिटल पुस्ताकालय पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. एम. जी. श्रीकुमार	अगस्त 20-24, 2013	15	5
6	प्रबंधन अनुसंधान के लिए इकनो मेट्रिक्स	प्रों. स्थानु आर नायर	अक्तूबर 01-05, 2012	11	5
7	नील सागर रणनीति पर प्रबंधन अध्यापक कार्यक्रम	प्रों. सजी गोपिनाथ	फरवरी 11-16, 2013	20	6

अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम

हाल ही के कुछ वर्षों में प्रत्यक्ष विदेशी संस्थागत निवेश के लिए योग्य सबसे बहतर स्थानों में भारत उभर कर आया है, जिसे अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों के लिए विनिर्माण आधार तथा वैश्विक एवं बाह्य स्रोत गतिविधियों के लिए भी एक आधार माना जा सकता है। इसके संबंध में संकायसदस्यों और छात्रों के बीच के वैश्विक मौलिकता का पालन करना, वैश्विक विपणन केन्द्र पर भारतीय उत्पाद तथा सेवाओं के बढते मौकों से परिचित करना ताकि भारत और विश्व के बीच लाभान्वित तथा सशक्त विपणन और व्यवसायिक संबंध विकसित करने के मकसद से, आई आई एम के ने अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम विदेश के प्रमुख संस्थान के साथ शुरू किया।

आई आई एम के ने विश्व के विभिन्न भागों में खासकर वैश्विक व्यापार संचालन पर प्रभाव डालने वाले मुख्य साँस्कृतिक स्थानों पर काम करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम खूब प्रोत्साहन देते हैं। विदेशी संस्था के शोधकर्ता, खासकर संस्था के भागीदार संस्थाओं ने अनुसंधान सुविधा को ढूँढ लिया है। साथ साथ आई आई एम के साथ मिलकर प्रबंध विकास कार्यक्रम,संकाय विकास कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और भिन्न व्यावसायिक आपसी संगोष्ठियाँ आदि चलाने का सुविधा भी ढूढ लिया है।

आई आई एम के अपनी गति को तीव्र करते हुए चयनित महत्वपूर्ण संस्थाओं, विशेषकर उन देशों की संस्थाओं, जिनके साथ अभी तक सहबंध नहीं रखा है, के साथ भागीदारी स्थापित करके अपनी अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों में भी तेजी लाने की योजना बना रखी है।

वर्ष 2012-13 में आई आई एम के के साथ निम्नलिखित संस्थाओं ने संयुक्त रूप से विन्यास करने का निश्चय किया है।

1) अबुदाबी विश्वविद्यालय (एडीयु) अबुदाबी
2) ओडेन्षा नान्टेस प्रबंधन स्कूल, फ्रान्स
3) बी ई एम बोरडेक्स प्रबंध स्कूल, फ्रांस
4) बोक्कनी विश्वविद्यालय, इटली
5) व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र के कतोलिका लिस्बन स्कूल, पोर्तुगल
6) वाणिज्य विश्वविद्यालय,राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, तायवान
7) कोप्पनहेगन बिसिनेस स्कूल, डेनमार्क
8) सैप्रस अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंध संस्था, सैप्रस
9) ईडीएच ई सी बिसिनेस स्कूल फ्रांस
10) ई एम स्ट्रासबर्ग बिसिनेस स्कूल, फ्रान्स
11) ईएससीपी, यूरोप फ्रांस
12) ई एस एस सी ए प्रबंध विद्यालय, ऐंगेर्स, फ्रांस
13) यूरोम प्रबंधन, फ्रान्स

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

14) यूरोपियन बिसिनेस स्कूल, जर्मनी
15) आई ई एस ई जी प्रबंध विद्यालय, लिली फ्रांस
16) आई एस सी टी ई विश्वविद्यालय संस्था, लिसबन, पोर्टुगल
17) जोन कोप्पिंग अन्तर्राष्ट्रीय विसिनेस स्कूल स्वीडेन
18) लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू के
19) लेप्सिग स्नातक प्रबंध स्कूल, जर्मनी
20) प्रबंध केन्द्र इन्नसब्रूक, ओस्त्रिया
21) नोरवीजियन अर्थशास्त्र स्कूल, नोरवे
22) रेंम्स प्रबंधन स्कूल, फ्रान्स
23) रोवेन बिसिनेस स्कूल फ्रांस
24) सनुक्यान विश्वविद्यालस, कोरिया
25) बरमिंहाम विश्वविद्यालय, यू के
26) ब्राडफैर्ड विश्वविद्यालय, यू के
27) विक्टोरिया विश्वविद्यालय, वेल्लिंटन, न्यूजियैंड
28) येल विश्वविद्यालय, यू एस

2012-13 साल में आई आई एम के ने निम्न लिखित ग्यारह संस्थाओं के साथ सहयोग संबंध रख दिया है।

क्रम.सं	भागीदार संस्था
1.	ओडेन्स्या नांट्स प्रबंधन स्कूल, फ्रान्स
2.	कतोलिका लिस्बन, व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र के स्कूल
3.	कालेज ओफ कमेर्स, देशीय चेंची विश्वविद्यालय, तायवान
4.	साईप्रस अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंध संस्था, साईप्रस
5.	ईडीएच ई सी बिसिनेस स्कूल फ्रांस
6.	ई एम स्ट्रासबर्ग बिसिनेस स्कूल, फ्रान्स
7.	यूरोम प्रबंधन, फ्रान्स
8.	रेंम्स प्रबंधन स्कूल, फ्रान्स
9.	सनुक्यान विश्वविद्यालस,कोरिया
10.	बरमिंहाम विश्वविद्यालय, य ूके
11.	ब्राडफैर्ड विश्वविद्यालय, य ूके

अन्य प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छात्रों के विनिमय के दौरान संस्था से 35 छात्रों को अन्य 9 संस्थाओं में भेज दिया गया है, और आई आई एम के ने अन्य 5 संस्थाओं में से 14 छात्रों को स्वीकार भी किया है। निम्न लिखित रेखा चित्र से पता चलता है कि सालों से आई आई एम के के अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम बढते आ रहा है। पिछले पाँच सालों में आई आई एम के के बढते अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम की रेखाचित्र निम्न चित्रित है।

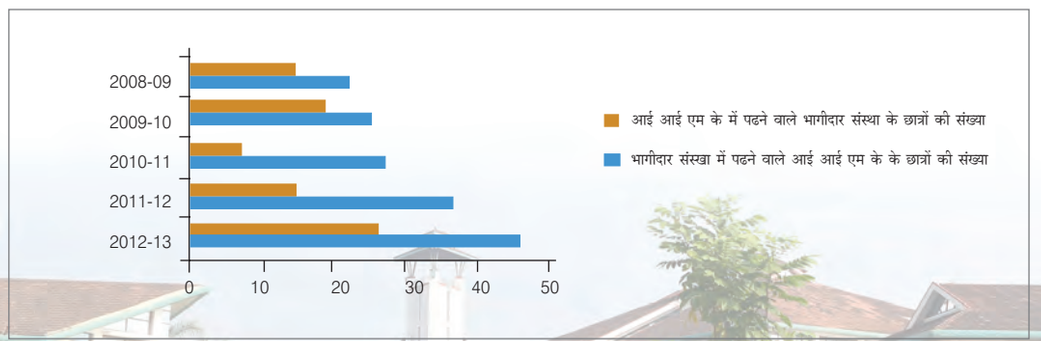

इसके साथ निम्न चित्रित रेखा चित्र से यह पता चलता है, कि पिछले पाँच सालों से आई आई एम के द्वारा अधीक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित है। यह बढावा दर अधीक प्रोत्साहन भी देते हैं। साथ में आगामी सालों में ज्यादा-सै-ज्यादा संस्थाओं के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कार्यों को भी बढावा दे सकें।इस तरह के संयुक्त प्रवृत्ति से आई आई एम के तथा भागीदार संस्थाओं के संकाय सदस्य और छात्रों को लाभदायी होता है। आई आई एम के को अधीक विश्वास है, कि इस तरह के कार्यक्रम से भारत तथा अन्य देशों के बीच साँस्कृतिक सामाजिक तथा बिसिनेस संबंधी रिश्ता विकसित होने के साथ-साथ मजबूत भी होंगे।

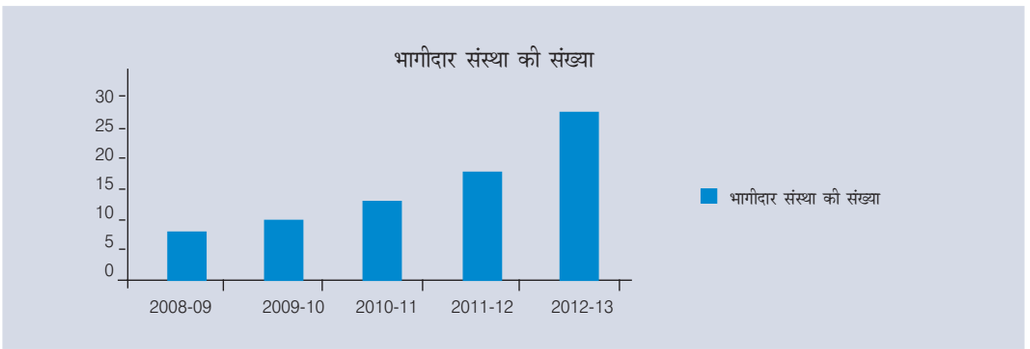

अन्य गतिविधियाँ

अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय सायंकाय

अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय सायंकाय समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय खाने के दौरान, विनिमय किए गए छात्रों द्वारा उनके कलात्मक कुशलता प्रस्तुत करते हुए मनाया जाता है। यह आई आई एम के वर्ग और विदेशी संस्कृति एवं खाने के बीच संवेदन शीलता लाते हैं। वे छात्र एवं संकाय सदस्यों के सुनाम एवं नेटवर्क के विकास की प्रतीक्षा भी करते हैं। 2012-13 साल के अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय सायंकाल समारोह अक्तूबर 30, 2012 को हुआ है।

भारत में बिसिनेस पर्यावरण (बी ई आई) और क्षेत्र संदर्श

भारत में विसिनेस के पर्यावरण से युक्त पाठ्यक्रम, विदेश के बिसिनेस पर्यावरण से परिचित होने तथा प्रबंधन में निर्णय का स्थान आदि के बारे में विकास होने के लिए भारत में बिसिनेस पर्यावरण (बी ई आई) पूर्ण सहायता देते हें। बी ई आई ने भारत में भिन्न प्रकार के बिसिनेस चलाने का अनुभव भी प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1) भारत में बिसिनेस को प्रभावित करने वाले स्थूल पर्यावरण घटकों का परिचय प्रदान करना
2) भारतीय संदर्भ में विपणन-प्रबंध के बारे में चर्चा
3) भारतीय कंपनियों द्वारा विसिनेस रणनीति के दृष्टिकोण प्रदान करना।

इस पाठ्यक्रम के दौरान अन्य पाँच राज्यों में से 19 छात्रों ने निम्नलिखित संगठनों में संदर्शन किया है।

इस पाठ्यक्रम के दौरान अन्य छह राज्यों में से 19 छात्रों ने बैंगलूर के निम्नलिखित संगठनों में नवंबर 08-09-2012 को संदर्शन किया है।

1) इनफोसिस
2) भारत इलक्ट्रोणिक्स लिमिटेड
3) नारायणा हदयालया
4) भारत एर्थ मूवेर्स
5) गोदरेज संपत्ति

संकाय विनिमय कार्यक्रम

डॉ जांन डी मकलियान, अबुदाबी विश्वविद्यालय ने अगस्त 11 से सितंबर 07, 2012 को आई आई एम के में संदर्शन किया

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

अन्तर्राष्ट्रीय संदर्शक

2012-13 में अनेक अतिथियों को आई आई एम के ने आतिथ्य किया है। इन कुलाध्यक्षों ने आई आई एम के के संकाय सदस्यों तथा छात्रों के बीच विचार-विमर्श किए है, जिसके फलस्वरूप आई आई एम के तथा अन्य संस्थाओं के बीच के सहयोग के भिन्न मौके को भी जाँच की गई। 2012-13 के प्रमुख संदर्शकों का नाम निम्न लिखित है।

क) प्रो.रोजर मुंबाई-क्रोफ्ट,लार्ड अक्रोफ्ट अन्तर्राष्ट्रीय बिसिनेस स्कूल, यू.के से जुन-20-22, 2012 को आए हुए है, जिन्होंने आई आई एम के और लार्ड अक्रोफ्ट अन्तर्राष्ट्रीय बिसिनेस स्कूल, यू.के बीच एम ओ यू में से हस्ताक्षर करने की संभावना में जाँच करने के लिए आई आई एम के में संदर्शन किया है।

ख)डॉ माईकिल ग्रे ई एस एस सी ए हंग्री स्थापना के निदेशक, हंग्री और फ्रान्स ने फरवरी 13-14, 2013, को आई आई एम के और एस एस सी ए प्रबंधन स्कूल के बीच की भागीदारी को दृढ करने की भिन्न संभावनाओं के बारे में चर्चा करने के लिए संदर्शन किया है।इन चर्चाओं के बावजूद, छात्र विनिमय के अलावा निम्नलिखित कार्यकलापों में शैक्षिक संस्थाओं के बीच की सहयोग बढाने का निश्चय किया है।

- संकाय सदस्यों के बीच की अनुसंधान सहयोग
- संकाय सदस्यों के विनिमय
- प्रबंध विकास कार्यक्रम परिदान में सहयोग।

कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पाँचवाँ बैच (ई पी जी पी),महा प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी जी एम), पाँचवाँ बैच के विशेष कार्यक्रम जैसे- रणनैतिक प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एस एम), विपणन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एफ), वित्तीय कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एफ) तथा संचालन प्रबंध में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (ई ई पी ओ एम) के चौथा में प्रवेश के लिए उद्घोषणा की गयी।दो साल के मानव संसाधन प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एच आर),और सूचना तकनीकी प्रबंधन में कार्यकारी शैक्षिक कार्यक्रम(ई ई पी आई टी एम) आदि के प्रवेश के लिए अधिसूचना विमोचन किया।ई पी जी पी एवं ई ई पी जी एम के प्रवेश परीक्षा (ईमाट) और चुनाव की भेंटवार्ता सितंबर 15-16,2012 को आयोजित किया।प्रवेश परीक्षा (ईमाट) आई आई एम के द्वारा व्यवस्थापित किया है।

इस वर्ष में आई आई एम के द्वारा व्यवस्थापित किये गए ई-मैट प्रवेश परीक्षा तथा भेंटवार्ता के परिपत्र के अनुसार पाँचवाँ बैच के ई पी जी पी ई ई पी जी एम-12 तथा पाँचवाँ बैच के विशेष कार्यक्रम जैसे ई ई पी एस एम, ई ई पी एम, ई ई पी ओ एम, और प्रथम बैच के ई ई पी एच आर. ई ई पी आई टी एम,जैसे कार्यक्रमों में ईपीजीपी -04। ई ई पी जी एम-11 में 351 छात्रों ने चालू वर्ष में अतिरिक्त प्रवेश पाया।

ईपीजीपी 05 और ई ई पी जी एम-12 के प्रतिभागियों के लिए प्रथम परिसर - आंतरिक (अवधी-2) मॉड्यूल का आयोजन दिसंबंर 4-9,2012 को किया गया है।राज्य की भिन्न स्थानों से कुल 190 प्रतिभागी भाग लिए।

जनवरी 7-12, 2013 तक की अवधी के दौरान ई ई पी एस एम,-05/ ई ई पी एम-05, ई ई पी एफ-05, ई ई पी ओ एम-05, ई ई पी एच आर-01 के परिसर आंतरिक मॉड्यूल का आयोजन किया गया।इस मॉड्यूल में देश के विभिन्न भागों में से कुल 161 प्रतिभागी भाग लिए।

दिसंबर 2012 को प्लैटफार्म कक्षाऐं ईपीजीपी 05/ ईई पी जी एम-12 शुरू किया।फरवरी 2013 में ई ई पी एस एम-05 ई ई पी एम-05, ई ई पी एफ-05, ई ई पी ओ एम-05 प्लैटफार्म कक्षाऐं शुरु हुई।

ईपीजीपी 04 /ईईपी जी एम 11 बैच के प्रथम वर्ष की कक्षाऐं पूरी की गयी तथा तत्संबंधी परीक्षाऐं सफलता पूर्वक संपन्न की गयी। ईपीजीपी 04 के द्वितीय वर्ष की कक्षाऐं मार्च 2013 से शुरु की गयी ।

दीक्षांत समारोह

ई पी जी पी भागीदारों की तीसरी दीक्षांत समारोह मार्च 23-2012 को वार्षिक दीक्षांत समारोह के साथ आई आई एम परिसर में हुआ । इसमें आई पी जी पी -03 बैच के 227 छात्रों के साथ ई पी जी पी 02 बैच के 7 छात्रों को भी प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा से पुरस्कृत किया।

विद्वत्ता निष्पादन के लिए मि. अमित अशोक नायक को स्वर्णपदक से पुरस्कृत किया गया।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

पत्रिका में लेख
आगामी पत्रलेखन
किताब अध्याय
किताब
प्रकाशित किताब
अनुवाद
मामला अध्ययन
सम्मेलन कार्यवाही/प्रस्तुतीकरण
सत्र पद
आमंत्रित व्याख्यान/कार्शाला/संगोष्ठियाँ
अनुसंधान संगोष्ठी
कार्य पत्र
पूरा किया गया लघु अमुसंधान कार्य एवं परियोजनाऐं
किए जाने वाले लघु अनुसंधान कार्य एवं परियोजनाऐं
किए जाने वाले एम जी आर पी
सिंपोसिया में प्रस्तुति/संगोष्ठी
फेलोशिप/पुरस्कार/ सम्मान
संपादकीय मंडल की सदस्यता
समीक्षा/निर्देशी
आई आई एम के में सम्मेलन /अभिसमय
आगामी सम्मेलन /अभिसमय

जर्नल में लेख

अब्दुल्ला एम एस एक (2012) एक से अधिक कसौटी के साथ निर्णय निर्माण आई आई एम बैंग्लूर प्रबंध समीक्षा 24(3 137-142.

अधिकारी ए और रोय ए.के (2012) वैय्यक्तिक अधिमान एवं परिवार में सौदेबाजी।रेस्ट्रन्ट सेवा के क्रय निर्णय। कोरोणल होस्पिटालिटी क्वार्टर्ली 20(10)1-14.

अधिकारी ए और रोय ए.के (2012) उत्तरदाई वैय्यक्तिक अधिमान परिवार में सौदेबाजी।कोरोणल होस्पिटालिटी क्वार्टल 53 (4)

आनंद जी और बहनिपति बी.के (2012) आपूर्ति श्रृखला में तीव्र क्षितिज सहयोग मापन -एक रूपरेखा-सैद्धान्तिक दृष्टिकोण, उत्पादन योजना एवं नियंत्रण, 23(10-11) 801-816.

बहनिपति बी के और देशमुख एस जी (2012) पार्श्विक के पार्श्विक रहयोग के लिए एक संकल्पनात्मक ढाँचा। प्रबंधन के अन्तराष्ट्रीय पत्रिका एवं उद्यम विकास, 12(2) 132-157.

बालसुब्रह्मण्यम एस, प्रसाद के, अखिलेष के.बि (2013) एक क्षेत्र के वित्तीय लचीलापन पर रणनीतिक नवनिर्माण का प्रभाव: व्यावसायिक उद्योग से मुख्य संकल्प के साथ गवाह समर्थन। लचीला प्रणाली प्रबंधन पर वैश्विक पत्रिका, 13 (3): 165-175.

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

वलूनी. के, गंगोपाध्याय एस तुराकिया एस, और कार्तिका आर. जी (2012): भारत में लक्ष्यात्मक स्वास्थ्य संरक्षण उपक्रमण के धारणीयता पर चुनौतियाँ आई आई एम के समाज एवं प्रबंधन समीक्षाः 1(1):21-32 .

चौधरी एस और मुखर्जी एस. पी. (2013) एकल कतार एम/एम/1 में लंबाई कतार के आधार पर नीव्र यातायात के प्राक्कलन। तर्कशास्त्र में विनिमय - सिद्धांत और पद्धति, टेय्यर और फ्रोसिस, मई 42(13) 2376-2390.

देव, एस और नाय एस आर (2013) विनियमन के अधीन पर राज्यस्तर के उधार दाम- भारतीय अनुभवः ऐशीया व्यवसाय पढाई, 7(1):68-85 गंगोपाध्याय, के और सिंह के (2013), भारत में गरीबी का विस्तारः एक भिन्न आयाम। अर्थशास्त्र और राजनीतिक साप्तासिह, 48 (6): 75-83.

गुप्ता एम.ए, कुमार आर और उपाध्यायुला आर एस (2013) विलयन सफलताः प्रभावी कारकों का विचार। प्रबंध पद्धति पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 5(3) 270-286.

हलीम ए, और सेबास्ट्यन एम.पी (2012): डैटा निरमाण के लिए ऊर्ज संपक्षण दृष्टिकोण और संसाधन बाद्ध नेटनवर्क पर विश्वास डैटा विनिमय। ज्ञान एवं सूचना प्रणाली 32(3):559-587.

झरकारीय एस (2012) विलयन एवं अर्जन पर आपूर्ति श्रंखला मुद्दाः भारतीय व्योमयान उद्योग से मामला। व्योमयान प्रबंधन के अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंधनः 1(4):293-303.

जाँन एल और रमेश ए (2012) भारत में मानवीय आपूर्ती श्रंखलाः एक एस ए पी - एल ए पी ढाँचा प्रबंधन शोध अग्रिम पत्रिका, 9(2): 217-235.

कोहली आर, और मान बी जे (2012): भारत मे धरेयू एवं पूर्ण सीमा प्राप्ति में कंपनी के धन मुनाफा प्राप्ति।' अन्तर्राष्ट्रीय व्यावसायिक समीक्षा, 21(6) 998-1016.

कृष्णन ओ (2012) अर्थशास्त्र, विपणी एवं उपभोग बुरी हालत पर समीक्षाः व्यवसाय के क्रेसेंट पत्रिका 2(1).

कृष्णन टि एन (2012) भारत में दूरस्थ शिक्षा के तकनीकी माध्यम द्वारा कार्यकारी प्रबंधन शिक्षा पर जौच पढ़ाई। व्यावसायिक एवं वाणिज्य प्रशिक्षण, 44(7) 389-397.

कुमार एम, सिंह, एस, राज एच और भट्टाचार्य ए (2012) सामाजिक विनिमय एवं संगठनात्मक सुविधा पहचान और नियंत्रित विश्राम तथा आश से बचने का माप-तौल। संगठन सिद्धान्त एवं व्यवहार के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 215(4) 520-547.

कुमार आर, और शिवकुमार ए. आई (2013) क्षमता के मुख्य मार्ग समस्या के लिए गणन-प्रक्रिया के आधार पर धीरे धीरे शांत करना। सेवा एवं प्रचालन प्रबंधन पर अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल मोन्डाल डी, और गंगोपाध्याय, के (2012) क्या व्यक्तिगत ज्यादाद नवाचार प्रेरण के लिए एक दृढ़ सुरक्षा है? अर्थशास्त्र पत्र, 116(1): 80-82.

नसीर, ए, सेबास्ट्यन एम. पी और कुमार एम (2013) एक उपन्यास अनुबंध जाँच-परख-के, मनलब जीन प्रकटीकरण डैटा के झुंड के लिए आँकने का नियम संकर, जीवसूचना 9(2): 084-088.

पति एस.पी (2012) कर्मचारी आबंध के मापन के विकासः औद्योग संबंध भारतीय पत्रिका। 48(1)94-104.

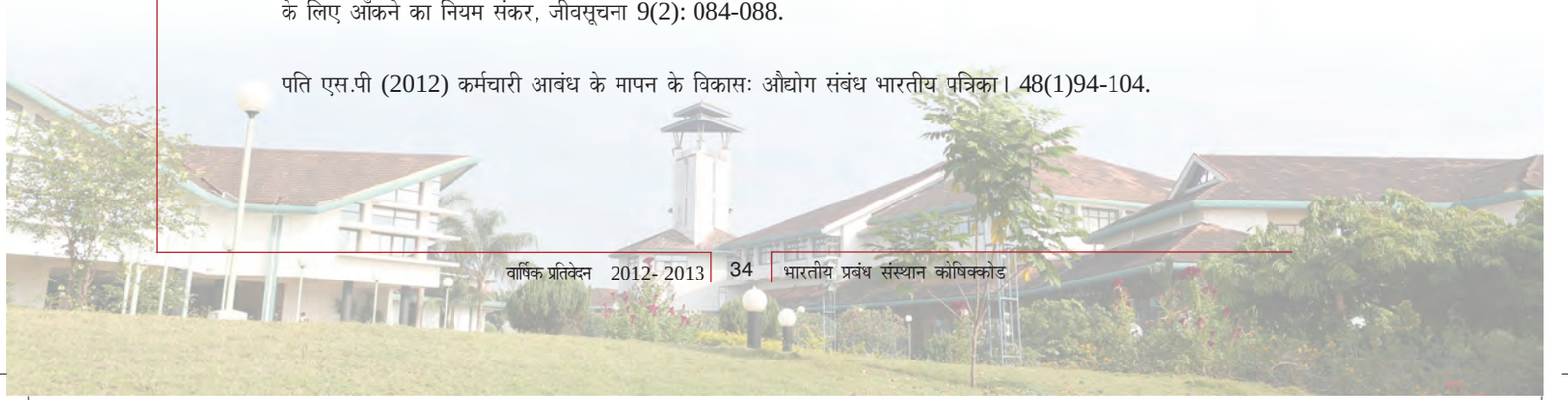

पौरव एस. और पुरानी के (2012) पूरे देशीय संदर्भ में महँगे दाम मूल्यांकन के प्रमुखता की तुलना। बिसिनेस अनुसंधान पत्रिका 65(10): 1417-1424.

पुरकायस्ता एस (2013) भारतीय निर्माण क्षेत्र से समूतः भिन्न रणनीति एवं क्षेत्र निष्पादनः वैश्विक व्यवसाय समीक्षा, 14(1):1-23.

रामचन्द्रन एन और शिवप्रकाशन पी (2012) शैक्षिक संस्था में सी डी एन के वास्तविक विश्लेषण नकल पढाई, आँकन एवं कंप्यूटेशनल तकनीकी पर पत्रिका, 6(3), : 483-498.

साहा बी, और सेनशर्मा आर (2013): राज्य स्वामित्व उधार जोखिम और बैंक प्रतियोगिताः कम प्रतियोगिता हालत के संयोग दृष्टिकोण। स्थूल आर्थिकता और उभरने वाले विपणन वित्तीय, 6(1) : 1-13.

सेठी डी (2012) मौखिक विनिमय कुशलता को सुधारने के लिए विना तैयार के एक कार्य विश्व विशेषण उद्देश्य के लिए अंग्रेडी 36(12).

शुक्ला एम और झरकरिया एस (2013) नए अपूर्ती श्रृंखला प्रबंधनः एक साहित्यिक समीक्षा प्रचालन एवं उत्पाधन के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 33(2).

शुक्ला पी, और पुरानी के (2012) पूरे देशीय संदर्भ में महँगे दाम मूल्यांकन के प्रमुखता की तुलनाः बिसिनेस अनुसंधान पत्रिका 65(10) 1417-1424.

सिकदार ए, और मित्रा एस (2012) लिंगः रूडिवद्ध भूमिकाः मूल्यांकन एवं मद्यपूर्व में नेतागिरी के पद्धति, शिक्षा, व्यवसाय एवं समाजःसमसाकायिक मध्यपूर्वी अंक 5(3) : 146-162.

श्रीकुमार एम जी (2012) चुस्त सूचना प्रणाली के लिए ई - संसाधन पर रणनीतिः पुस्तकालय के अभिलेख एवं सूचना पढ़ाई, 59: 155-169.

सुस्मिता ए. पति आर के और विरात पी (2012) भैज उद्योग में निहित प्रबंधन समस्या पर शोध : एस साहित्यिक समीक्षा : भैषज एवं स्वास्थ्य संरक्षण विपणि के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। 6(4) 351-375.

तंकमणी जी (2012) सामान्य समस्या अकफलता के साथ, लूब औल्य प्रणाली के विश्वसनीय विश्लेषण के लिए सामान्य स्टाकेस्टिक पेट्री नेट्स। कंप्यूटेशन्य एवं प्रायोगिक गणित के अमेरिका पत्रिका। 2(4) 152-158.

तंकमणी जी (2012) जी एस पि एन के प्रयोग से कूलिंग टवर के आक्कयन की लभ्यताः निष्पपाहा अभ्यन्ता के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। 9(2) : 211-220.

तंकमणी जी (2012) विश्लेषणात्मक नेटवर्क प्रक्रिया के प्योग द्वारा उत्पाद्य नवाचार के लिए तकनीकी चुनाव।

(ए एन पी) - अध्ययन। नवाचार, प्रबंधन, एवं तकनीकी के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 3(5)-560-565.

याँग, जे, किम, डब्ल्यू. अभ्बयी एन, और जिओंग, जे (2012) : उत्पाद्य विक्री पर डब्ल्यू ओ एम अलग-अलग तरीके का प्रभावः क्या यह डब्ल्यू ओ एम के प्रभाव संयोजित है? विणर्णा के यूरोपीय पत्रिका - 46(11) 1523-1538.

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

आगामी पत्रिका लेख / सम्मेलन पत्र

चटर्जी, डी, कृष्णन टी एन और ठंडन ए (2014) सामाजिक उद्योग की पुर्विटः पलाश नेत्र अस्पताल-एशियायी मामला अनुसंधान पत्रिका।

जोर्ज वी और सेबास्ट्यन एम पी (2013) सुदूर गाँव के मनदान केन्द्र के मनदान पर सुरक्षित एवं क्षमता योजना। इलक्ट्रोनिक वाणिज्य अनुसंधान पत्रिका ।

पती आर के और नंदकुमार एम के (2013) निर्णय निर्माण और व्यावसायिक नमूनाः हासिल करने का परिप्रेक्ष्यः रणनीतिक प्रबोधन समाज (एस एम एस) वाप्रिक सम्मेलनः अत्लान्टा, जोर्जिया, यू एस ए.

पती आर के नन्दकुमार एम के (2013) युवा एवं प्रकाशित क्षेत्र के लिए प्रभावित व्यावसायिक नमूनाः भारतीय एस एम ई से सबूत। शैक्षिक प्रबंधन (ए ओ एम) वार्षिक सम्मेलन, ओरलाँन्टो न्योरिडा, यू एस ए, अगस्त ।

पति आर के जान्स आर और त्यागी आर के (2013) हरियाली तर्कशास्त्र पर नेटवर्क डिजैनः आयोचनात्मक समीक्षा पी ओ एम एस 2013 . 24 वीं वार्षिक सम्मेलन डेनवर, कोलोराडो, यू एस ए- मई 3-7.

सहदेव एस-और पुरानी के (2013) विकसित राज्यों में इंटरनेट बैंकिंग का स्वीकार इससे संबधित बहु-विश्लेषणात्मक जाँचः शैक्षिक संस्था के विपणन वार्षिक सम्मेलन, कारडिफ, यू के जुलै 9-11.

सजीव जी पी और सेबास्ट्यन एम.पी (2013) हल्के भार से युक्त मेशीन द्वारा पढ़ायी के तकनीकी के साथ अर्ध बौद्धिक वेब कैशे प्रणाली का बनावट।

सुप्रिया के के और सेबेस्ट्यन एम पी (ई-शासन) तैयारी. भारत के लिए चुनौतियाँ। आई आई एम कोषिक्कोड समाज एवं प्रबंधन समीक्षा।

समाचार पत्र एवं आवधिक में पत्रिका

भावे एम. पी (2012) भारत को उजियारे करने के लिए सिंदिया को एक मौकाः हिन्यू बिसिनेस लाईन, नवंबर - 29

भावे एम पी सौरोर्ज, अमुल तरीके में, दी हिन्दू बिसिनेस लाईन नवंबर 2

भावे एम पी अपना ई-मेल भाषा देखिए दी हिन्दू बिसिनेस लाईन दिसंबर 3

भावे एम. पी. (2013) ग्राम्य बिजयीकरण मेय द्वारा माईकोग्रिड का देन संभव है। विख नवीकरण ऊर्ज काँम मार्च 15

भावे एम. पी (2013) हमारे रेलवे नेटवर्क, रट्टी को टोकरी हिन्दू बिसिनेस लाईन, मार्च 21

भावे एम.पी ओर चटर्जी डी (2012) हर एक छाती पर सौरोर्ज. हिन्दू बिसिनेस लाईन, सितंबर - 19

चटर्जी डी गाँधीजी हमारे लिए स्रोत है, अन्ना संसाधन व्यवसाय में मूल्य, इकनोमिक टाईम्स, दिसंबंर 29

चटर्जी डी (2012) गाँधी एक ऊर्ज हैः ईश्वरीय संसाधन। व्यवसाय में मूल्यः इकनोमिक टाईम्स, नवंबर 24, पूना - 6

चनर्जी डी (2013) चुनाव 2014 : लोकनेत्र पुनर्चिन्तन में मूल्य : इकनोमिक टाईम्स, जनवरी 26

रामन वी जी (2012) ह्यू स के परंपरा, सामाजिक प्रशासन, चाईना दैनिक (बीजिंग से प्रकाशित), नवंबर 21

रामन वी.जी. (2012) ह्यू जिन्टो की वसीयत, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस, (नई दिल्ली से प्रकाशित), नवंबर 7

सेनशर्मा आर (2013) बैंकिंग पर सुधार, इंदियन एक्सप्रस) जनवरी 15

पुस्तक के अध्याय

थाल,एम और सबात ए आर (2013) सुनिश्चित पढाई रूपान्तरण द्वारा स्त्रीशाक्तीकरण चलानाः हिन्दुस्तान वैमानिकी लिमिटेड (एच ए एल) के मामला अध्ययन। संस्करित अंक, उच्च-तकनीकी लोग-हाई टच एच आर- क्या हम मानुषिक स्पर्श खो रहा है? ष्यूम्सबेरी प्रकाशन इंडिया प्राः लिमिटड, नई दिल्ली।

गंगोपाध्याय, को और बसू बी (2013) इकट्ठे हुए भारतीय नगरीय वस्तुओं के लिए तथा चैना नगरीय वस्तुओं के लिए बनाए गए नियमों पर बदलावः प्रणाली जोखिम एवं नेटवर्क गतिशी के अर्थ भौतीकता, अबरजेल एक, चक्रबर्ती बी.के द्वारा संपादित चक्रबर्ती ए, आर घोष एः स्प्रिंगर वेरलाग इसलिए पन्ना 119-129.

कृष्णदास एन, आर पिल्लै आर आर (2013) क्लौड कंप्यूरिंग निदानः बृहत पढाई। सेवा अभिविन्यस्त क्लौड कंप्यूरिंग के लिए प्राणिविज्ञान एवं तकनीकियाँ। आई जी आई ग्लोबल, जनवरी पन्ना 1-18.

पवार बी एस (2012) कर्मस्थान अध्यात्मिकता के पूर्णदृष्टि और कर्मचारी के साथ अच्छे संबंध एन पी रेयली, एम जे सिरजी, और सी ए गोरमान (ई डी एस) जीवन के कर्म और गुणः संगठनों पर नीतिशास्त्र व्यवहार, संपादन एवं प्रकाशक स्प्रिंगर, पन्ना 449-460.

वेणुगोपाल ए (2013) गुण कर्म तैनाती के साथ कर्मचारियों के शण्यमापन : उच्च कतनीकी लोग, उच्च स्पर्श एच आरः क्या हम मानुषिकता खो रहा है? ब्यूमसबेरी, पन्ना 23-40.

कताब

चटर्जी डी (2013) कौन बनेगा नारायणमूर्ति कर्मयोगिकलुम् विजय वषिकलुम् मातृभूमि बुक्स (मलयालम अनुवाद)

सहस्रनामं एस, अल्ताफ जे, और शेकर आर (2013) सौरोर्ज के प्रयोग से गाँव में विजयीकरण, विकसित देशों के लिए एक नमूना लैप लैम्बर्ट शैक्षिक प्रकाशन,

फरवरी सिकमुंद, डब्ल्यू जी अधिकारी ए, बबिन बी जे, कार, जे सी और ग्रिफिन एम (2012) व्यावसायिक अनुसंधान तरीका, दक्षिण पश्चिम, सेन्गेज पढ़ाई, यू एस ए दिसंबर,

प्रकाशित किताबें

संपादित किताबें (2) बसू बी चक्रबर्ती बी के, चक्रवर्ती एस आर, गंगोपाध्याय के (2013) खेल एवं सामाजिक चुनाव और परिमाणात्मक तकनीकी के अर्थभौतिक एवं अर्थशास्त्र स्प्रिंगर-वेरलैग-इटालिय, नई दिल्ली।

चटर्जी डी, धाल एम, और पति एस.पी (2013) हाई-टेक लोग, हाई टच एच आर क्या हम मानविकता को खो रहे है? ब्यूम्सबेरी प्रकाशन, भारत प्रा. लि. नई दिल्ली ।

अनुवाद

मधुसूदन वी (2013) : कौन बनेगा नारायणमूर्ति कर्मयोगिकलुम् विजयवषिरलुम (चटर्जी, डी अनुवाद) मातृभूमि बुक्स ।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

मामला अध्ययन

दयानिधी डी (2013) शुरु हुए आधार-सामाजिक ब्रिकोलूर के बढ़ावा का भाडा लेना /IIMK/सी एस /30/ एस टी आर /2013/ 02.

कृष्णदास एन (2012) गूँज : कपडे की शक्तिः एमराल्ड ऊर्जा विपणी इकट्ठे हुए मामला अध्ययन।

कृष्णदास एन (2012) लाईफ स्प्रिंग अस्पतालः एक सामाजिक नवाचारः एमराल्ड ऊर्जा विपणी इकट्ठे हुए मामला अध्ययन।

मित्रा एस, और ख्वान तान ए, डब्ल्यू (2012) सौदी अरब में बडे निर्माण परियोजना से पाठ अधिगम। बेंतमार्किंगः अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका १9(3) : 308-324.

श्रीधर जी, चावला वी और सिंह डी (2013) कैंडी और चोकलेर भारत (सी सी आई) अंतिम मील वितरण चुनौती। ग्लोबलीनस प्रकाशन, उत्पाद्य आई डी 1-429-325 http//globalens.com/मामला विवरणः aspx? cid=1429325

वेलायुधन एस के (2012) वंडर या IIMK/सी एस/29 एम के टी जी /2013/01.

सम्मेलन कार्यवाही / प्रस्तुती

अब्दुल्ला एस एस (2012) क्लौड और बहु-कोर विन्यास में सह अपवर्जन क्षमता के लिए एस सी एस जैसे गणित भाषा का प्रयोग। क्लौड कंप्यूटिग की अग्रिमता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंग्लूर, जुलै 26-28.

अब्दुल्ला एम एस (2012) अतिव्याप्ति निर्धारण मामले के लिए बहु आयाम निर्णय निर्माण के प्रयोग पर विख्यात योजना के अन्दर आने वाले क्लौड के अधारित ई-वाणिज्य। क्लौड कंप्यूटिंग के अग्रिमता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंग्लूर जुलै - 26-28.

अम्बली एन, और बुई डी (2012) ऑनलाईन व्यवहार पर मूल्य प्रस्ताव तथा सामाजिक प्रमाणः ग्रूपआन.ड़दृ के विस्फोटात्मक अध्ययनः इलक्ट्रोणिक वाणिज्य पर 14 वीं वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यवाही। सिंगपूर, अगस्त 6-8.

बालसुब्रह्मण्यम् एस (2012) नेटवर्क केन्द्रित नवाचार नमूना तथा वैश्विक व्यापार संभावना से उभरते अर्थशास्त्र पर तुलनात्मक अध्ययन। उभरने वाले भारत के लिए वैश्विक रणनीति पर अन्तर्काष्ट्रीय सम्मेलन। आईआईएम कोषिक्कोड और सिड़नी व्यापार स्कूल के विश्वविद्यालया दिसंबर 27-28.

बालसुब्रह्मण्यम एस (2012) नए व्यापार नवाचार नमूने की ओर स्ट्रेच के योग्य रणनीतिक योजना। अवेक्षित व्यापार पर 6 ई. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन IIT दिल्ली ः कर्टिन विश्वविद्यालय, ओस्ट्रेलिया, अक्तूबर 18-20.

भावे एम.पी (2012) धारणीयता के मुख्य भाग जैसे नवीकृत उर्जा। ई ए बी आई एस-आई एम डी धारणीयता के लि रणनीतिक नवाचार, लौसिने, स्विट्सरलैंड, जुलै-2-4.

गंगोपाध्याय के और गुहताकुर्ता के (2012) इकनोफिस कोलकत्ता VIIः अभिकर्ता के पुष्ठभामि पर कंप्यूरेशन के आर्थिकारन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आणविक भौतिक शास्त्र, साहा संस्था (कोलकत्ता) नवंबर 8-12.

गंगोपाध्याय के, निशिमुरा,ए और पाल आर (2012).कुशलता बढौती एवं स्टॉक दाम के सह-आन्दोलनो आर्थिक बढाव एवं विकास पर 8 वीं वार्षिक सम्मेलन भारतीय आँकडा संस्था, दिल्ली, दिसंबर- 17-19.

गोपीनाथ एस (2012) मानवकिक आपूर्ति श्रंखला के प्रभाव की प्राप्ति के लिए जोखिम के पृष्ठभूमी पर वस्तु के आयोजित नमूना। शैक्षिक व्यवसाय अनुसंधान, फाल 2012 सम्मेलन, अटलैंडिक शहर, न्यू जेरसी, सितंबर-10-12.

झरकारिया एस (2012) अपूर्ति श्रंखला प्रबंधन में आई टी का प्रयोग। अंकों की समीक्षा। आई टी और व्यावसाय आसूचना पर पर्वी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भुवनेश्वर, नवंबर 23-25, चेलेर्ड तकनीकी सत्र भी इस सम्मेलन में हुआ।

जाने एल और रमेश ए (2012) मानविक आपूर्ति नेटवर्क के लिए एशिया के भंडाकार स्थान XVI समाज के प्रचालन प्रबंध के वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई आई टी, दिल्ली, न्यू दिल्ली, दिसंबर - 21-23.

जोसेफ जे (2012) मैं से हम'। विपणन में बढ़ते प्राधिकारी मामला। छठीं महा सागर- एन ए एस ई आई, अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन, चेन्नाई, भारत, दिसंबर - 29-30 "एकीकृत विपणन सम्मेलन" विषय पर चेलेड तकनीकी सत्र भी इस सम्मेलन में हुआ।

जोसेफ जे और मात्यू एस (2012) क्या वे खूब मिलाया? मुद्रण विज्ञापन में लिप्यंतरण अभिव्यक्ति का प्रभाव। छठीं महा सागर-एन एन एस एम ई आई अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन, चेन्नाई, भारत, दिः 29-30.

कर्मा, ए उपाध्यायुला आर एस और कार्तिक डी (2012) एथनिक टाई व धन इकट्ठे हुए वस्तुऐं: बहु-झुंट के चुने गए स्थान के सरलरूप से विवरण देना, जो अभरनेवाले एम एन सी एस है। शैक्षिक प्रबंधन 2012, वार्षिक सम्मेलन, बोस्टेन, एम ए, यू एस ए, आगस्त 3-8.

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2012) हरे आई टी पहलू के धरणीयता के लिए नमूना। सूचना प्रणाली 2012 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। ए आई एस, ओरलांटो, फ्लोरिडा, दिसंबर कृष्णदस एन, और पिल्लै आर आर (2013).

कृष्णदस एन, और पिल्लै आर आर (2013) क्लौड कंप्यूटिंग : स्टोकिस्टिक प्रक्रिया के प्रयोग द्वारा विश्लेषणः कंप्यूटर खेल, मल्टिमीडिया तथा एलैड तकनीकी पर ६वीं वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। जी एस टी एफ, सिंगपूर अप्रैल।

कृष्णदास एन (2012) भारतीय क्षेत्र में व्यावसायिक धारणीयता पर नवाचार रणनीतिः उभरे भारत के लिए वैश्विक रणनीतिः उभरे भारत के लिए वैश्विक रणनीति। आईआईएम के, केरला, नवंबर।

कृष्णन ओ और नफीस एल (2012) लक्ष्य छाप में छाया निर्माण अभ्यला की भूमिका। भारत के सात सिस्टैस की मामला। क्ष्ज लक्ष्य छाप और विपणन सम्मेलन, कार्डिफ मेट्रोपोलिटन विश्व विद्यालय, कारडिफ, वेल्स, दिसंबर - 5-7.

कुमार डी, पुरानी के और सहदेव वी (2012) दृश्यसेवा स्तर के सौन्दर्य की मूल्य निरूपण। पर्यावरण मानसिक दृष्टिकोण। विपणन के शिक्षा संस्थान में प्रस्तुति के लिए स्वाकर किए पत्र, वार्षिक सम्मेलन, सतांम्टन, यू के जुलै 2-4.

कुमार एम और जौहरी एच (2012) संगठनात्मक नागरिकता व्हार एवं आवर्त उद्देश्य के बीच के संबंघ के अपनत्व लेकान एवं स्वास्थ्य जैसे स्पष्टीकरण। XXII देशीय शैक्षिक संस्थान के मनो वैज्ञानिक सम्मेलन, क्राईस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलूर, दिसंबर ।

कुमार एम और सिंह एस (2012) संबंध गुण, मदद, अपनापन, लकान एवं उद्देश्य के बीच के संबंध को खोजना XXII देशीय शैक्षिक संस्थान के मनोवैज्ञानिक सम्मेलन, क्राईस्ट विश्वविद्यालय बैंगलूर, दिसंबर।

लाढ़ा के.के (2011) एक मुख्य राजनीतिक अभिनेता के जैसे उभरकर आने वाले भारत के न्यायपालिका। अमरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक सहयोग सम्मेलन, न्यू ओरलियन्स, यू एस ए आगस्त 30 - सितंबर 2.

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

मोडी ए, सोनी जी और आनंद जी (2012) भारतीय दृष्टिकोण से अपूर्ती श्रंखला प्रबंधन अनुसंधान पर अलोचनात्मक समीक्षा। एमेर्जेनट इंडिया के लिए वैश्विक रणनीति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई आई एम के, दिसंबर 27-28.

नायर एस आर और ईपन एल एम (2013) कृषिभूमि संबंधित निष्पादन और भारत में खाद्य वस्तु के बढते दामः पूर्व एवं पश्च स्वतंत्र आर्थिक अनुभव से अंन्तर्दृष्टि एवं पाठ। सार्वजानिक नियम एवं प्रबंधन पर समसामाचिक चर्चा के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

नंदकुमार एम.के गोबादियान ए और ओ रीगन एन (2012) रणनीतिक योजना एवं निष्पादन - ढाँचे के अनुशोधित प्रभाव। ब्रिटीश, प्रबंधन शैक्षिक संस्था सम्मेलन कार्डिफ, यू के, सितंबर 11-13.

पति एस पी और कुमार पी (2012) आध्यात्मिकता के संकलनात्मकता। देशीय मनोवैज्ञानिक शैक्षिक संस्था के रवीं वार्षिक परिपाडी। क्राइस्ट विश्वविद्यालय बैंगलूर, दिसंबर 10-12.

पोल ए (2012) भारतीय नारी के अन्वेषणात्मक व्यवहार की सूचना में आई सी टी की भूमिका। नारी द्वारा सूचना जाँच के प्रयोग के प्रणालीगत समीक्षा। तकनीकी, नवाचार एवं सामाजिक परिवर्तन, सामाज विज्ञान के टाटा संस्था, मुंम्बाई, भारत, आगस्त 16-18.

पोल ए (2013) भारतीय नारी के दैनिक जीवन में आई सी टी की भूमिका। तकनीकी, नवाचार एवं समाज परिवर्तन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। समाज विज्ञान के टाटा संस्था (टी आई एस एस) मुम्बाई, जनवरी।

पोल ए, यादमसुरेन बी एवं एरडेल्स एम (2012) बहु-उपयोगी ऑलाईन कम निष्पादन के मापन का अनुभव। सूचना एवं विनिमय तकनीकी पर दूसरा विश्व कांग्रेस, IIIT एम केरला, तिरुवनन्तपुरम अक्तूबर 30- नवंबर।

पुरानी के और सहदेव एस. (2012) विकसित न्यास एवं ई-सेवा की वफादारी पर तकनीकी शुरुअत की भूमिका का जाँच। यह पत्र प्रस्तुती के लिए स्वीकार किया है। विपणन शौक्षिक संस्था के वार्षिक सम्मेलन, यू के, जुलै 2-4.

पुरानी के, इरी ए एल (2012) पूर्ववृत्त देशी एवं विदेशी उत्पन्न के बारे में विकसित एवं विकासशील देशों की छविः तुलनात्मक अध्ययन। अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय 2012 के शौक्षिक संस्था, वार्षिक सम्मेलन, वाशिंगटन, डी सी जून 30 - जुलै 3.

राज एस.ए., विमल के.ई.के, शामा एम.एस, विनोध एस, आनंद जी और चौधिया एम पी (2012) आन्थोलनात्मक पर्यावरण में कार्यबल की भूमिका के मूल्यांकन के लिए गणित नमूना। क्रांतिकारी निर्माण प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यवाही (आई सी ए एम-2012 भारतीय-तकनीकी संस्था, वारणासी, उत्तर प्रदेश, भारत दिसंबर - 16-19.

रामन वी.जी. (2012) ह्यू जिनारे-वेन जियावो युग में चैना की राजनीतिक आर्थिकताः आर्थिकता एवं सामाजिक शासन से मुक्तिः विश्वकार्य के भारतीय परिषद्छ सप्रू हाऊस, नई दिल्ली, अक्तूबर ।

रामन वी.जी. (2012) समकालीन चैना में सामाजिक शासन। 5 वीं अखिल भारतीय चैना विद्वानों के सम्मेलन। शांति निकेतन विश्वभारती, दिसंबर 15-16.

सेती, डी (2012) भारत में द्विभाषी विज्ञापन : सिफारिशों के आधार पर साहित्यिक समीक्षा। समकालिक व्यवसाय पर 6 वीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रबंधन पढ़ाई की विभाग, भारतीय तकनीकी संस्थान, नई दिल्ली अकतूबर 18-20.

शिवशंकर के और आनंद जी (2012) आपूर्ति श्रंखला अभिकल्प में बहु आलम निर्णय निर्माण दृष्टिकोण का प्रयोग-मामला अध्ययन। समाज के प्रचालन प्रबंधन के बारे में XVI वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यवाहियाँ। (एस ओ एम - 2012), भारतीय तकनीकी संस्थान दिल्ली, (IITD) नई दिल्ली, भारत दिसंबर 21-23.

सुप्रिया के.के. और सेबास्टियन एम.पी. (2012) ई-शासन शुरुआतः भारत के लिए चुनौतियाँ। उभरते भारत के लिए वैश्विक रणनीति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन,आई आई एम के, दिसंबर ।

सुस्मिता ए, पति आर के (2012) भारतीय भैषल्य उद्योग में प्रतिलोम तर्कशास्त्रः मामला अध्ययन। सामाजिक प्रचालन प्रबंधन पर XVI वार्षिक सम्मेलन, सामाजिक प्रचालन प्रबंधन IIT दिल्ली, दिसंबर ।

सुस्मिता ए, पति आर के और एलियास ए (2012) भारतीय भैषज्य उद्योग में प्रतिलोम तर्कशास्त्र विश्लेषण (प्रणालिंगत दृष्टिकोण। 26 वीं वार्षिक ओस्ट्रेलिय एवं न्यूजिलैंट प्रबंधन शैक्षिक संस्था सम्मेलन 2012 आस्त्रेलिया एवं न्यूजिलैट प्रबंधन शैक्षिक संस्था, पेर्थ, ओस्ट्रेलिया, दिसंबर ।

स्वाईन ए. के. और श्याम ए.वी. (2012) जनजाती कार्यवाही के लिए संज्ञानात्मक व्यावसायिक आसूचना प्रणाली के आपात विपणी एवं नए प्रबंधन के गत्यात्मकता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लंदन, मई 17-18.

ठंडन ए (2012) सामाजिक मूल्य निर्माण केलिए उद्यम विद्वन्ताः सामाजिक उद्यमों के लिए शोध कार्यसूची। 4 वीं अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक नवाचार अनुसंधान सम्मेलन। तीसरी अनुसंधान केन्द्र, बर्मह्याम विश्वविद्यालय, यू.के. सितंबर - 12-14.

तंगमणी जी (2012) टी ओ सी, विचारधारा कार्यक्रम द्वारा नये उत्पादन विकास निष्पादन का प्रगति। विपणन एवं व्यवसाय रणनीति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आ एन सी ओ एम बी एस- 2012) आई बी एस हाइदराबाद मई 10-11.

तंगमणी जी (2012). विश्लेषणात्मक उत्क्रम प्रक्रिया प्रयोग से तकनीकी चुनाव ढाँचा।–एक अध्ययन। विपणन एवं व्यवसाय रणनीति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आ एन सी ओ एम बी एस- 2012) आई बी एस हाइदराबाद मई 10-11.

उपाध्यायुला आर एस कार्तिक डी, और कर्माए (2012) मूल से जोडकर या प्रतियोगिता में आकर्षित है?

आपात के एम एन सी स्थान चुनाव के रणनीतिक चालक। रणनीतिक प्रबंधन सामाजिक वार्षिक सम्मेलन, प्रज्ञा-अक्तूबर 6-9.

वेंरट्रमानिष एस (2012) प्रबंधन माँग अभियाचना के साथ काम बल सीखना और उत्पादन उपज। सामाजिक प्रचालन प्रबंधन (एस ओ एम) वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली- दिसंबर 21-23.

वेणुगोपाल ए (2013) गुण कर्म प्रतिज्ञा के साथ कर्मचारी अनुमान शब्दः एच आर सम्मिट, 2013 आई आई एम के, फरवरी 8-10.

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

सत्र चेयर

गंगोपाध्याय, के (2012) सत्र 5 , आपातकालीन भारत केलिए वैश्विक रणनीति पर सम्मेलन, आई आई एम के, दिसंबर 27-28.

पति एस.पी (2013) कर्मक्षेत्र में आध्यात्मिकता, आई आई एम के एच आर सम्मिट 2013, आई आई एम के, फरवरी 09.

वेलियत आर और पुरानी के (2012) दिन-1, सत्र 3, आपातकालीन भारत के लिए वैश्विक रणनीति पर सम्मेलन, आई आई एम के, दिसंबर 27-28.

आमंत्रित भाषण / कार्यशाला / संगोष्ठि

गंगोपाध्याय के (2012) सह-संचलन के कुशलतायुक्त बढौती और मालदाम, व्यक्तिगत संगोष्ठी। इंदिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्था, मुंम्बाई, अक्तूबर ।

कृष्णदास एन (2013) संगोष्ठीः ग्रीन आई टी के लिए अभिकल्पित आदर्श ग्रिड, एस ए पी, लेब, जनवरी। सहस्रनामम एस 2013 युवा नावाचारियों का मिलन। शेविंग एवं यू के पूर्व छात्र मिलन, ताज विवन्ता तिरुवनन्तपुरम, फरवरी, 27.

सेबास्टियन एम. पी (2012) डैटा विज्ञान एवं अभ्यन्ता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (आई सी डी एस ई) (आमंत्रित वक्ता) कोचिन विश्वविद्यालय, विज्ञान एवं तकनीकी कोची जुलै।

नारायणन वी.के (2012) सैद्धांन्तिक विकास में एपिस्टमोलाणिकल विश्लेषण की भूमिका, जुलै 20.

शोध संगोष्ठि

चौधरी टी एच (2012) दूर-विनिमय अद्भुद। यह एक बुलबुला पर न समाज हो जाए, सितंबर 21.

सिन्हा एस (2012) दान व्यवहार के आश्रित अवधी से दान घटना तथा रकम द्वारा वर्ग व्यवहार के अलग-अलग तरीके से विवरण प्रदान करना। आगस्त- 2

किशोर एस आर (2012) भारत में भैव्य विपणी, अक्तूबर 22

मिंगमिंग एस (2012) चैना की वृद्धी धारणीय है? दिसंबर - 6

सेनगुप्ता एस (2013) टीका लगाने की आशय पर माध्यमों एवं व्यक्तिगत सूचना स्रोत की भूमिका, जनवरी 16

जितेन्द्रनाथन टी (2013) किस प्रकार उत्भूत व्यापार क्रियाकलाप जो मुख्य संपदा वापसी एवं बदलाव पर प्रभाव करता है? भारतीय बहुदेशीयता के प्रतियोगिता लाभ, अप्रैल 23

तंकमणी. जी विश्लेषणात्मक उत्क्रम प्रक्रिया प्रयोग से तकनीकी चुनाव ढाँचा।–एक अध्ययन
जितेन्द्र नाथ टी (2013) किस प्रकार उत्भूत व्यापार क्रिया कलाप, मुख्य संपदा वापसी एवं बदलाव पर प्रभाव करता है-भारतीय समतुल्य विपणी का अध्ययन जनवरी-17

थाईट एम (2013) अन्तर्राष्ट्रीकरण प्रक्रिया, रणनीति एवं आपातकालीन भारतीय बहुदेशीयता के प्रतियोगिता लाभ, अप्रैल-23

कार्य पत्र

अधिकारी ए (2012) विभिन्नत विषयगत एवं व्यक्तिगत उत्पादन श्रेय। (दाम निर्णय अनुभव उत्पादन के लिए) IIMK/WPS/10p/MKTG/2012/11.

अधिकारी ए (2012) व्यक्तिगत स्तर सूचना अन्वेषण व्यवहार के सूक्ष्म नमूनाः एक विशेष भिन्नतात्मक अध्ययन/IIMK/WPS/109/MKTG/2012/12.

अधितारी ए (2012) अर्थशास्त्र एवं समय संसाधन के प्रभावः सूचना अन्वेषण के अन्तरवैयाक्तिक विश्लेषण/IIMK/WPS/110MKTG/2012/13.

चटर्जी डी (2012) विश्वविद्यालय, आईसोमाफ्रिस पाश्चात्य विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान प्रणाली के विवरण की बैश्वीकरण आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/113/ओ बी एच आर/2012/16.

चटर्जी डी (2013) विषय एवं अनुसंधान तरीके पर विश्वविद्यालय पहचान की भूमिका का जाँच। आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/126/ओ बी एच आर/2013/12.

दयानिधी टी (2013) अनुसंधान के लिए वृत्तिका लेख- आधारभूत एवं विवक्षा में पेड् टेस्ट अनुशासन तरीका। आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/122/एस टी आर/2012/08.

दयानिधी टी (2013) निष्पादन को क्या चलाता है, विविधता चुनाव, कार्यानुभव या प्रणाली विज्ञान-। आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/117/एस टी आर/2012/03.

गंगोपाध्याय के और गुहतकुर्ता के (2013) गृह संपदा -बुलबुला के अभ्यन्ता आधारित निदर्शन । जाँच के पृष्ठभूमि पर सरल कर्म प्रयुक्ति।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/129/ई सी ओ/2012/15.

गंगोपाध्याय के (2012) क्या सोचने की क्षमता से वस्तु उत्तेजना की दृढ सुरक्षा से नवाचार हो सकता है-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/106/ई सी ओ/2012/09.

गंगोपाध्याय के (2012)भारत में गरीबी को हटाना -भिन्न आयाम।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/105/ई सी ओ/2012/08.

गंगोपाध्याय के निशिमुरा ए और पाल ए (2012) कुशल बढौती और स्टॉक दाम के सह-संचालन, इंदिरा गाँधी संस्था के विकास अनुसंधान कार्य पत्र।

गुहतकुर्ता के (2013) आपातकालीन एवं विकसित स्टाक विपणी के, दूर की स्मृति के उपस्थिति की खोज।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/107/एफ आई एन /2012/10.

कोहली आर (2013) भारत में पूरे सीमा अधिग्रह के दूर संचालित वित्तीय निष्पादन की, जो भारतीय अधिग्रहण है, उनके निर्णय विश्लेषण-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/120/एफ आई एन /2013/06.

कोहली आर.(2013) भारत में पूरे सीमा अधिग्रह के लिए जोखिम शान्ति की रणनीति को पाना।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/119/एफ आई एन /2013/05.

कुमार एम (2012) भारत में उच्चशिक्षा की गुण के लिए रणनीतिक मौका -आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/116/ई सी ओ /2013/02.

लाढा आर. के मेनोन बी पी (2012) व्यवहारिक वित्तीय द्वारा प्रायोगिकता लाभ के लिए नवाचार पद्धति -आई आईएम के/डब्ल्यू पी एस/112/एफ आई एन /2012/15.

लाढा आर. के (2013) स्वास्थ्य सुरक्षा प्रत्यायन- खेल -सिद्धान्त दृष्टिकोण-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/123/एफ आई एन/2013/09.

लाढा आर. के (2013) नियम के कारण भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलयन ।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/127/एफ आई एन/2013/13.

नायर ए एस तथा लाढा आर (2013) निवेशकों के चरित्र, निवेशन लक्ष्य और चुनाव -भारत में सामाजिक निवेशन, उत्तरदायित्व व्यवहार पर सामाजिक निवेशन क्षमता के परीक्षा -मध्यस्त प्रभाव-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/124/एफ आई एन /2013/10.

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

नायर ए एस (2013)लोग संचय एवं पुनर्भरण व्यापार के उपस्थिति में कायम रहने वाले पूँची विपणी संतुलन।-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/121/एफ आई एन /2013/07.

नंन्दकुमार एम के (2013) रणनीति योजना और संगठनात्मक निष्पादन- पर्यावरण के संयत प्रभाव-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/128/एस टी आर/2013/14.

पुरकायस्ता एस (2012)भिन्न रणनीति एवं क्षेत्र निष्पादन-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/114/एफ आई एन /2013/17.

स्थानु मूर्ति आर और ईपन एल एम (2013) भारत में कृषिनिष्पादन एवं बढते दाम। पूर्व एवं स्वतंत्र अनुभव से अन्तरदृष्टि और पाठ-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/115/ई सी ओ /2013/01.

थामस जे (2013) चेन्नाई महा राजा (सी एस के)-बढने वाले तथा प्रभावन क्षमता के छाप साम्यता।आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/125/एम के टी जी /2013/11.

वेलायुधन एस के (2013) शहर एवं गाँव की ग्राहकों के बीच के भिन्न प्रतिबोधन मूल्य-आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस/118/एम के टी जी /2013/04.

पूर्ण एस जी आर पी

गंगोपाध्याय के (2012) भारत में खाद्य ग्रहण के आंदोलन पर अध्ययन -1990-2008 एस जी आर पी /2011/41.

पुरकायस्ता एस (2011) भिन्न रणनीति एवं क्षेत्र निष्पादन एस जी आर पी /2011/47.

सेठ डी (2011) कोषिक्कोड और कोच्ची के बीच श्वेतवस्त्र कर्मचारियों के अभिकलित्र संबंधी स्वास्थ्य समस्या। एस जी आर पी /2011/46.

सेठ डी (2011) डाक्टर-मरीजों के बीच के विनिमय में मूक आशय विनिमय -केरल के तीन मुख्य शहरों में अध्ययन जाँच।एस जी आर पी /2011/02.

वेलायुधन एस के (2011) वंडरला पार्क के विषय वस्तु पर मामला विकास ।

जारी किए एस जी आर पी

अधिकारी ए (2012) मित प्रमोचन -दैनिक जीवन में जेवर लाने में तनिष्क निपणन रणनीति एस जी आर पी /2012/57.

कृष्णन टी एन (2012) भारत में वचनबद्ध संस्थागत सर्वेक्षण अनुसंधान में जिम्मेदारी दर -एस जी आर पी /2012/56.

पुरकायस्ता एस (2012) अन्तर्राष्ट्रीय निष्पादन संबंध में भिन्न दल की अलगाव एस जी आर पी /2012/55.

पुरकायस्ता एस (2012) नवाचार अन्तर्राष्ट्रीय संबंध पर स्वामित्प प्रभाव भारतीय भैषज्य क्षेत्र पर अध्ययन एस जी आर पी /2013/58.

ली गयी एम जी आर पी

पोल ए स (2013) भारतीय नारी द्वारा आई सी टी प्रयोग एम जी आर पी /2012/01/आई टी/01.

रूपरेखा एवं संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण

ईपन एल एम (2013) कल की केरला -के लिए आमंत्रित नामिका सूची,मुख्यमंत्री श्री उम्मन चांडी के साथ विशेषज्ञ नामिका चर्चा, मलयालमनेरमा एरनाकुलम फरवरी -2.

रामन वी जी (2012) चीनी लोग क्यों अपने देश को विकास शील देश कहता है। उद्घाटन समारोह संस्था के समकालीन अध्ययन । महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय कोट्टयम, नवंबर 1-3.

फेलोशिप /पुरस्कार/सम्मान

गंगोपाध्याय के - आमंत्रित अध्यक्षता, इनफोसिस - कोलकत्ता-7आर्थिक -भौतिकशास्त्र के अभ्यन्ता आधारित नमूना, आणविक भौतिक शास्त्र के साहा संस्थान ।नवंबर 8-12, 2012.

जोन एल सबसे अच्छे पत्र के लिए पुरस्कार , डाक्टरल कन्सोर्षियम, समाज के प्रचालन प्रबंधन के 16 वीं वार्षिक सम्मेलन दिसंहंर 21-23, 2012 .

कृष्णदास एन, जी एस टी एफ - उत्कृष्ट पी एच डी पुरस्कार, जी एस टी एफ, सिंगपूर नवंबर 2012.

पति आर के, नेहरू -फुलब्राईट, डाक्टरल और प्रोफेशनल फेलो । फुलब्राईट फौन्टेशन और भारत संघ राज्य शिक्षा फौन्टेशन (यू एस आई ई एफ) सितंबंर 2012-जून 2013).

पति आर के भागीदारी विकास सीड अनुदान 2012-13 शास्त्री इंदो कनेडियन संस्था।

पुरानी के, पाठ्य पद्दति अनुसंधान एवं धारणीय विपणी में अध्ययन संसाधन विकास। आई आई एम कोषिक्कोड एवं शेफ्फील्ड विश्वविद्यालय के बीच की सहयोग परियोजना, यू के, ब्रिटीश परिषदीय ज्ञान अर्थशास्त्र भागीदार कार्यक्रम - 2012 जी बी पी, 7000 ब्रिटीश परिषद भारत 2012.

प्रकाशन मंडल के सदस्य

अधिकारी ए. सहयोग प्रकाशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

बलूनी के. प्रकाशक समाक्षा सदस्य,आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

देव एस. प्रबंध निदेशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

गंगोपाध्याय के. सहयोग प्रकाशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

कुमार आर सहयोग संपादक, प्रतिवाद नमूने एवं पढाने की तरीके पर पत्रिका।, सागा प्रकाशन

लाढा. के. संपादकीय समाक्षा मंडव सदस्य, आई आई एम के समाज और प्रबंध समीक्षा

नायर ए सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

नायर यू .के. संपादकीय समाक्षा मंडव सदस्य, आई आई एम के समाज और प्रबंध समीक्षा

पती आर के. सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

पवार बी. एस. सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

पुरकायस्ता, एस. सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

रामन वी जी. सहयोग संपादक आई आई एम समाज ओर प्रबंध समीक्षा

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

सेबास्टियन एम पी. सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा; अगली पीढी के सूचना और तकनीकी

सेनशर्मा आर, आपातकालीन अर्थशास्त्र में लेखा पत्रिका-जोखिम शासन और बद्ध वित्तीय विपणी एवं संस्था।

सेठी आर के. प्रबंधन संपादकीय, आई आई एम कोषिक्कोड, सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

समीक्षा/निर्देश

अंब्ली एन आई टी एस एम 2012 पर विशेषांक सूचना प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई सी आई एस) जून, भारतीय बिसिनेस अनुसंधान पत्रिका। मई एमराल्ड आपात विपणी के मामला अध्ययन अप्रैल।

आनंद जी -उद्यम रूपांतरण के अन्तर्राष्ट्रय पत्रिका, टेयलर एवं फ्रान्सिस पब्लिकेशन, प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा एमराल्ड प्रकाशन। निर्माण प्रणाली की पत्रिका -निर्माण के सामाजिक अभ्यन्ता प्रकाशन।

गंगोपाध्याय के नागरिक अध्ययन (2) अर्थशास्त्र एवं वित्त के अन्तर्राष्ट्रीय समीक्षा, परिमाणात्मक अर्थशास्त्र की पत्रिका, अर्थशास्त्र बुलेटिन (2) भारतीय बढाव एवं विकास समीक्षा।

कृष्णदास एन -सूचना प्रणाली के यूरोपीय पत्रिका।

कुमार एम- संगठनात्मक पत्रिका विश्लेषण की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, प्रचालन अनुसंधान की अन्तर्राष्ट्टरीय पत्रिका

कुमार एम- संगठनात्मक सिद्धान्त एवं व्यवहार के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

पति आर.के उत्पादन अर्थशास्त्र की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, पर्यावरण एवं कूडा प्रबंधन के अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंधन

पति एस पी संगठनात्मक विश्लेषण की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, संगठनात्मक सिद्धान्त एवं व्यवहार के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

पोल ए सूचना तकनीकी एवं प्रबंधन। एशियायी मामला अनुसंधान पत्रिका।

पुरानी के प्रबंधन मनोवैज्ञानिक पत्रिका

राजू सी प्रचालन अनुसंधान समाज की पत्रिका।गुण एवं विश्वसनीय प्रबंधन की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। सहयोग आँकडा एवं आवेदन पत्र की नमूना।

सहस्रनामम् एस आई ई ई ई वैश्विक मानविक तकनीकी सम्मेलन(जी एच टी सी) 2012 सीटीय, यू एस ए

सेबेस्ट्यन एम पी -प्रबंधन एवं सूचना तकनीकी के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, विज्ञान एवं अभ्यन्ता के लिए अरब पत्रिका।

सेनशर्मा आर. वित्तीय विपणन एवं उत्भूत पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। स्थूल अर्थशास्त्र की पत्रिका।

आई आई एस के में सम्मेलन /परिपाटी

चटर्जी डी, धाल एम और कुमार एम (2013)आई आई एम के एच आर सम्मिट, 2012, फरवरी 03-04.

पुरकायस्ता एस नन्दकुमार एम.के और कुमार वी (2012)आपातकालीन भारत के लिए वैश्विक रणनीति पर सम्मेलनन- दिसंबर 28-29.

सम्मेलन/आगामी परिपाटी

गोपीनाथ एस. (2013) एस एम एफ आई वार्षिक सम्मेलन, मई 21-24.

कुमार आर सहयोग संपादक ,प्रतिवाद नमूने एवं पढाने की तरीके पर पत्रिका।, सागा प्रकाशन 12-14.

सूचना तकनीकी

संस्थान द्वारा आई आई एम के उपयोगकर्ता बंधुत्व को सर्वोत्कृष्ठ सूचना प्राद्योगिकी सुविधाओं तथा सेवाओं का प्रावधान करने में अपनी प्रतिबद्धता को निभा रहा है। उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, संगणना सुविधाओं तथा सेवाओं में वर्ष भर में निरंतर सुधार किया जाता है।

परिसर में वर्ष के दौरान पूरा किए नए भवनों को परिसर लैन (एलएएन) के साथ जोडा गया है, तथा अपेक्षित सूचना प्राद्योगिकी अन्तरसंरचना और सुविधाओं सहित सुसज्जित है।हर कक्षा में भर्ति किए बढते छात्र संख्या तथा उनके बढते वाई-फाई सुविधा के कारण कुछ छात्रावास में यह सुविधा लभ्य है।

सेवाओं को बढाने के लिए तथा नेटवर्क भंडार की वृद्धी के लिए नए प्रापणित सेर्वर से संयोग किया है। अनावश्यक एवं एकल बिंदू की अक्षमता को मिटाने के लिए एक अतिरिक्त सेर्वर का प्रयोग किया है, जो अनावश्यक व्यवस्था को मिटाने तथा प्रयोक्ताओं को प्रस्तावित सेवाओं की बढावा पर विश्वसनीयता ला सकें।

वर्ष के दौरान संस्था ने नए वेब साईट का नामोद्दिष्ट, विकसित तथा प्रारंभ किया।

पूर्व ई-मेल ग्राहकों को महसूस किए असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नए ई-मेल का विकसित रूप प्रचालित किया।अब ग्राहकों के लिए नए तथा पुराने ई-मेल तरीके ग्राहकों को प्राप्त है।

कक्षाओं के लिए दृश्य श्रव्य उपकरण के संस्थापन एवं एकीकरण , कोच्ची के हमारे उपग्रह विक्षेपण परिसर से एल ए एन और वाई-फाई के संस्थापन एवं एकीकरण, तथा आई आई एम के परिसर एवं उपग्रह विक्षेपण परिसर के बीच के अन्तर्रसंबंध के बिन्दुवार कार्यन्वयन भी वर्ष के दौरान हुआ है।

वर्ष के दौरान निम्न लिखित कार्य आवश्यकतानुसार बदलाव के साथ विकसित या रूपांतरित किया है।

- संकाय एवं गैर-संकाय सदस्यों के लिए ओनलाईन छुट्टी प्रबंध
- ईपीजीपी प्रवेश एवं वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम ओनलाईन द्वारा प्रयोग करने के लिए आवेदन पत्र
- शिकायत प्रस्तुति ओनलाईन के लिए शिकायत प्रबंधन सोफ्टवेयर
- कोच्ची कैंपस के ई पी जी पी प्रवेश के लिए ओनलाईन आवेदन पत्र
- वार्षिक दीक्षां समारोह के रणनीतिक प्रबंधन फारम में भागीदार होने के लिए ओनलाईन आवेदन पत्र
- पी जी पी और अकादमिक पोर्टल
- संकाय सदस्य क्रिया कार्य रिपोर्टिंग उपकरण
- अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के लिए ओनलाईन आवेदन पत्र
- आई आई एम के पूर्व छात्र विवरण को बनाए रखने के लिए ओनलाईन आवेदन पत्र
- पीजीपी और ईपीजीपी के लिए चुनित बोली अध्ययन
- आई आई एम के में नौकरी के लिए ओनलाईन आवेदन करने की सुविधा।
- ओनलाईन द्वारा भिन्न शुल्क भी भरने की सुविधा किया गया है तथा नेट बैंकिग द्वार क्रेडिट/डेबिट कार्ड का प्रयोग भी किया गया है।
- मुख्य भिन्न संस्थागत कार्य के लिए वेब-साईट

वर्ष के दौरान, दृश्यसम्मेलन सुविधा से युक्त अनेक आई टी सुविधाऐं भी भिन्न शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रयोग करते है।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

पुस्तकालय और सूचन केन्द्र (एलआईसी)

पुस्तकालय ऐर सूचना केन्द्र (एलआईसी) आईआईएमके में (http://intranet.iimk.ac.in/libintra) पुस्तकालय और सचना केन्द्र (एलआईसी) अपने पणधालियों को अपार शिक्षा की संभावनाएं प्रदान करता है। एलआईसी. आईआईएमके के ज्ञान के हब के रूप में परिकल्पित किया गया। है और यह विद्वत रूप से और सथा ही कारपोरेट सूचना के मूख्य केन्द्र के रूप में कार्य करता हे। अतः, पुस्तकालय और सूचना कैन्द्र संस्थान के मुख्य शिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में भूमिका निभाता है। पुस्तकालय और सूचना केन्द्र का उद्देश्य अत्याधुनिक सूचना बैक अप प्रधान करना और संबद्व विधाओं के सभी क्षेत्रों में विश्वस्तरीय संसाधनों और मुल्यवान सूचना सेवाओं के माध्यम से अनुदेशात्मक प्रक्रियाओं तथा शोध की सहायता करना है।

गतवर्षों के दौरान, पुस्तकालय और सूचना केन्द्र ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है ओर आईआईएमकके ने विश्वव्यापी पहचान बनाई है और अपनी बढ़ाई है। डब्ल्यू एच ओ भारत कार्यालय के लिए अंकीय पुस्तकायल विकास केन्द्र (सीडीडीएल) द्वारा विकसित ई लर्निंग फ्लैटफॉर्म (http://www.medomfoguide.net) कयर बोर्ड के लिए इन्फोरमेशन पोर्टल (http://coirbpard.nic.in) दक्षिण एशिया के लिए ग्रीन स्टोन अवलम्ब नेटवर्क (http://greenstonesupport.iimk.ac.in) कुछ ऐसे पुस्तकालय सूचना केन्द्र है जिनका उल्लेख किया जा सकता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा प्रायोजित आईआईएमके का महत्वाकंक्षी अंकीय पुस्तकालय परियोजन (http://iimk.ac.in/gsdl/cgibin/library) ने युनिवर्सिटी आफ बैकाटो न्यूजिलैंड के विश्व विख्यात ग्रीन स्टान से उदाहरण संग्रहण का दर्जा हसील किया है। एक अन्य युगान्तकारी घटन स्मार्ट कार्ड आधारित पंहुच नियंत्रण प्रणाली तथा स्मार्ट जेट आधारित ईयसुरक्षा प्रणालिका शुभारंभ रही है। सेवाओं की स्रखंला मे नवीनतम लीडरशिप कमपास है (http://leadership.iimk.ac.in) जिसका लक्ष्य प्रबंध बधून्ता की ओर अग्रसर होना है। आईआईएमके में एलआईसी एक अंकीय आह्लाद है, दिन में 24 घंटे उपलब्ध होता है और पूरे परिसर में विद्यमान है। यह कटिंग एज प्रोद्योग्की सहित डीजीटल ओडियो, विडियो और प्रिन्ट मीडिया का पूर्ण मिश्रण है। यह एक प्रतिष्ठित ज्ञान केन्द्र है जो संकाय छात्र और शोध विद्वानों के लिए उपल्ब्ध है। इसमें समसामयिक अंकों पर लगभग 2555 सीडी रोम प्रकाशन के अतिरिक्त प्रिन्ट रूप में 29975 से अधिक पुस्तके, 297 से अधिक जर्नल, 30000 से अधिक ई-पुस्तकें 3500 शोध जर्नल की जिल्द खंड, 15000 से अधिक कारपोरेट सुचनाएं और भारत और विदेश से 15500 से अधिक ई-जर्नल उपलब्ध है।

एलआईसी में श्रब्य/दृश्य युनिट मे 254 से अधिक शैक्षणिक विडियों होस्टर की है जिनमें प्रबंध की विधाओं की व्यापक श्रृंखला सम्मिलित है। वीडियों अंकिय पुस्तकालय सम्पूर्ण परिसर में शैक्षणिक विडियो तैयार करता है। कंपनियों. अद्योगों और बाजारों पर राष्ट्रीय और राष्ट्रीय डाटा बेस सहित विद्वतापूर्ण सुचना संबधी अनेक पूर्णपाठ/ग्रंथसूची सीडी. रोम स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (एलएएन) के माध्यम से उपभोक्ताओं को उपलब्ध हे। पुस्तकालय वेब पोर्टल संसाधनों का एकिकृत नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त, अन्तरिक संसाधनों के लिए वेब अधिरित अंतरा पृष्ट के रूप में कार्य करते हुए, पोर्टल सीचनै को अनुकूल साधनों के लिए लिंस भी प्रदान करता

है। आईआईएमके आईआईएम पुस्तकालय संकाय और साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईआईएमके आईआईएम पुस्तकालय संकाय और साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईएमडीईएसटी संकाय (http://paniit.iitd.ac.in/indest/) में सक्रिय सदस्य है। एलआईसी में उपलब्ध दस्तवेज के बराबर वार्षिक स्वरूप लगभग 5 करोड़ है। सीमावर्ती शोध और दिपक्षीय औद्योगिक आर्थिक संबंध को बढ़ाने की दृष्टि से, संकाय के शैक्षिक प्रकाशन और संस्थान के शोधकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है और उन्हों संस्थानिक निधान डीस्पेस @ आईआईएमके (http:// dspace.iimk.ac.in) को सहज पहुंत तक बास्ट किया जाता है। इस शैक्षिक अभिलेखागार का दर्पण ई प्रिन्टस @ आईआईएमके (http://eprints.iimk.ac.in) के रूप में भी प्रकाशित किया जाता है। आईआईएमके यूरोपीय संघ और आशियान देशों में विशेष दस्तावेज केन्द्र भी विकसित कर रहा है।

कोच्ची उपग्रह विक्षेपण परिसर में पुस्तकालय एवं सूचना सेवाऐं

कोच्ची के उपग्रह विक्षेपण परिसर में एक शिल्पगत पुस्तकालय तैयार किया है।आई आई एम के मुख्य परिसर में प्राप्त सभी इलक्ट्रोणिक संसाधन, कोच्ची कैंपस के छात्रों को तथा संकाय सदस्यों को प्राप्त हो सकता है। विश्वप्रसिद्ध खुले स्रोत, सोफ्टवेयर के ओ एच ए द्वारा कोच्ची कैपंस में पुस्तकालय के कंप्यूटरीकरण का निर्माण किया है।

अल लाईन सर्विस

1 ए बी आई/इनफार्म ग्लोबल (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
2 एसीएम डिजीटल लइबेरी (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
3 कारबार स्त्रोत (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
4 कर्मा. कोम
5 पूंजी
6 सी आई आई सदस्यता
7 सी आई पी डी (चार्टर्ड कार्मिक और विकास संस्थान) सदस्यता
8 किरीसिल अनुसंधान
9 डेलनेट सदस्यता
10 एमबरे. कामें
11 इमारल्ड अन्तः (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
12 एलसेवियर विज्ञान (प्रत्यक्ष विज्ञान) (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
13 ई.पी डब्ल्यू आर एफ भारत टाईम श्रंखला टेटा बेस
14 वित्त टाईम्स आन लाईन (एफ टी कमें)
15 जो एम आइ डी
16 आईईईई आन लईन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
17 आई एम एफ ई -पुस्तकालय और आई एम एफ टेटा पुस्तकालय
18 इनडयास्टाट. कामें
19 इनसाईट
20 आई एस आई विकासशील बाजार
21 जेसीसीसी
22 जऐसटीओआर
23 पुस्तकालय प्रेस संप्रदर्शन (समाचार पत्र आन लाइन)
24 बाजारीय आँकड़े
25 एन ए एस एस सी ओ एम सदस्यता
26 एन एच आर डी सदस्यता
27 म्यूस प्रीमियम संग्रह परियोजना (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
28 आधुनिक परियोजनाएं
29 मानस लेख (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
30 सादा एच एस एस क्लेशन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
31 स्प्रिग्रल आन लाइन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
32 संश्लेषण व्याख्या श्रंखला।
33 टेलर और फ्रांसिस आन लाइन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

34 थोमसणओण.कोम निवेश बैनंकिघ सधान
35 वार्क. कामॅ
36 विलें/ब्लेकवेल जर्नल (पूर्ण पृष्ठ जर्नल

सी डी रोम आकड़े

1 कार्पेक्स (सी एम आई इ)
2 वस्उएँ (सी एम आई इ)
3 कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट के आँकड़े (15000 कम्पनी)
4 आर्थिक आसूचना सेवा (सी एम आई इ)
5 क्भारतीय व्यापार (सी एम आई इ)
6 उद्योग विश्लेषण सेवा (सी एम आई इ)
7 एम आर एम आर
8 प्रोवेज़ (सी एम आई इ)

संग्रह विकास सांख्यिकी : 2012-2013

क्रम	संग्रह किये दस्तावेज की प्रकृति	बढ़त मात्रा. (लाखों में)	संचयीमान (संचयीमान)	मात्रा लागत	कुल परिसंपति
1	पुस्तकें, सीडीज़्, सीवीटीज़्	1497	33300	13.88	431.18
2	ई - पुस्तकें	55,000	85,000	2.97	14.79
3	जर्णलें (छपी)	-	265	65.00	619.39
4	काम्पेक्ट डिस्क / वेब पर डाटा संचयबिबिलओग्राफिक एवं फुल टेक्ट्सओनलाइन कोरपोरेट आँकडा संचयमूल्य संवर्धित सेवायें / सूचना द्वार	1	46	65.00	378.77
5	योग्यकर्ताओं के माध्यम से इ-जर्णल	-	16500+	-	-
6	प्रकाशकों से प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण - मूल पाठ इ-जर्णलें	-	2500	65.00	206.10
7	शैक्षणिक वीडियो	12	274	00.14	8.99
8	ज़िल्द बँधे जर्णल	-	3514	-	
				कुल: 211.99	1659.22

परिसंपदा का बढावा (लाखों में): 2012-2013

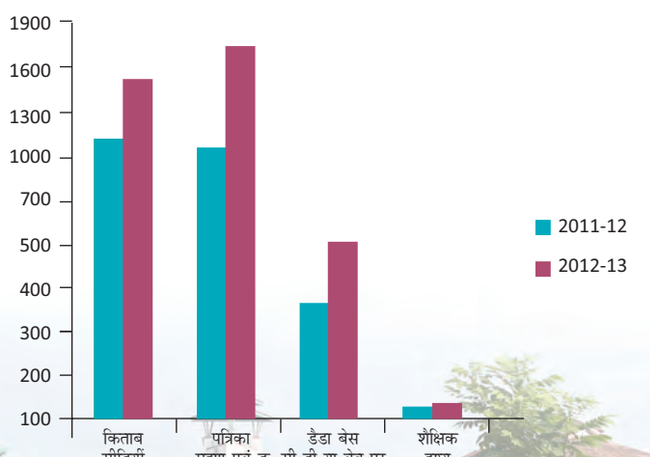

भारतीय व्यावसायिक संग्रहालयॉ आई आई एम के

2010 में संस्था की निदेशक के नेत-त्व तथा अनेक चर्चा,वाद -प्रतिवाद के बाद ही देशीय स्तर के एक व्यावसायिक संग्रहालय के विचार की सृष्टी हुई है।भारतीय व्यवसाय संग्रहालय की परियोजना का अनौपचारिक रूप से 2010 को, निदेशक, जो मुख्य हितैषी है, अन्य अनेक संकाय सदस्य तथा अनेक कार्य समिति के अनेक कर्मचारी सदस्यों के साथ तैयार किया है। प्रस्तुत संग्रहालय के विषयवस्तु को केरल के आदरणीय मुख्यमंत्री श्री. ऊम्मन चाँडी के पूरे मंत्रिमंडल के साथ उपस्थिति होकर 18 अगस्त 2011 को प्रस्तुत किए। भारतीय व्यावसाय संग्रहालय परियोजना को अनौपचारिक रुप से आदरणीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय मंत्री, भारत सरकार ,डॉ. एम एम पल्लम राजू द्वारा 23 मार्च 2013 को उद्घाटन किया।व्यावसायित शिल्प के मजबूत निधान ,ऐतिहासिक लेखन, वाणिज्य संधियाँ,लेखा -विवरण, मुख्य वस्तुओं के निर्माण के अलावा निम्नलिखित वस्तुएं भी निहित है। 1. निगमित भारत निर्माण के भारत के व्यावसायिक नेताओं के देन की पावत्ति, 22 . राज्य में व्यावसायिक उद्यम की पहलू को बढाने तथा नवाचार विचार, उत्क-ष्ठता ,लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम करना आदि द्वारा सफलता की रास्ता उन्हें दिखाता है।चरण 1 के परियोजना सफलता से पूर्ण किया।

भारतीय व्यावसायिक विरासत भाषण श्रेणी @ आई आई एम के

आई आई एम के और कालिकट विरासत फारम के संयोग से 2012 नवंबर में संस्था द्वारा विकास की दूसरी पहलू तैयार किया। कालिकट के उत्कृष्ट नेताओं तथा इतिहासकारों ने इसके सदस्य रहे और प्रो. एम जी एस नारायणन, जो पद्मभूषण विजेतै है, तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष रहे, और फारम के वर्तमान अध्यक्ष है। भूतकालीन वाणिज्य, व्यवसाय एवं उद्योग व्यापार से संबंधित कार्य, अन्य प्रमुख कार्. संग्रहालय द्वारा लक्ष्य पर पहूँचाया है. संग्रहालय की सूत्रपात करनेवाले प्रबंधन समिति, आई आई एम के के संकाय सदस्य, कालिकट विरासत फारम के श्रेष्ट इतिहासकार, द्वारा निर्मित किया गया है. इसमें शामिल हुए दो संकाय सदस्यों ने तथा इस क्षेत्र के उत्कृष्ट कार्यानुभवी लोगों ने ही इसका सूत्रपात किया है ।

परिसर विकास

परिसर के अन्तर्रासंरचनात्मक विकास कार्यक्रम तेजी से जारी है, जो संस्था के प्रतिवारित बढाव के साथ है। इसके अन्तर्रगत पीजीपी कार्यक्रम के लिए छात्रों की वार्षिक प्रवेश का संतुलित बढाव भी है।एम डी पी कॉम्प्लेक्स के परिचालन उसके आन्तरिक संरचना और अनुयोज्य कार्य इस साल में शुरू होंहे। भिन्न कार्यकारी प्रबंध कार्यक्रम में भाग लेने वाले भागीदारों के लिए एम डी पी भवन में शैक्षिक एवं 56 दुगुना आवसीय सुविधा प्राप्त होगए। संस्था द्वारा आयोजित वर्ष के दौरान हमारे परिसर के क्षमता के ऊर्जा से ज्यादा-सा ज्यादा भागीदारों , प्रतिनिधियाँ तथा भिन्नलप्रबंध विकास कार्यक्रम के अतिथियों को स्थान दे सकतो है।

वर्तमान में अतिरिक्त रूप से प्राप्त 15.4 एकड भूमि भी वर्तमान परिसर से जोडा है, जो पर्यावरण अनुयोज्य है जिसका मुख्य रूप की योजना तैयार किया है तथा चरण 5 के परिसर भवन तथा उसके ढाँचे का निर्माण किये जाने वाला है।प्रस्तावित चरण 5 के परिसर के अन्तर्रासंरचनात्मकता विश्वस्तरीय सुविधाऐं प्रदान करने की लक्ष्य से बनाने जाने वाले भविष्य की मुख्य प्रतीक्षा है -ग्रहा- (एकीकृत आवासीय निर्धारण के लिए हरा दर) जो कम मनुष्यनिर्मित ढाँचों से युक्त है, जो दृश के अन्य शैक्षिक संस्थाओं

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

से उच्चतम स्थान पर होंगे।इसके अलावा परिसर में जल वितरण के लिए वर्षजल से संपन्न एक पोंड भी है, साथ में बहु-उपयोगी छात्रावास, कक्षा, संकाय सदस्य कार्यालय, आवासीय एवं बहु उद्देश्य सुविधा के लिए खेल एनं अन्य शैक्षिक एवं सह-वत्तकार्य भी चरण 5 के परिसर अन्तर्रासंरचनात्मकता के प्रस्ताव रखने वाले 35,500 स्क्वयर मीटेरेस का श्रेत्र का आयोजन है।उसी समय पोंड के प्रथम अवस्था का निर्माण पूरा किया है।सडक एवं उसके सीमा दीवार के निर्माण भी मकान निर्माण के साथ करने का योजना किया है।

चित्रमथ सेटिंग्सों में उत्कृष्ठ और अत्याधुनिक अवसंरचनात्मक सुविधाओं को प्रदान करने के अतिरिक्त, परिसर में एक पोषणीय और पर्यावरण-हितैषी जल संग्रहण प्रणाली भी है, जिसमें वर्षाजल संग्रहण के भंडारण की क्षमता वाला दलाशय है। हमें यह बताते हुए अत्थंत गर्व होता है कि हमारा संस्थान देश में ऐसे बहुत कम संस्थाओं को पूरा करके सफलता पूर्वक वर्ष जल संग्रहण को कार्यान्बित किया है। इसके अतिरिक्त, हमने पर्यावरण हितैषी-उपाय, अनेक अन्य उधान सिंचाई के लिए अपचरित अपाशिष्ट जल पुनर्चक्रण और भूमि कटाव नियंत्रण जैव डीग्रेडबल कॉयर जिओ टेकस्टाईल्स को प्रयोग करके परिसर के अंदर सड़क संरक्षण और अन्य तटबंध जैसे अनेक अन्य पर्यावरण-हितैषी उपाय अपनाएँ गए हैं।

इसके अलावा चित्रकार्य और अन्य मरामत एवं उत्कृष्ट निर्माण कार्यक्रम भी मूल्. रिक्त कायम रहने वाले अन्तर्रासंरचनात्मक सुविधा के लिए परिसर विकास कार्यक्रम के रूप में करते है।

संस्था की शैक्षिक कार्यक्रम के विकास के दौरान इनफोसिस परिसर के पास कोच्ची में एक उपग्रह विक्षेपण परिसर भी आई आई एम के ने अगस्त 2012 में तैयार किया है,जो कार्यकारी शैक्षिक कार्यक्रम के अलावा अन्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया है। आई आई एम के के अन्तर्रासंरचनात्मकता से युक्त 12400 स्क्नयर फीट के मकान क्षेत्र में ही यह स्थित है।

वैय्यक्तिक

मार्च 31, 2012 तक नियमित कर्मचारियों की अनुमोदित संख्या निम्न लिखित है।

संकाय सदस्य - 60

कर्मचारी - 65

इस साल में तीन सहयोग संकाय सदस्य को संकाय सदस्य और तीन सहायक संकाय सदस्य को सहयोग संकाय सदस्य के रूप में पदोन्नत किया।

इस साल के समीक्षा के अन्तर्गत आठ पारदर्शी सहयोगी संकाय सदस्य, सहायक संकाय सदस्य के रूप में तथा तीन सहयोगी संकाय सदस्य और तीन सहयोग संकाय सदस्य के रूप में तथा नौ सहायक संकाय सदस्य तथा तीन पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य को भी संस्था ने नियुक्त किया।

साल के दौरान एक पारदर्शी संकाय सदस्य, एक पारदर्शा सहयोग संकाय सदस्य और एक पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य को उनके अवधी पूर्ति के दौरान संस्था से छुटकारा पा लिया।

प्रो. केयूर पुरानी,और डॉ जी श्रीधर ,सहयोगी संकाय सदस्य विपणन क्षेत्र, ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से दौरान जनवरी 2013 के अवधी में एशियायी तकनीकी संस्थान बैंककोक में प्रतिनियुक्ति पायी ।इसकी अवधी 7 जनवरी 201 ३से हुआ है।

असाधारण छुट्टी

डॉ.पी आर बट्ट संकाय सदस्य,27. 07.2010 से 26.07.2012 तक के दो साल के असाधारण छुट्टी के बाद नियुक्त हुए।

डॉ गोपाल चौधरी, सहयोग संकाय सदस्य ने जून 29 2012 के बाद एक साल के अधिक अवधी में भारतीय आयोजन एवं प्रबंध संस्थान कोलकत्ता के संकाय सदस्य एवं डीन के रूप में नियुक्ति होने से असाधारण छुट्टी अनुमोदित किया गया।

डॉ बद्रीनारायणन एस पवार संकाय सदस्य ने एक साल के जुलै 30,2012 से 29 जुलै 2013 तक के असाधारण छुट्टी अनुमोदित किया गया।

वृत्तिका विकास

निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने कार्यशाला /संगोष्ठी और सम्मेलन के लिए उपस्थित होने के लिए नामित किया गया और उनके द्वारा भिन्न सम्मेलन में उनके पत्र भी प्रस्तुत किए धाल,अतिथि सहायक संकाय सदस्य ने प्रबंधन विकास अनुसंधान संस्थापन द्वारा आयोजित एच आर एम पर दूसरे देशीय सम्मेलन पर उपस्थित रहे।

देशीय स्तर

प्रो.मनोरंजन धाल, अतिथि संकाय सदस्य, प्रबंधन विकास अनुसंधान संस्थापन द्वारा आयोजित एच आर एम पर दूसरी देशीय सम्मेलन में उपस्थित रहे। नई दिल्ली अप्रैल 08, 2012, आपने -क्या कर्मचारियों को संघ की जरूरत है- संघ कर्म एवं प्रभाव पर अध्ययन विषय पर पत्रिका भी प्रस्तुत किया।

प्रो. तंकमणी , अतिथि संकाय सदस्य, 1 बी एस हाईदराबाद द्वारा मई 10-11,2012 हाईदराबाद में आयोजित विपणन एवं व्यावसायिक रणनीति पर हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे।आपने -विश्लेषणात्मक उपक्रम प्रक्रिया प्रयोग के तकनीकी चुनाव रूपरेखा -एक मामला अध्ययन -और टी ओ सी विचार प्रक्रिया प्रयोग द्वारा नए उत्पादन विकास निष्पादन प्रगति -विषय को प्रस्तुत किया।

प्रो. कृष्णा के लाढा. संकाय सदस्य ने -भारत के रणनीतिक प्रबंधन के वार्षिक परिपाटी -जो मई 03-05. 2012, को आई आई एम इन्दोर में हुआ था, में उपस्थित रहे।

प्रो. लक्ष्मी एस लाढा, अतिथि संकाय सदस्य ने भारत के रणनीतिक प्रबंधन के वार्षिक परिपाटी -जो मई 03-05. 2012, को आई आई एम इन्दोर में हुआ था, में उपस्थित रहे।

प्रो. सजी गोपिनाथन, संकाय सदस्य, भारतीय रणनीतिक प्रबंधन फारम द्वार आयोजित -एस एफ एम आई वार्षिक सम्मेलन में - उपस्थित रहे।आई आई एम इन्दोर मई 03-05, 2012।

प्रो. मुहम्मद शाहिद अब्दुल्ला, सहायक संकाय सदस्य ने भारतीय अभिकलन समाज द्वारा जुलै 27-28, 2012 बैंगलूर, भारत में आयोजित -क्लौड कंप्यूटिंग ए सी सी -2012 अग्रिम -विषय पर चलाए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ आपने एम सी एस जैसे बहु मुख्य रीति एवं सहयोगी अनन्य क्षमता -शीर्षक विषय प्रस्तुत किया, तथा जब अतिव्याप्ति संपदा के मामले के लिए बहु मानदंड के प्रयोग से क्लौड आधरित, ई - वाणिज्य अभ्यन्ता के बीच की प्रसिद्ध योजना कार्यक्रम।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

प्रो. अनंदिता पोल, सहायक संकाय सदस्य ने टाटा के समाज वैज्ञानिक संस्था द्वारा आयोजित -तकनीकी नवाचार एवं सामाजिक बदलाव -विषय पर अगस्त 16-18, 2012 मुंबाई में हुए देशीय सम्मेलन में उपस्तित रहे, जहाँ आपने –भारतीय नारी की सूचना अन्वेषण व्यवहार में आई सी टी की भूमिका–शीर्षक की पत्रिका प्रस्तुत किया।

प्रो. महेष भावे, अतिथि संकाय सदस्य, प्रतियोगी मकान द्वारा नवीकरण किए जाने वाले ऊर्ज संरक्षण/चुनौतियाँ और आगे के रास्ते- -विषय पर हुए गोलमेज चर्चा में भाग लिए, जो सितंबर 11, 2012 में प्रयास ऊर्जा दल द्वारा भारतूय आवास केन्द्र नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया है।

प्रो. जी वेंकिट रामन, सहायक संकाय सदस्य ने -चाईना में आई सी डब्ल्यू सम्मेलन-में उपस्थित रहे, जो विश्व कार्य के भारतीय परिषद द्वारा अक्तूबर 8-9, 2012 नई दिल्ली में आयोजित किया गया।वहाँ आपने ह्यू वेन युग के राजनूतिक आर्थिक स्थिति –आर्थिकता से सामाजिक शासन तक की यात्रा–शीर्षक पत्र प्रस्तुत किए।

प्रो. ओमकुमार कृष्णन , सहयोगी संकाय सदस्य ने –तीसरी एस आर आई के परिमाणात्मक वार्षिक शोध संगोष्ठी –में भाग लिए, जो भारत के विपणी अनुसंधान समाज द्वारा 12 अक्तूबर 2012, बैंगलूर में आयोजित किया है।

प्रो. दीपी सेठी अतिथि संकाय सदस्य, ने –समकालीन व्यापार पर ६वीम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन–में उपस्थित रहे, जो भारतीय तकनीकी संस्थान दिल्ली एवं कर्टिन विश्वविद्यालय द्वारा अक्तूबर 18-20, 2012 दिल्ली में आयोजित किया, जहाँ आपने -भारत में द्वीभाषी विज्ञान/सिफारिश की पृष्ठभूमि पर साहित्यिक समीक्षा–शीर्षक पत्रिका भी प्रस्तुत किया।

प्रो. सप्तर्षी पुरकायस्ता, सहयोग संकाय सदस्य ने समकालीन व्यापार पर 6 वी. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जो भारतीय तकनीकी संस्थान दिल्ली एवं कर्टिन विश्वविद्यालय द्वारा अक्तूबर 18-20, 2012 दिल्ली में आयोजित किया, जहाँ आपने भिन्न निष्पादन संबंध पर स्थूल आर्थिक पर्यावरण का प्रभाव–विषय को प्रस्तुत किया।

प्रो. सुरम बालसुब्रह्मण्यम, अतिथि संकाय सदस्य ने भारतीय तकनीकी संस्थान दिल्ली एवं कर्टिन विश्वविद्यालय द्वारा अक्तूबर 18-20, 2012, दिल्ली में आयोजित ६वीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ आपने ०क्षमतावान के नए व्यवसाय नवाचार नमूने की ओर जाने के लिए रणनीतिक योजना० शीर्ष पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. अनंदिता पोल सहायक संकाय सदस्य ने “सूचना एवं तकनीकी विनिमय पर दूसरे विश्व काँग्रेस (डब्ल्यू आई सी टी 2012)” सम्मेलन में मेशीन आसूचना अनुसंधान लेब एवं भारतीय सूचना और प्रबंधन संस्था, केरल द्वारा अक्तूबर 30 -नवंबर 02, 2012 तिरुवन्तपुरम, केरला में उपस्थित रहे, जहाँ आपने बहुप्रायोगिक कर्तव्य निष्पादन मापन का अनुभव० शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. जी वेंकटरामन सहायक संकाय सदस्य ने “चाईना (सी ओ सी 2012)” विषय पर चलाया गया अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया, जो महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, और ऐशियायी विद्वजनों की संघटना, दिल्ली आई सी डब्ल्यू ए, चाईनीस अध्ययन संस्था, नई दिल्ली आदि संस्था के संयुक्त आयोजन द्वारा नवंबर 01-03 2012 मे हुआ।

प्रो. सुदर्शन कुन्टर्लू सहयोगी संकाय सदस्य ने “वित्तीय एवं लेखा मामलों के लिए मामला रचना कार्यशाला” सम्मेलन में उपस्थित रहे, जो भारतीय व्यावसायिक स्कूल की सहयोग द्वारा पश्चिम ओंटोरिया, विश्वविद्यालय कैनडा, नवंबर 02-03, 2012 आई एस बी कैंपस हाईदराबाद में आयोजित हुआ है।

प्रो. कौशिक गंगोपाध्याय सहायक संकाय़ सदस्य ने “आर्थिक -भौतिकता कोलकत्ता 7 -अभ्यन्ता आधारित नमूने की आर्थिक भौतिक शास्त्र” विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे,जो आणविक भौतिकता के साहा संस्था द्वारा नवंबर 08-12,2012 कोल्कत्ता में आयोजित है, तथा आपने सम्मेलन से संबंधित विषय –आर्थिक भौतिकशास्त्र के अभ्यन्ता आधारित नमूने - में भाषण भी दिया।

प्रो. कौशिक गुहतकुर्ता, अतिथि संकाय सदस्य ने “आर्थिक -भौतिकता कोलकत्ता 7 -अभ्यन्ता आधारित नमूने की आर्थिक भौतिक शास्त्र” विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे,जो आणविक भौतिकता के साहा संस्था द्वारा नवंबर 08-12, 2012 कोल्कत्ता में आयोजित है।

प्रो. संजय झरकारिया सहयोग संकाय सदस्य ने -सूचना तकनीकी एवं व्यवसाय आसूचना (आई टी बी 1-12) पर 4 वीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन- जो प्रबंधन तकनीकी नागपूर द्वारा नवंबर 23-25, 2012, भुवनेश्वर, ओडिषा, में आयोजित किया है, जहाँ- आपूर्ति ऋखला प्रबंधन में आई टी प्रयोग/समस्या की समीक्षा-शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. एम पी सेबास्ट्यन, संकाय सदस्य ने 1 भारत में कार्यशाला प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण -पर -एस ए पी एच एन ए -जो एस ए पी एच एन ए जी द्वारा, नवंबर 27-28, 2012 साप लैब,बैंगलूर में आयोजित है।

प्रो. जी आनन्द, सहायक संकाय, ने 1 भारत में कार्यशाला प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण -पर -एस ए पी एच एन ए -जो एस ए पी एच एन ए जी द्वारा, नवंबर 27-28, 2012 साप लैब,बैंगलूर में आयोजित है।

प्रो. मुहम्मद शाहिद अब्दुल्ला, सहायक संकाय सदस्य ने भारत में कार्यशाला प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण -पर -एस ए पी एच एन ए -जो एस ए पी एच एन ए जी द्वारा, नवंबर 27-28, 2012 साप लैब,बैंगलूर में आयोजित है।

प्रो. स्थानु आर नायर, सहायक संकाय सदस्य -विकास सफलता एवं चुनौतियाँ, अर्थशास्त्र, सामाजिक एवं धारणीय प्रगति प्राप्ति - पर देशीय सम्मेलन, जो इंदिरागाँधी विकास अनुसंधान संस्था, दिसंबंर 01-03, 2012, मुंबाई।

प्रो. मनीष कुमार, अतिथि संकाय सदस्य ने -मनोविज्ञान के देशीय शैक्षिक संस्था के 22 वीं वार्षिक परिपाढी-मनोवैज्ञानिक देशीय अकादमी द्वारा दिसंबर 10-12, 2012 बैंगलूर में आयोजित किया, जहाँ आपने –संस्थागत नागरिक व्यवहार एवं आवर्त लक्ष्य के बीच चलन, बंध और स्वास्थ्य जैसे स्पष्ट संबंध-शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. सूर्यप्रकाश पति,अतिथि संकाय सदस्य ने -मनोविज्ञान के देशीय शैक्षिक संस्था के २२वीं वार्षिक परिपाढी-मनोवैज्ञानिक देशीय अकादमी द्वारा दिसंबर 10-12, 2012 बैंगलूर में आयोजित किया, जहाँ आपने -आध्यात्मिकता के संकलनात्मकता- शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. कृष्णा के लाढा,संकाय सदस्य ने -खेल सिद्धान्त एवं प्रबंधन प्रयोग– विषय के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जो लोकतांत्रिक उद्यम संस्था, भारतीय साँख्यकीय संस्था,हाईदराबाद सी आर रोय गणित अग्रिम संस्था, साँख्यकीय और कंप्यूटर विज्ञान एवं अर्थशास्त्र तथा वित्तीय संस्था, लंदन द्वारा दिसंबर 17-18, 2012, हाईदराबाद में आयोजित किया है।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

प्रो. लक्ष्मी एस लाढा, अतिथि संकाय सदस्य ने -खेल सिद्धान्त एवं प्रबंधन प्रयोग– विषय के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जो लोकतांत्रिक उद्यम संस्था , भारतीय साँख्यकीय संस्था,हाईदराबाद सी आर रोय गणित अग्रिम संस्था, साँख्यकीय और कंप्यूटर विज्ञान एवं अर्थशास्त्र तथा वित्तीय संस्था, लंदन द्वारा दिसंबर 17-18, 2012, हाईदराबाद में आयोजित किया है।

प्रो. कुलभूषण बलूनी, संकाय सदस्य ने -लोकतंत्र विकेन्द्रीकरण – पर चलाए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे।केरल संस्था के स्थानीय प्रशासन तृश्शूर (के आई एल ए) तथा आर वी 10 -भागीदारी, संस्थागत लोकतंत्र एवं स्व प्रबंधन-विषय के अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक सहयोग द्वारा दिसंबर 20-23, 2012 के आई एल ए परिसर, तृश्शूर, केरल, भारत में आयोजित किया, जहाँ आपने -पूर्व विकेन्द्रीकृत युग के उच्च सिंचाई योजना,-शीर्षक पत्र, विनीता मेनोन, एवं शिल्पा एम अशोकन के सहयोग के साथ प्रस्तुत किया।

प्रो. एस वेंकिटरामनिया, सहयोग संकाय सदस्य -एस ओ एम 2012 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन - में उपस्थित रहे, जो प्रचालन प्रबंधन समाज द्वारा दिसंबंर 21-22, 2012, आई आई टी दिल्ली में आयोजित किया है, तथा आपने - काम बल अध्ययन एवं उत्पादन उपज के साथ माँग में प्रबंधन की रैंप - अप-शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. जोशी जोसफ,सहायक संकाय सदस्य ने -६वींमहा सागर एन ए एस एम ई ई विपणी सम्मेलन- उपस्थित रहे, जो ग्रेट लेक्स प्रबंधन संस्थान द्वारा दिसंबंर 29-30, 2012, चेन्नाई द्वारा आयोजित है, जहाँ आपने –मैं से हम तक /विपणन में बढने वाली बहु अधिकार पत्रिका की मामला–एवं –क्या वे अच्छी तकह संयोजन कर सकते है – मुद्रण विज्ञापन में लिप्यन्तरण प्रकटीकरण–जैसे दो पत्रों को प्रस्तुत किया।

प्रो. सुदर्शन कुन्टर्रलू , सहयोग संकाय सदस्य ने -प्रबंध पर दसवीं ए आई एम एस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन -पर उपस्थित रहे। भारतीय सहयोग प्रबंधन अध्ययन द्वारा, जनवरी 06-09, 2013 आई आई एम बैंगलूर में आपने –वित्तीय पत्र /मापन एवं रिपोर्टिंग में चुनौतियाँ-शीर्षक पत्र प्रस्तुत किए।

प्रो. एम पी सेबेस्ट्यन, संकाय सदस्य ने –कला और शिल्प के चर्चा नेतृत्व संगोष्ठी–में उपस्थित रहे, जो भारतीय अनुसंधान समाज के मामला के संयोजन से हार्वार्ड व्यवसाय प्रकाशन द्वारा जनवरी 06-08, 2013, आई आई एम बैंगलूर में आयोजित किया है।

प्रो. अनंदिता पोल सहायक संकाय सदस्य,ने –कला और शिल्प के चर्चा नेतृत्व संगोष्ठी–में उपस्थित रहे, जो भारतीय अनुसंधान समाज के मामला के संयोजन से हार्वार्ड व्यवसाय प्रकाशन द्वारा जनवरी 06-08, 2013, आई आई एम बैंगलूर में आयोजित किया है।

प्रो. मुहम्मद शाहिद अब्दुल्ला, सहायक संकाय सदस्य,ने –कला और शिल्प के चर्चा नेतृत्व संगोष्ठी–में उपस्थित रहे, जो भारतीय अनुसंधान समाज के मामला के संयोजन से हार्वार्ड व्यवसाय प्रकाशन द्वारा जनवरी 06-08, 2013, आई आई एम बैंगलूर में आयोजित किया है।

प्रो. अनंदिता पोल सहायक संकाय सदस्य, ने - तकनीकी नवाचार एवं सामाजिक बदलाव - विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जो सामाजिक विज्ञान की टाटा संस्था, मुंबाई द्वारा जनवरी 22-24, 2013 मुंबाई, भारत में आयोजित है, जहाँ आपने भारतीय नारी की दैनिक जीवन में आई सी टी की भूमिका -शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. के के रमेश, अतिथि संकाय सदस्य ने, आई सी ए आई , ऊटी में जनवरी 18-20, 2013 को आयोजित -ज्ञानोत्सवम्- संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

प्रो. स्थानू आर नायर, सहयोग संकाय सदस्य एवं प्रो. लीना मेरी ईप्पन, सहायक संकाय सदस्य ने आई आई एम कोलकत्ता द्वारा फरवरी 07-09, 2013, कोलकत्ता में आयोजित –सार्नजनिक नियम एवं प्रबंधन में समकालीन चर्चा-विषय पर हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे।दोनो ने सहयोग रूप से –कृषि निष्पादन एवं भारत में बढते खाद्य दाम -शीर्षक पत्र भी सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

प्रो. एम पी सेबास्ट्यन, संकाय सदस्य ने बैंगलूर में फरवरी 15-16, 2013 में आयोजित –विप्रो एर्थियन 2012-13 पुरस्कार कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस दल में तीन पी जी पी छात्रों ने , मि. विकास राय अरोरा,मि. रूपेष कुमार वर्मी, मि. रवी राकेष आदि के प्रतिनिधी के रूप में प्रो. एम पी सेबास्ट्यन ने –ग्रीन कंप्यूटिंग में भारत कहाँ तक पहूँचा।-शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. जी वेंकटरामन, सहायक संकाय सदस्य ने समकालीन चीनी अध्ययन के चेन्नाई केन्द्र द्वारा 02 मार्च 2013 में चेन्नाई में आयोजित

–चाईना में बदलते नेतागिरी –विषय पर चलाए देशीय सम्मेलन में उपस्थित हुए, जहाँ आपने –चाईना देश के घरेलू आर्थिकता पर बदलते नेतागिरी का प्रभाव-शीर्षक पत्र प्रस्तुत किए।

अन्तर्राष्ट्रय सम्मेलन/संदर्शन

प्रो. सप्तर्षी पुरकायस्ता, अतिथि संकाय सदस्य ने सिड्नी, विसिनेस स्कूल विश्वविद्यालय एवं फोक्स स्कूल ओफ विसिनेस टेंबिल विश्वविद्यालय, यू एस ए द्वारा अप्रैल 11-12, 2012 सिड्नी में आयोजित –भारत की प्रभावन क्षमता/वैश्विक प्रतियोगिता के लिए रणनीति –विषय पर चलाए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने –विविधता –निष्पादन संबंध एवं स्थूल अर्थशास्त्र पर्यावरण/ भारत से सबूत-विषय पर पत्रिका भी प्रस्तुत किए।

प्रो. सी राजू , सहयोग संकाय सदस्य ने प्रचालन अनुसंधान एवं साँख्यकीय पर दूसरी वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में –उपस्थित रहे, जो वैश्विक विज्ञान एवं सकनीकी फारम सिंगपूर द्वारा मई 07-08, 2012, बाली इंदोनेशिया में आयोजित है, जहाँ आपने –खेप गुण संरक्षण के नीचे आने वाले डाड्ज रोमिंग के दुगुना प्रतिचलन नमूने पर जाँच–शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. अंजन कुमार स्वाईन सहयोग संकाय सदस्य ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंधन अनुसंधान अकादमी (आई एम आर ए) द्वारा मई 17-18, 2012 लंदन संघ राष्ट्र में आयोजित -आई एम आर ए 2012, आपातकालीन विपणी एवं प्रबंधन सम्मेलन के नए गतिशीलता –विषय के सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ आपने –अनुसूचना के लिए संज्ञेय व्यावसायिक आसूचना प्रणाली-शीर्षक पत्र एवं संकर क्रांति कंप्यूटेशन एवं मोटी.कार्टो अनुकरण प्रणाली के प्रयोग से अमरिका विकल्प दाम -शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किए।

प्रों कुलभूषण बलूनी, संकाय सदस्य ने प्राकृतिक संसाधन एवं प्राणविज्ञान, वियन्ना ओस्त्रिया द्वारा मई-22-25, 2012अलफाच,टायरोल/ ओस्त्रिया में आयोजित–लोगों के लिए वन- अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव एवं भविष्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका–विषयी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जो अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में अतिरिक्त प्रकाशन की पृष्ठभूमि में संकाय सदस्यों को प्रोत्साहन योजना से प्राप्त है।आपने –बंगलादेश और श्रीलंका में भूमि के प्रयोग एवं किस प्रकार समाज विज्ञान, सामाजिक तौर से अतिविन्यस्त वन भूधृति के बदलाव- -शीर्षक पत्र पत्र प्रस्तुत किया।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

प्रो. राहुल कुमार सेठ, अतिथि संकाय सदस्य ने प्रचालन अनुसंधान एवं प्रबंधन विज्ञान संस्थान द्वारा जून 07-09 , 2012, वोस्टण, यू एस ए में, आयोजित–34 वींइन्फोम्स विपणन विज्ञान सम्मेलन–विषय में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ आपने –गट्ठा का अभिकल्प/अपने औचारों को चुनो, शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. सप्तर्षी पुर्कायस्ता अतिथि संकाय सदस्य ने बार्सिलोना जी एस ई ग्रीष्मकालीन स्कूल में जून 25-29, 2012 को –नामक डैटा रेखीय विश्लेषण–विषयक कार्यशाला में उपस्थित रहे।

प्रो. एम पी सेबास्ट्यन संकाय सदस्य ने –एस ए पी अकादमी सम्मेलन, एशिया पेसफिक जापान 2012 –विषय में साप विश्वविद्यालय, अलैन्स द्वारा जुलै 03-07, 2012, हांगकोंग, चाईना में आयोजित इस सम्मेलन में उपस्थित रहे जहाँ आपने ाट्ठा का अभिकल्प/अपने औचारों को चुनो, शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो.देबब्रता चाटर्जी, सहयोग संकाय सदस्य ने यूरोपीय दल के संगठन अध्ययन, हेल सिन्की, स्पेईन द्वारा जुले 04-07, 2012 हेल सिन्की में आयोजित --2012 ई जी ओ एस सभा–विषय के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने विश्वविद्यालय आईसोमोर्फिसम, पशिमी विज्ञान एवं स्थानीय ज्ञान प्रणाली के विवरण की वैश्वीकरण- शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एस राजेष एस उपाध्यायुला, सहायक संकाय सदस्य ने शिक्षा मदद की उन्नति की परिषद द्वारा आयोजित अगस्त 03-08, 2012 बोस्टन , यी एस ए में –अनौपचारिक अर्थशास्त्र -विषयक अर्थशास्त्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे।

प्रो नवीन सी अब्ली अतिथि संकाय सदस्य ने सिंहपूर में हुए -इलक्ट्रोणिक व्यापार पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन–में उपस्थित रहे, जहाँ आपने –मूल्य प्रस्तावना एवं ओनलाईन सौदा में सामाजिक सबूत/ग्रूपओन.कोम के विविरणात्मक अध्ययन–शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. जोशी जोसेफ संकाय सदस्य ने नन्यांक तकनीकी विश्विद्यालय , सिंगपूर में चलाए –पूर्व छात्र संबंध में एशिया पेसफिक संस्था (ए पी आई ए आर)-2012- परिपाठी में उपस्थित रहे।

प्रो.जी. वेंकिटरामन, अतिथि संकाय सदस्य ने न्यूजिलेंट समकालीन चाईना अनुसंधान केन्द्र एवं प्रशासन स्कूल के पेकिंग विश्वविद्यालय, अगस्त 13-15, 2012 वेल्लिंगटन न्यूजिलेंट द्वारा आयोजित - आधुनिक अर्थशास्त्र विकास एवं एस टी के चाईनीस नमूना ,सिद्धान्त एवं चर्चा-विषय पर हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने वहाँ –चाईना में सामाजिक प्रबंधन के प्रशासन एवं चुनौतियाँ शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किया।

प्रो. सजी गोपिनाथ , संकाय सदस्य ने अकादमी बिसिनेस अनुसंधान द्वारा सितंबर 10-12, 2012, अटलैंटिक शहर, न्यू जर्सी में आयोजित -अकादमी बिसिनेस अनुसंधान सम्मेलन में - उपस्थित रहे, जहाँ आपने -मानवीय आपूर्ति ऋखला के प्रभाव प्राप्ति के लिए जोखिम आधारित सामग्री की योजना नमूना –शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. संजय झरकारिया, सहयोग संकाय सदस्य ने अकादमी बिसिनेस अनुसंधान द्वारा सितंबर 10-12, 2012 , अटलैंटिक शहर, न्यू जर्सी में आयोजित -अकादमी बिसिनेस अनुसंधान सम्मेलन में - उपस्थित रहे, जहाँ आपने पर्यावरण आपूर्ति ऋृखला प्रबंधन के अवरोध का विश्लेषण– शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. नन्दकुमार एम के सहायक संकाय सदस्य ने ब्रिटीश प्रबंधन अकादमी द्वारा सितंबर 11-13, 2012 कार्डिफ विश्वविद्यालय, यू के में आयोजित -ब्रिटीश अकादमी के प्रबंधन सम्मेलन 2012-पर उपस्थित रहे, जहाँ आपने रणनीति योजना एवं निष्पादन ढाँचा के संयत प्रभाव–शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

मिस. अंकिता ठंठन - एफ पी एंम छात्रा ने (01/01/0 ने तीसरी क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र , बर्मिंगहाम विश्वविद्यालय द्वारा सितंबर 13-14 , 2012 बर्मिंगहाम यूके द्वारा आयोजित- चौथा अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक नवाचार अनुसंधान सम्मेलन -में अपनी पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. कुलभूषण बलूनी, संकाय सदस्य ने शहरी वन एवं क्रोएशियन वन अनुसंधान संस्था में आई यू एफ आर औ अनुसंधान दल द्वारा सितंबर 27-28, 2012, जेग्रेब, क्रोएशिया में आयोजित –वन शहरों के लिए, वन लोगों के लिए, शहरी वन शासन परिप्रेक्ष्य पर - उपस्थित रहे, जहाँ आपने –क्या व्यावसायिक दल अन्तर्राष्ट्रीकरण निष्पादन संबंध पर अलग-अलग तरीके के प्रभाव डालते है- भारत से सबूत–शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. अनुपम दास, अतिथि संकाय सदस्य ने -इंटरनेट शोधकर्ताओं के सहयोग द्वारा अक्तूबर 18-21, 2012 ग्रेटर मांचस्टर , यू के में आयोजित -इंटरनेट शोधकर्ताओं के सहयोग सम्मेलन -2012 -में उपस्थित रहे।आपने -फेस बुक एवं ओरकुट पर प्रबंधन प्रभाव / ब्रसील एवं भारतीय संस्कृति के सूक्ष्म अध्ययन-शीर्षक पत्र भी प्रस्तुत किए।

प्रो. सप्तर्षी पुरकायस्ता, अतिथि संकाय सदस्य ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय अकादमी , दक्षिण पूर्व यू एस ए द्वारा अक्तूबर 31-नवंबर 02, 2012 फ्लोरिडा यू एस ए में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय अकादमी सम्मेलन -विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे,जहाँ आपने -क्या व्यावसायिक दल अन्तर्राष्ट्रीकरण निष्पादन संबंध पर अलग - अलग तरीके के प्रभाव डालते है-भारत से सबूत शीर्षक पत्र को प्रस्तुत किया।

प्रो. सजी गोपीनाथ , संकाय सदस्य ने निर्णय विज्ञान संस्था द्वारा नवंबर 17-20 , 2012 सान फ्रान्सिसको यू एस ए में आयोजित - डी एस आई वार्षिक सम्मेलन (प्रचालन क्षेत्र मं ए स्तर) में उपस्थित रहे।

प्रो. ओमकुमार कृष्णन , सहयोग संकाय सदस्य ने कार्डिफ मेट्रोपोलिटन विश्वविद्यालय, कार्डिफ यू के द्वारा सितंबंर ०५-07,2012, कार्डिफ में आयोजित -गंतव्य मुद्रापन एवं विपणन -विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ आपने -गंतव्य मुद्रापन में छाया निर्माण अभिकर्ता की भूमिका -शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

मि. कृष्णदास एन, एफ पी एम छात्र (एफपी एम/02/02/आई टी) ने दिसंबर 16-19, 2012 ओरलैंटो फ्लोरिडा में हुए सूचना प्रणाली विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, जहाँ प्रो. राधाकृष्णपिल्लै के सहयोग से -ग्रीन आई टी सूत्रपात क्षमता की धारणीयता का नमूना-शीर्षक पर पत्र भी प्रस्तुत किया।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

प्रो, रूपेष कुमार पति, सहयोग संकाय सदस्य और मिस . सुस्मिता ए नारायणन, एफ पी एम छात्रा (एफ पी एम 01/06/क्यू) ने दिसंबर 05-07, 2012 पेर्थ, ओस्त्रेलिया में आयोजित २६वीं ए एम जेड ए एम सम्मेलन में उपस्थित रहे।दोनों मिलकर प्रणालीगत दृष्तिकोण शूर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. अथानु अधिकारी, सहायक संकाय सदस्य ने आई एन एस ई ई सी विसिनेस स्कूल, फ्रांस के द्वारा जनवरी 28 से फरवरी 02, 2013 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय बिसिनेस संगोष्ठी में उपस्थित रहे, जहाँ आपने - भारतीय विपणी के भिन्न पहलू विषय में भाषण भी दिया गया।

प्रो. अंजन कुमार स्वाईन , सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल , बोस्टन द्वारा जनवरी 07-10 में आयोजित - वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन- मामला लिखावट कार्यशाला के बोस्टन मापांकन विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे।

प्रो. देबब्रता चाटर्जी सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल , बोस्टन द्वारा जनवरी 07-10 में आयोजित - वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन- मामला लिखावट कार्यशाला के बोस्टन मापांकन विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे।

प्रो.आनंदक्कुटन बी उण्णिथान सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल , बोस्टन द्वारा जनवरी 07-10 में आयोजित - वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन- मामला लिखावट कार्यशाला के बोस्टन मापांकन विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे।

प्रो. सनल कुमार वेलायुधन , संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल, बोस्टन द्वारा मार्च 18-21, 2013 शानहाय चाईना में आयोजित - वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन- मामला लिखावट कार्यशाला के शानहाय मापांकन विषयक सम्मेलन में उपस्थित रहे।

प्रो. संजय झरकारिया संकाय सदस्य ने पश्चिम पूर्व संस्था द्वारा मार्च 21-23, 2013, ओरलेंटो, यू एस ए में आयोजित डब्ल्यू ई आई अन्तर्राष्ट्रीय अकादनी सम्मेलन- में उपस्थित रहा, जहाँ आपने ई - व्यवसाय प्रचालन में प्रचालन रणनीति- शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. सी राजू सहयोग संकाय सदस्य ने इन्का अन्तर्राष्ट्रीय संस्था , कुवाईत में फरवरी 05-06, 2012 को कुवाईत में आयोजित अध्ययन क्षमता एवं आई आई एम के के मेजबान के स्थानीय स्थाईगत ई-पी जी पी एवं एम डी पी कार्यक्रम में भेंट किया।

एच बी एस वृत्तिक विकास कार्यक्रम (अन्तर्राष्ट्रीय)

प्रो. सनल कुमार वेलायुधन , संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल अमरिका राज्य संघ द्वारा जुलै 22-28, 2012 यू एस ए की -वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन-(प्रथम सत्र)-कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रो. अंजन कुमार स्वाईन सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल अमरिका राज्य संघ द्वारा जुलै 22-28, 2012 यू एस ए की -वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन-(प्रथम सत्र)-कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रो, देबब्रता चाटर्जी सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल अमरिका राज्य संघ द्वारा जुलै 22-28, 2012 यू एस ए की -वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन-(प्रथम सत्र)-कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रों आनंदक्कुटन बी उण्णिथान सहयोग संकाय सदस्य ने हारवार्ड विसिनेस स्कूल अमरिका राज्य संघ द्वारा जुलै 22-28, 2012 यू एस ए की -वैश्विक सभा पर भागीदारी केन्द्रित अध्ययन-(प्रथम सत्र)-कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बाहरी भाषण/बातचीत(अन्तर्राष्ट्रीय)

प्रो. अथानु अधिकारी , अतिथि सहायक संकाय सदस्य, ने अप्रैल 02-15, 2012 , में बोर्डेक्स फ्रान्स द्वारा बी इ एम अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंधन स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित भारत के 24 घंटे पर विपणन विषय में प्रभाषण दिया।

प्रो. राहुल कुमार सेठ सहायक संकाय. सदस्य ने नवंबर 20, 2012 से दिसंबर 26, 2012 तक , प्रबंधन तकनीकी संस्था दुबाई के अनुरोध पर व्यावसायिक अनुसंधान प्रणाली विषय में अध्ययन का आयोजन किया।

अनुसंधान

प्रो. रूपेष कुमार पति , सहयोग संकाय सदस्य ने -भागीदारी विकास सीड अनुदान (पी डी एस जी) 2012-13 -विषय पर अनुसंधान कार्य आयोजित किया जो नवंबर 20, 2012 से दिसंबर 26, 2012 तक शास्त्री इन्दो -कनेडियन संस्था के एच ई सी मोन्ट्रेल द्वारा पुरस्कृत है।

प्रो. कुलभूषण बलूनी संकाय सदस्य ने वन एवं पर्यावरण विज्ञान संस्था, चित्तगोंग, बंग्लादेश के आमंत्रण से नवंबर 26,2012 से दिसंबर 01, 2012 में बंदरबन जिला के मामला अध्ययन क्षेत्र जैसे चित्तगोंग ,बंग्लादेश में एक शोध संदर्शन आयोजित किया।

नए नियुक्ति

निम्न लिखित नए कर्मचारियों ने 2012-13 वर्ष में संस्था में नियुक्त हुआ।

क्रम सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	राजेष एम.पी.	चालक सह कार्यालय स्टाफ	30.05.2012
2	दलहत ई.के.	चालक सह कार्यालय स्टाफ	05.06.2012
3	अशोकन पी.टी .	कनिष्ठ सहायक	22.06.2012
4	बिजू पी.	कनिष्ठ सहायक	04.07.2012
5	किशोर कुमार टी. के.	कनिष्ठ अभ्यंता (इलक्ट्रिकल)	06.07.2012
6	शीना वी. आर.	सहायक	10.09.2012
7	मुहम्मद अशरफ ए. आर.	प्रबंधक एम डी पी	30.10.2012
8	षिजू एन. के.	तकनीकी सहायक (वेब प्रायोगिकता)	17.12.2012
9	कविता के. पी.	कनिष्ठ सहायक	15.02.2013
10	बिनोय पी.	कनिष्ठ प्रबंधक-ई पी जी पी	18.02.2013
11	सनल कुमार जी.	लेखा अधिकारी	28.02.2013

सेवा निवृत्ति

निम्न लिखित कर्मचारियों ने 2012-13 वर्ष में संस्था से सेवानिवृत्त हुआ।

क्रम सं.	नाम	पद	तिथि
1	केशवन नायर पी.	सहायक प्रशासन अधिकारी	31.05.2012
2	टी. रामकृष्णन	लेखा अधिकारी	30.06.2012

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

पदोन्नति

निम्न लिखित कर्मचारियों को 2012-13 साल में पदोन्नति के साथ नियुक्ति मिली। (State up to 31.03.2013)

क्रम सं	नाम	पदोन्नति से	के रूप में	भर्ति की तिथि
1	एन. रामचंद्रन	कार्यकारी	प्रणाली विश्लेषक	02.05.2012
2	अनिल कुमार पतियत	सहायक अभ्यंता	प्रबंधक (अन्तर्संरचना)	02.05.2012
3	के टी बोस	सहायक अभ्यंता	सहायक अभ्यंता उच्चकोटी	02.05.2012
4	टी. सुनिता	सहायक पुस्तकालय	सहायक पुस्तकालय उच्चकोटी	02.05.2012
5	पी. श्रीजया	सहायक पुस्तकालय	सहायक पुस्तकालय उच्चकोटी	02.05.2012
6	लक्ष्मी विश्वनाथन	लेखा अधिकारी	उच्चकोटी के वित्तीय एवं लेखा अधिकारी	02.05.2012
7	टी. मोहनन	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी	02.05.2012
8	जी. ज़ाँन	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी	02.05.2012
9	वी मधुसूदनन	अधीक्षक	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	02.05.2012
10	केशवन नायर पी.	सहायक	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	02.05.2012
11	श्रीमती सिम्मी के. जी.	कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	सहायक (सीधे भर्ति)	01.08.2012

संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों के लिए बीमा योजना से संबद्ध दल बचत का परिचय

संकाय सजस्य एवं कर्मचारियों के लिए दल बचत से संबंध बीमा योजना (जी एस एल आई एस ने भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अगस्त 2012 को प्रचालित किया। महीने की बढौती और निगम का विवरण नीचे दिया गया है।;

दल	महीने बढौती भुगतानगी (रुपए में)	अगर दुर्घटना से मृत्यू हुआ तो समावेशन बीमा (रुपए में)
ए	531.25	10,00,000
बी	425.00	8,00,000
सी	318.75	6,00,000

देशीय सम्मेलन / प्रशिक्षण

श्रीमती दिव्या शशी, कनिष्ठ सहायक, लेखा अनुभाग , ने कोषिक्कोड में एम/एस निगमित संपर्क, तिरुवन्तपुरम में 20.04, 2012 और 21.04, 2012 को आयोजित टाली आ आई पी 09 पर दो दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री. एन. रामचन्द्रन, कार्यकारी (अब प्रणाली विश्लेषक के रूप में नियुक्त हुआ है) कंप्यूटर केन्द्र, ने भारतीयार विश्वविद्यालय द्वारा

15.03.2012 से 16.03.2012 ,को कोयंपत्तूर के पास के मरुतमलै में आयोजित दो दिन के -ग्रिड एवं क्लौड कंप्यूटिंग -2012 विषय के देशीय कार्यशाला पर भाग लिया।

श्री. एन रामचन्द्रन,प्रणाली विश्लेषक कंप्यूटर केन्द्र, ने देशीय सूचना विज्ञान केन्द्र तिरुवन्तपुरम में 09.05.2012 से 10.05.2012 तक देशीय आन्तरिक अनुशासन विज्ञान एवं तकनीकी संस्था, तिरुवन्तपुरम द्वारा आयोजित दो दिन के देशीय ज्ञान नेटवर्क कार्यशाला में भाग लिया।

श्री. संजय ए.पी कनिष्ठ अभ्यन्ता (इलक्ट्रिकल) ने केरल राज्य उत्पादन परिषद द्वारा 06.06.2012 से 07.06.2012 तक उत्पाद्य गृह कलमश्शेरी, कोच्ची में -प्रचालन एवं इलक्ट्रिकल औचार और मशीन का अनुरक्षण विषय में आयोजित दो दिन के प्रशिक्षण पर उपस्थित रहे।

श्री बोस के टी, सहायक अभ्यन्ता , उच्चकोटी , ने ऊर्जसंरक्षण एवं प्रबंधन का परिचय विषय पर 11.06.2012 से 12.06.2012 तक लर्सन एवं टर्बो प्रशिक्षण केन्द्र , कूनूर (तमिल नाडु) में आयोजित दो दिन के प्रशिक्षण में भाग लिया।

श्रीमति., लक्ष्मी विश्वनाथन , वित्तीय एवं ल्खा अधिकारी ने दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद के भारतीय चार्टरित लेखाकार की संस्था द्वारा 17.08.2012 से 18.08.2012 तक बैंगलूर में आयोजित – आई सी आई ए के 44 वीं क्षेत्रीय सम्मेलन- में उपस्थित रहे।

श्री. शेनशा सी, भंडार सहायक ने एम/एस निगमित संपर्क, तिरुवन्तपुरम द्वारा तृश्शूर में 10.08.2012 को -नए सेवा कर शासन प्रणाली एवं नकारात्मक सूची-विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

श्री. के टी बोस , सहायक अभ्यन्ता उच्चकोटी ने के एस पी सी केन्द्र द्वारा ऊर्जसंरक्षण एवं प्रबंधन विषय पर केरल राज्य उत्पादन परिषद (के एस पी सी)कोच्ची में 12.09. से 13.09.2012 तक के अवधी पर आयोजित दो दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने देशीय तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्था , कलमश्शेरी ,कोच्ची द्वारा 14.09.2012 में -अग्रिम डिजिटल पुस्तकालय सेवाऐं - विषय पर भाषण दिया ।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने 14.09.2012 को भारतीय प्रबंध संस्थान रायपूर में -सूचना प्रबंधन रणनीति में समकालीन तरीके विषय पर भाषण दिया।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने 28-29 सितंबर 2012 को भारतीय प्रबंध संस्थान रायपूर में 13वीं आई आई एम संस्था सम्मेलन में भागीदार हुए साथ-साथ इसका आयोजन भी किया।

श्री एन रामचन्द्रन , प्रणाली विश्लेषक और श्री अनिल ए एम सहायक कार्यकारी , ने ऐशियायी पेसफिक नेटवर्क सूचना केन्द्र (ए पी एन आई सी) द्वारा 20.11.2012 से 22.11.2012 तक चेन्नाई में होने वाले आईपीवीएस६ पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए नामित किया गया।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

श्रीमती लक्ष्मी विश्वनाथन वित्तीय एवं लेखा अधिकारी ने दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद के भारतीय चार्टरित लेखाकार की संस्था कालिकट शाखा द्वारा

30.11, 2012 को सुबह 9.30 से दोपहर 01 बजे तक आई सी ए आई भवन कालिकट में आयोजित सेवा कर में सी पी ई संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने 07.12, 2012 को डी आई डी ओ बेंग्लूर द्वारा डिजिटल पुस्तकालय विषय पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित रहे।

श्री अनिल कुमार पतियत प्रबंधक(अन्तर्रसंरचना) और बोस के टी सहायक अभ्यन्ता उच्चकोटी ने केरल राज्य उत्पादन परिषद उत्पाद्य गृह कलमश्शेरी, कोच्ची द्वारा 19.12, 201 को पंपिंग प्रणाली में ऊँर्जा क्षमता विषय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित रहे।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने 03.01, 2013 को भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र नई-दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अन्तरअनुशासित सूत्रपात क्षमता विषय पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित रहे।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने आई आई एम ए और आई आई टी गाँधी नगर की संयोजित संगठन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन एवं आई एन डी ई एस टी -ए आई सी टी ई संयोजना परियोजना पर 18.01.2013 से 19.01.2013 तक उपस्थित रहे।

श्रीमती सुनिता टी और श्रीमती श्रीजया पी सह -पुस्तकालय अध्यक्ष (उच्च कोटी) ने 01.02.2013 से 02.02.2013 तक पुस्तकालय एवं पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान तथा सी एच एम के पुस्तकालय कालिकट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ई-संसाधन और ई-लेर्णिंग -पुस्तकालय के लिए चुनौतियाँ और अवसर पर देशीय सम्मेलन में उपस्थित हुए।

श्री.मुरलीधरण पी जी प्रशासनिक अधिकारी ने 04.03, 2013 से 06.03, 2013 तक सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्था (आई एस टी एम) भारत सरकार, जे एन यू कैंपस (पुराने दिल्ली)द्वारा आयोजित -शासन पर क्रय प्रबंधन - पाठ्यक्रम प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, ने शैक्षिक व्यवसाय पुस्तकालय निदेशक (ए बी एल डी)ओर यूरोपीय व्यवसाय स्कूल के पुस्तकालय दल (ई बी एस एल जी) तथा एशियायी पेसफिक व्यवसाय पुस्तकालय दल (ए बी बी एस एल जी) ने 17.04, 2013 से 20.04, 2013 तक संयुक्त रूप से चलाए गए स्टानफोर्ड स्नातकोत्तर व्यवसाय स्कूल स्टानफोर्ड , कालिफोर्णिया में आयोजित संयुक्त सम्मेलन में हाजिर हुए।

डॉ एम जी श्रीकुमार. मुख्य पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, 23.अप्रेल 2012 को हार्डवार्ड व्यवसाय स्कूल में हुए भिन्न विभागों के ग्राहकों लिए प्रस्तावित आधुनिक सेवेओं के बारे में तथा आई आई एम के से हार्डवार्ड व्यवसाय स्कूल द्वारा स्वीकृत सूचना प्रबंधन रणनीति के बारे में भी भाषण दिया। भागीदारों के परस्पर संवादों द्वारा यह सम्मेलन आगे चला।

वार्षिक वित्तीय विवरण एवं वित्तीय स्थिति

संस्थान के वित्तीय वर्ष 2012-13 का वार्षिक वित्तीय विवरण प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा) केरल द्वारा विधिवत परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा रिपोर्ट में उठाए गए बिन्दुओं पर संस्थान का उत्तर भी अलग से संलग्न है। संस्थान के खाता का अन्तरिम लेखा परीक्षण मिसर्स वर्मा ऐंड वर्मा चार्टरित लेखाकार द्वारा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण रिपोर्ट तथा संचालक मंडल एवं समाज द्वारा दिनांक (04-01-2014) को संचालन द्वारा अनुमोदित लेखा परीक्षा संस्था के उत्तर के साथ अलग से संलग्न है।

वार्षिक वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताऐं निम्नवत है-

योजना के अन्तर्गत सहायता अनुदान

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान संस्थान ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग से कुल आर्निटित राशी 39.50 करोड रुपए में से 36.25 करोड रुपए का सहायता अनुदान प्राप्त किया।

आंतरिक राजस्व उत्पादन

संस्थान के इतिहास में पहली बार आंतरिक राजस्व उत्पादन 60.00 करोड रुपए के आँकडे को पार किया है, जो कि पिछले वर्ष से 15 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोत्तरी मुख्य रूप से पी जी पी (33.47 करोड रुपए) तथा ई पी जी पी (9.95 करोड रुपए) के शुक्ल में वृद्धि के कारण हुआ है।

आंतरिक राजस्व उत्पादन की मुख्य विशेषता है कि एम डी पी से आय पिछले वर्ष की आय 3.13 करोड रुपए की तुलना में दुगुना 6.88 करोड रुपए हो गई है।

कायिक निधि

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान संस्थान ने लगभग 15.43 करोड रुपए की राशी को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्रगत निर्मित सामान्य अनुदान योजना में हस्तांतरित किया। इस वर्ष के दौरान निवेश पर अर्जित ब्याज 12.54 करोड रूपए है। 31.03.2013 को कायिक निधि का शेष 143.35 करोड रुपए है। 31.03.2013 को कायिक निधि में निवेश 140 करोड रुपए है।

मूल्यह्रास निधि

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान संस्थान ने इस वर्ष के मूल्यह्रास के पक्ष में मूल्यह्रास निधी में 6.17 करोड रुपए की राशी को हस्तांतरित किया। इस वर्ष निवेश से अर्जित ब्याज 5.63 करोड रुपए है। 31.03.2013 को मूल्यह्रास निधि का अंत शेष 80.04 करोड रुपए है, जो कि 31.03.2013 के संचित मूल्यह्रास के बराबर है। 31.03.2013 को मूल्यह्रास निधि में निवेश 78.00 करोड रुपए है।

आई आई एम के के कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास का लेखा

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान आय और व्यय लेखा न्यास के सदस्यों को ब्याज देने के बाद 5.22 लाख रुपए का मामूली घाटा प्रदर्शित करता है। यह मुख्यत. म्यूच्वल फंड में निवेश पर प्रत्यायित स्तर का प्रद्रशन नहीं होने के कारण हुआ है। भारतीय रिसर्व बैंक के बांडे में निवेश पर 8.00 प्रतिवर्ष का ब्याज प्राप्त हुआ है, जब कि सदस्यों को 8.80 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज का भुगतान किया गया है।

कायिक निधी 624.99 लाख रुपए पहूँच गया जिसमें से 520.10 लाख रुपए अंशदायी भविष्य निधी निवेश निर्देशिका के अनुसार विभिन्न ब्याज वाले प्रतिपूर्ति में निवेश किया गया, 37.33 लाख रुपए उपजित ब्याज के अन्तर्गत तथा 22.39 लाख रुपए दिनांक 31.03.2013 को बैंक शेष तथा 45.17 लाख रुपए संस्थान से संस्थान सदस्यों के पूर्ति अंशदायी भविष्य निधि का हिस्सा प्राप्त करना बाकी है। दिनांक 25.06.2013 को बैठक में न्याय के द्वारा लेखा अनुमोदित है।

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

संचालक मंडल एवं आईआईएम के सोसाईटी

संचालक मंडल

31 मार्च, 20113 को आईआईएम के संचालक मंडल के सदस्यों की सूची:

1. **डा. ए.सी. मुथैय्या**
   (बि बि सि आई का पूर्व अध्यक्ष)
   संचालक मंडल, आईआईएम, कोषिक्कोडे
   अध्यक्ष
   एसपीआईसी
   चेन्नई

2. **श्री टी.के.ए. नायर**
   भारत के प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
   प्रधान मंत्री कार्यालय
   नई दिल्ली

3. **श्री के.सी. मोहन**
   भूतपूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
   मैकॉन (सेल)
   चेन्नाई

4. **श्री. आँकार एस. कंवर**
   अध्यक्ष, अपोलो टायर्स
   गुरगाण

5. **श्री. ऍन. संकार**
   अध्यक्ष, संमार ग्रुप
   चेन्नई

6. **श्री. अशोक ठाकुर**
   सचिव
   उच्चशिक्षा विभाग, मा. सं. वि. मंत्र
   नई दिल्ली

7. **श्री. ए.एन झा**
   संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सयाहकार
   मा. सं. वि. मंत्र
   नई दिल्ली

8. **डा. के.एम. अब्राहाम**
   प्रथम सचीव, केरल सरकार
   अध्यशिक्षा विभाग
   तिरुवनन्तपुरम

9. **श्री. जेकब मात्यू**
कार्यपालक संपादक एवं निदेशक
मलयाल् मनोरमा

10. **डा. प्रीतम सिंह**
महा निदेशक
अन्ताराष्ट्रीय प्रबंध संस्थान
नई दिल्ली

11. **प्रो एस. एल राऊ**
पूर्व अध्यक्ष, ए.ऐ.एम.ए
बांगलूर

12. **श्री. टी. टी. थोमस**
पूर्व प्रबंध निदेशक
फाक्ट लिमिटड
कोच्ची

13. **प्रो. एस एस मान्था**
अध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिबंद
नई दिल्ली

14. **प्रो. देबाशिष चटर्जी**
निदेशक, आईआईएम कोषिक्कोडे

15. **प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै**
प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे

16. **प्रो. के. उन्नीकृष्णन नायर**
प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे

17. **ले. कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जार्ज**
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
आईआईएम कोषिक्कोडे
(बोर्ड के सचिव)

वर्ष 2011-12 के दौरान बोर्ड की चार अवसरों पर बैठक हुई जो निम्नवत्:

1. 07 जुन, 2011 को चेन्नई में 59 वीं बैठक
2. 11 सितंबर, 2011 का आई आई एम के में 60 वीं बैठक
3. 19 जनवरी, 2012 को कोच्ची में 61 वीं बैठक
4. 23 मार्च, 2012 काआई आईएम के में 62 वीं बैठक

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड सोसाईटी

31 मार्च, 2013 तक आईआईएणके सोसाईटी की सूची नीचे दी गई है:-

1. **डा. ए.सी. मुथैय्या**
   (बि बि सि आई का पूर्व अध्यक्ष)
   संचालक मंडल, आईआईएम, कोषिक्कोडे
   अध्यक्ष
   एसपीआईसी, चेन्नई

2. **श्री टी.के.ए. नायर**
   भारत के प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
   प्रधान मंत्री कार्यालय, नई दिल्ली

3. **श्री के.सी. मोहन**
   भूतपूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
   मैकॉन (सेल), चेन्नाई

4. **श्री. आँकार एस. कंवर**
   अध्यक्ष, अपोलो टायर्स, गुरगाण

5. **श्री. ऍन. संकार**
   अध्यक्ष, संमार ग्रुप, चेन्नई

6. **श्री. अशोक ठाकुर**
   सचिव
   उच्चशिक्षा विभाग, मा. सं. वि. मंत्र, नई दिल्ली

7. **श्री. ए.एन झा**
   संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सयाहकार
   मा. सं. वि. मंत्र, नई दिल्ली

8. **डा. के.एम. अब्राहाम**
   प्रथम सचीव, केरल सरकार
   अध्यशिक्षा विभाग, तिरुवनन्तपुरम

9. **श्री. जेकब मात्यू**
   कार्यपालक संपादक एवं निदेशक
   मलयाल् मनोरमा

10. **डा. प्रीतम सिंह**
    महा निदेशक
    अन्ताराष्ट्रीय प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली

11. **प्रो एस. एल राऊ**
    पूर्व अध्यक्ष, ए.ऐ.एम.ए, बांगलूर

12. **श्री. टी. टी. थोमस**
    पूर्व प्रबंध निदेशक
    फाक्ट लिमिटड, कोच्ची

13. **प्रो. एस एस मान्था**
अध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिबंद,
नई दिल्ली

14. **प्रो. भासकर राममूर्ति**
निदेशक, आई आई टी, मद्रास

15. **प्रो. पी. बलाराम**
निदेशक, आई आई एस सी, बेंग्लूर

16. **प्रो. पंकज चन्द्र**
निदेशक, आई आई एम, बेंग्लूर

17. **प्रो. प्रफुल अग्निहोत्रि**
निदेशक, आई आई एम, तिरुचिरपल्ली

18. **प्रो. उदय बी देशाई**
निदेशक, आई आई टी, हैद्राबाद

19. **प्रो. जान्सी जेईंस**
कुल पति
केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरला

20. **डॉ एम एन बन्दोपाद्यय**
निदेशक, एन आई टी, कोषिक्काड

21. **श्रीमति शीला थॉमस**
अध्यक्ष रब्बर बोर्ड केरला

22. **डॉ के.एस दासगुप्ता**
निदेशक, आई आई एस एस टी, तिरुवनन्तपूरम

23. **प्रो. देबाशिष चटर्जी**
निदेशक, आईआईएम कोषिक्कोडे

24. **प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै**
प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे

25. **प्रो. के उन्नीकृष्णन नायर**
प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे

26. **ले. कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जॉर्ज**
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईआईएम कोषिक्कोडे
(बोर्ड के सचिव)

वर्ष के दौरान सोसाईटी ने दो बैठकें आयोजित की थी, जो नीचे दर्शाई गई है:-

11 सितंबर, 2012 को कोषिक्कोडे में 26 वीं बैठक

23 मार्च, 2013. को कोषिक्कोडे में 27 वीं बैठक

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

संकाय (31 मार्च 2012 के अनुसार)

प्राध्यापक

1 प्रो. के उन्नीकृष्णन नायर
2. प्रो. पी. रमेशन
3. प्रो. सनल कुमार वेलायुथन
4. प्रो. बद्रीनारायण शंकर पवार
5. प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै
6. प्रो. सजी गोपिनाथ
7. प्रो. कृष्ण कुमार लाढ़ा
8. प्रो. एम.पी. सेबासटिन
9. प्रो. कुलभूषण बलूनी
10. प्रो. एस.एस.एस. कुमार
11. प्रो. संजय झारखारिया
12. प्रो. सी राजु

सह-प्राध्यापक

13. प्रो. अंजन कुमार स्वैन
14. प्रो. केयुर पुरानी
15. प्रो. देबाशीष चटर्जी
16. प्रो. आनंदक्कुट्टन बी. उन्नीथान
17. प्रो. सुदर्शन कुंतलुरु
18. प्रो. सुमित मित्रा
19. प्रो. ओमकुमार क्रि कृष्णन
20. प्रो. रुद्र सेनशर्मा
21. प्रो. ए. एफ. मात्यू
22. प्रो. जी. श्रीधर
23. प्रो. रुपेश कुमार पती.
24. प्रो. एस वेंन्कटरमनैअह
25. प्रो. शांतनु आर. नायर

सहायक - प्राध्यापक

26. प्रो. जोफी थॉमस
27. प्रो. अभिलाष एस. नायर
28. प्रो. नंदकुमार एम. के.
29. प्रो. शुभाशीष दे
30. प्रो. टी.एन. कृष्णन
31. प्रो. राजेष एस उपाध्यायुला
32. प्रो. जोशी जोसफ
33. प्रो. जी आनन्द
34. प्रो. कौशिक गंगोपाध्याय
35. प्रो. सोनी थॉमस
36. प्रो. लीना मेरी इपेन
37. प्रो.अनंदिता पॉल
38. प्रो. दीपक दयानिधि
39. प्रो. मोहम्मद शाहिद अब्दुल्ला
40. प्रो. मनोरंजन दाल
41. प्रो. अदानु अधिकारि
42. प्रो. राहुल कुमार सेठ

43. प्रो. जी तगमनि
44. प्रो. पी.एन. रामकुमार
45. प्रो. सप्तर्षी पुरकायस्था
46. प्रो. जी. वेंकटरमन
47. प्रो. अनुपम दास
48. प्रो. एस. सुब्रहमणियन

अतिथि संकाय

49. डा. लक्षमी एस. लाढ़ा
50. प्रो. महेष पी भावे

अतिथि सह प्राध्यापक

51. प्रो. के.के. रमेश

अतिथि सहायक प्राध्यापक

52. प्रो. रीना कोहली
53. प्रो. मनीष कुमार
54. प्रो. सुरम बालसुब्रह्मण्यम
55. प्रो. नवीन अंब्ली
56. प्रो. दीपा सेठी
57. कौशिक गोथकुर्ता
58. प्रो. सूर्यप्रकाश पति
59. प्रो. अपराजित रामनाथ
60. प्रो. पंकज बाघ

कर्मचारी सदस्य (31 मार्च 2012 के अनुसार)

1.	ले.कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जॉज	मुख्य प्रशा. अधिकारी
2.	डा. एम.जी. श्रीकुमार	पुस्तकालयाध्यक्ष एवं सूचना अधिकारी
3.	श्री अशोक पाठक	मुख्य प्रणाली प्रबंधक
4.	श्री राजीव वर्मा	मुख्य आन्तरिक संरचना प्रबंधक
5.	श्री ए.के. शांतारामन	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य प्रशा. अधिकारी
6.	श्री पवन कुमार सिंह	वरिष्ठ प्रशा. अधिकारी (पी आर एंट पीजीपी)
7.	ले.कर्नल सेड्रीक तोमस (सेवानिवृत)	वरिष्ठ प्रशा. (ए.ए)
8.	श्री वी मधुसूदन पी.जी.	वरिष्ठ प्रशा. (जी.ए.)
9.	श्री वी.वी. रवीन्द्रन	औ आई सी संभता
10.	श्री के. सदानन्दन	प्रशा. अधिकारी
11.	श्री पी.जी. मुरलीधरन	प्रशा. अधिकारी
12.	श्री.के मुरुगन	प्रशा. अधिकारी
13.	श्री विनोद कुमार के.	प्रशा. अधिकारी
14.	श्री एन. रामचन्द्रान	प्रणाली विश्लेषक
15.	श्री टी. मोहनन	सहायक प्रशा. अधिकारी
16.	श्री जी. जॉन	सहायक प्रशा. अधिकारी
17.	श्री जॉनगीवर्गीस	सहायक प्रशा. अधिकारी
18.	श्री के.एस. जयकृष्णन	सहायक प्रशा. अधिकारी
19.	श्रीमति टी. सुनिता	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष (उच्च कोट)
20.	श्री अनिल कुमार पी	आन्तरिक संरचना प्रबंधक
21.	श्रीमति लक्ष्मी विश्वनाथन	वित्तीय एवं लेखा अधिकारी
22.	श्रीमति पी. श्रीजया	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष (उच्च कोटी)
23.	श्री के. टी. बोस	सहायक इंजीनियर (उच्च कोटी)
24.	श्री रजीश एम.पी.	सहायक इंजीनियर

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

25.	श्री षाजी सी.पी.	सहायक प्रशा. अधिकारी
26.	श्री प्रशीब कुमार के.के.	सहायक प्रशा. अधिकारी
27.	श्री वी मधुसूदन	सहायक प्रशा. अधिकारी
28.	श्री अनिल ए.एम.	सहायक प्रोग्रामर
29.	श्री रघुपति हरि	सहायक
30.	श्री मुहम्मद मुस्तफा एम.	तकनीकी सहायक
31.	श्री सुधीष कुमार के.एम.	तकनीकी सहायक
32.	श्री सोजन जांज	कार्यकारी सहायक
33.	डा. यमुना जांज	कार्यकारी सहायक
34.	श्री ए.पी. संजय	कनिष्ठ इंजीनियर
37.	श्री अगस्टिन जार्ज	सहायक
38.	श्रीमति आशा बाबु के.के.	सहायक
39.	श्री सुबैर वी	कनिष्ठ इंजीनियर
40.	श्री जोषी कुरीकोसे	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक
41.	श्री बिजू आर.	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक
42.	श्री रेजित एम	सहायक
43.	श्रीमति संध्या टी.वी.	कनिष्ठ सहायक
44.	श्रीमति जीना के	कनिष्ठ सहायक
45.	श्री सुधीर राजन	कनिष्ठ सहायक
46.	श्री अलेख पी.	कनिष्ठ सहायक
47.	श्रीमति सिम्मी के.जी	कनिष्ठ सहायक
48.	श्रीमति दिव्या शशि	कनिष्ठ सहायक
49.	श्री शेनषा सी.	भंडार सहायक
50.	श्रीमति सिन्दु जे	कनिष्ठ सहायक
51.	श्री रामदासन एम	कनिष्ठ सहायक
52.	श्री अब्दुरहिमान पी.पी.	कनिष्ठ सहायक
53.	श्री बाबुराजन पी	ड्राइवर सह कार्यालय कर्मचारी
54.	श्री विजयन के.	चालक सह कार्यालय स्टाफ
55.	श्री कुमारन के.पी.	कार्यालय सहायता कर्मचारिवृन्द
56.	श्री रमेश भहादुर के.सी.	भंद कोशल सहायक कर्मचारिवृन्द

वार्षिक लेखा विवरण
Annual Statements of Accounts
2012 - 2013

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड
Indian Institute of Management Kozhikode

cutting Mrk

31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड के खाता का 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष का भारत के नियंत्रक और महालेखाकार द्वारा तैयार किया गया अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट हमने भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड के खाते का 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के संलग्न तुलन पत्र की आय-व्यय खाता तथा पावती एवं अदायगी खाता का लेखा परीक्षा, नियंत्रक एवं महालेखाकार अधिनियम 1971 की धारा 20(1) (कर्तव्य,शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें) जिसे आई आई एम कोषिक्कोड सहकारिता सोसाईटी के ज्ञापन के नियम 18 के साथ पढा जाए, के अन्तर्रगत, किया है।लेखा परीक्षा वर्ष 2015-2016 तक की अवधी हेतु सुपुर्द है। ये सभी वित्तीय विवरण संस्थान प्रबंधन का दायित्व है। इन वित्तीय विवरणे के आधार पर अपनी राय व्यक्त करना हमारा दायित्व है।

2. सर्वोत्तम लेखा प्रथा, लेखांकन मानक तथा प्रकटन नियम आदि के वर्गीकरण एवं अनुरूपता के संदर्भ में भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की आलोचनाएँ इस लेखा परीक्षा परीक्षा के रिपोर्ट में अलग से समाविष्ट है। विधी, नियम-विनिमय तथा औचित्य एवं नियमितता) एवं दक्षता सह निष्पादन आदि पहलुओं, के संदर्भ में वित्तीय लेन-देन पर लेखा परीक्षाओं के आपत्तियों के बारे में निरीक्षक की रिपोर्ट सी. ए. जी. लेखा परीक्षा रिपोर्ट के द्वारा अलग से बताया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा सामान्यतया भारत में ग्राह्य लेखा परीक्षण मानक के अनुसार आयोजित की। इन मानकों के लिए यह आवश्यक होता है कि हम योजना बनाकर उसे लेखा परीक्षा में इस प्रकार लागू करें कि वित्तीय विवरण सामग्री के गलत विवरण से मुक्त होने का आश्वासन प्राप्त कर सके। वित्तीय विवरण का प्रकटन एवं राशी का साक्ष्य सहायक, जाँच के आधार पर परीक्षण, एक लेखापरीक्षण में समाविष्ट होता है। प्रबंधन के द्वारा महत्वपूर्ण अनुमान में लेखांकन सिद्धान्त का मूल्यांकन तथा समस्त वित्तीय विवरण का प्रस्तुतीकरण भी एक लेखापरीक्षण में समाविष्ट होता है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राच हेतु एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. अपने लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट करते हैं कि:
   i. हमारे ज्ञान एवं विश्वास से सर्वोत्तम सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण, जो हमारी लेरा परीक्षा हेतु आवश्यक थे, हमने प्राप्त किया।
   ii. इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र एवं अदायगी खाता भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रारूप के अनुसार तैयार किया गया है।
   iii. हमारी राय है कि, हमारी पुस्तिकाओं के परीक्षण से यह ज्ञात होता है कि खाता -बहियाँ एवं अन्य संबंध अभिलेख भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के सहकारी सोसाईटी के ज्ञापन नियम 12 (xvii) के अन्तर्गत वांछित के अनुरूप उचित ढंग से अनुरक्षित हैं।
   iv. आगे हम यह रिपोर्ट करते हैं कि -

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

क) खाता पर आलोचनाएँ

शून्य

ख) सहायता अनुदान 3755.86 लाख (130.86 लाख का अथ शेष तथा 3625.00 लाख इस वर्ष के अनुदान को मिलाकर) सहायता अनुदान में से संगठन ने 1502.94 लाख की राशी का उपयोग किया तथा दिनांक 31 मार्च 2013 को अनुपयुक्त 2252.92 लाख राशी शेष रही।

ग) प्रबंधन पत्र जिन कमियों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में समाविष्ट किया गया है, उन्हें उपकारी कार्य हेतु अलग से प्रबंधन पत्र जारी कर भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के निदेशक को सूचित किया गया है।

घ) हमारे विगत अनुच्छेदों में प्रेक्षण के अधीन, हम यह रिपोर्ट करते है कि इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाता एवं प्राप्ति एवं अदायगी खाता, खाता - बहियों के सहमति के साथ प्रस्तुत किया गया है।

घा) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन सिद्धान्तों तथा खाता टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने पर और उपरोक्त विषय एवं अन्य संबंधित विषय जो कि इस रिपोर्ट के संलग्नक में दर्शार गए हैं, वे भारत में सामान्यतया ग्राह्य लेखांकन के अनुरूपता में वास्तविक एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते है।

क) जहाँ तक इसका तुलन पत्र, भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष से संबंद्ध है।

ख) इसका आय एवं व्यय खाता भी उसी तारीख को समाप्त वर्ष से संबंद्ध है।

कृते, भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार

स्थान- चेन्नै

दिनांक- 3 जनवरी 2014

महानिदेशक, लेखा परीक्षा(मध्य) चेन्नै

cutting Mrk

संलग्नक

1) **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली पर्याप्त है, तथा संस्थान की लेन-देन की प्रकृति और आकार के अनुरुप है।

2) **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

संस्थान में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है। भरतीय प्रबंध संस्थान की लेखांकन नियमावली तैयार की गई है, और बोर्ड के द्वारा अनुमोदित है।

3) **स्थाई परिसंपत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

वर्ष 2012-13 हेतु स्थाई परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन हो चुका है।

4) **वस्तुसूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

वर्ष 2012-13 हेतु वस्तुसूची परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन हो चुका है।

5) **देय राशी की अदायगी में नियमितता**

संस्थान देय राशी की अदायगी में नियमित है।

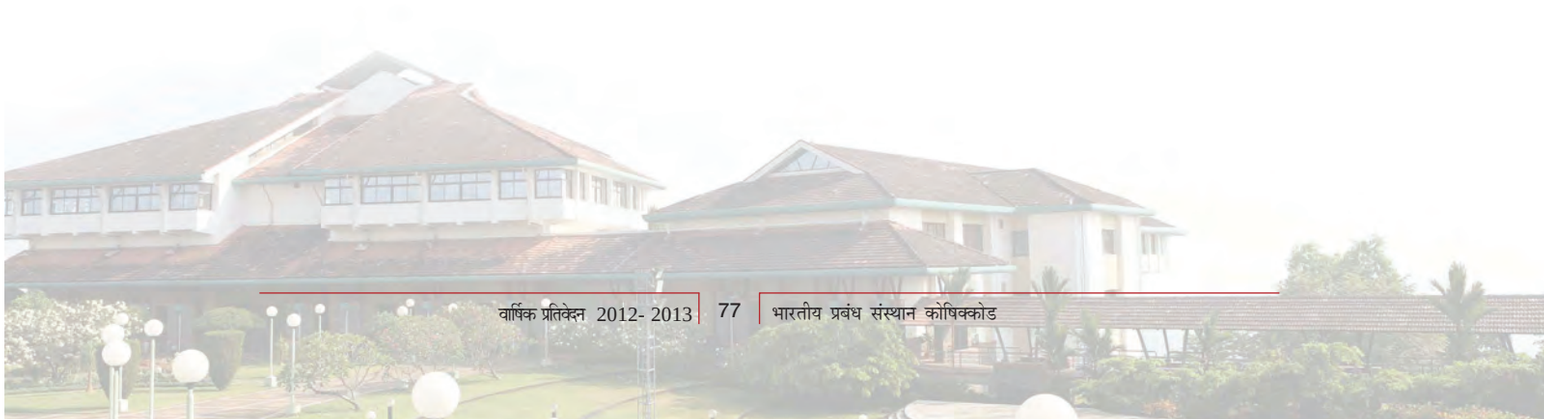

Eng Platform HINDI 6 Feb 14 fnl Apvd Ptg

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

समेकित वार्षिक लेखा विवरण

2012-2013

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को तुलन पत्र

(रुपये लाखों में)

विवरण	अनुसूची	2012-2013	2011-2012
पूँजीगत निधिलेखा			
समग्र/ पूँजी निधि लेखा	1	17,390.48	14,831.82
आरक्षिति और अधिशेष	2	14,335.53	11,540.20
चिह्नित/विधिनिधि	3	8,322.26	7,160.19
चालू देयतायें और व्यवस्था	4	3,212.96	1,356.36
कुल		**43,261.23**	**34,888.57**
आस्तियाँ			
नियत आस्तियाँ	5	14,072.76	13,501.49
चिह्नित/विधिनिधि से निवेश	6	9,990.10	7,162.23
समग्र निधि से निवेश	7	14,000.00	11,350.00
प्रचलित आस्तियाँ, कर्ज, अग्रिम आदि	8	5,198.37	2,874.85
कुल		**43,261.23**	**34,888.57**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	15		
आकस्मिक देनदारी और लेखा पर टिप्पणी	16		

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

ले. कर्नल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जॉर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी
निदेशक

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय लेखा

(रुपये लाखों में)

विवरण	अनुसूची	2012-2013	2011-2012
आय			
शुल्क	9	5,445.58	5,025.31
योजनेतर अनुदान		0.00	294.00
निवेश से प्राप्त ब्याज	10	0.00	0.00
प्रास किया गया ब्याज	11	448.23	251.47
अन्य आय	12	148.79	42.34
कुल - अ		**6,042.60**	**5,613.12**
व्यय			
संस्थापन व्यय	13	1,389.76	1,054.28
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	14	2,374.68	1,962.37
मूल्यह्रास	5	1,206.27	1,077.09
प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत आने वाली मूल्यह्रास आस्तियाँ	5	0.10	0.20
कुल - आ		**4,970.81**	**4,093.94**
व्यय के ऊपर शेष अतिरिक्त आय (अ-आ)		1,071.79	1,519.18
मूल्यह्रास (नियत आस्थी) से पूंजीगत निधि की ओर स्थानान्तरण		1,206.27	1,077.09
मूल्यह्रास (नियद आस्थी-परियोजना) से पूँजीगतनिधि की ओर स्थानान्तरण		0.10	0.20
मूल्यह्रास निधि का स्थानान्तरण		(617.13)	(1,077.29)
सी पी एफ सामान्य आरक्षित निधि की ओर स्थानान्तरण		5.21	0.40
कर्मचारी कल्याण निधि की ओर स्थानान्तरण		(123.66)	(68.70)
अधिशेष (कमी), जिसका अन्तरण समग्र निधि में किया है		**1,542.58**	**1,450.88**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	15		
आकस्मिक देयतायें और लेखा पर टिप्पणी	16		

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

ले. कर्नल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जॉर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी
निदेशक

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 1 - पूँजी निधि		
अ 1 पूँजी निधि (स्थाई आस्थियाँ)		
अ. गैर मूल्यह्रास आस्थियाँ		
वर्षारंभ से शेष	**2,346.94**	**796.14**
जोड़: भूमी के लिए चालू वर्ष में भुगतान	24.50	1,550.80
वर्षान्त में शेष (आ)	**2,371.44**	**2,346.94**
(आ) मूल्यह्रास आस्थियाँ		
वर्षारंभ से शेष	**11,154.05**	**10,395.29**
जोड़: पूँजी व्यय, चालू वर्ष में	11,757.04	1,837.35
न्यूनः चालू वर्ष में बट्टे-खाते में डाला गया मूल्यह्रास	(1,206.27)	(1,077.09)
न्यूनः वाहनों की लागत वर्ष के दौरान बंद निपटारा	(26.39)	(6.08)
जोडः वाहनों पर संचित मूल्यह्रास	22.50	4.58
वर्षान्त में शेष (आ)	**11,700.93**	**11,154.05**
वर्षान्त में कुल (अ + आ) अ 1	**14,072.37**	**13,500.99**
अ 2 पूँजी निधि (स्थाई आस्थियाँ-परियोजनायें)		
वर्षारंभ से शेष	**0.50**	**0.70**
जोड़: पूँजी व्यय, चालू वर्ष में		0.00
न्यूनः चालू वर्ष में बट्टे-खाते में डाला गया मूल्यह्रास	(0.11)	(0.20)
वर्षान्त में शेष (आ 2)	**0.39**	**0.50**
वर्षान्त में कुल (अ1+अ 2) (1)	**14,072.76**	**13,501.49**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
II पूँजी निधि (सहायता अनुदान)		
अ. भारत सरकार- परियोजना सामान्य		
वर्षारंभ से शेष	**848.05**	**3,037.62**
जोड़: भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	2,295.75	1,406.16
जोड़: समग्र निधि से आन्तरित रकम	0.00	(1,050.00)
न्यूनः पूँजी निधि को आन्तरित रकम (अचल परिसंपत्तियाँ)	(448.92)	(2,547.93)
जोड़: राशि वाहन के निपटान पर रिहा	(2.20)	2.20
वर्षान्त में शेष (अ)	**2,692.68**	**848.05**
आ. भारत सरकार - आम योजना		
वर्षारंभ में शेष		-
जोड़: भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	1,329.25	836.32
न्यूनः पूँजी निधि को आन्तरित रकम (अचल परिसंपत्तियाँ)	(1,329.25)	(836.32)
वर्षान्त में शेष (आ)	-	-
इ. भारत सरकार - परियोजना - ओ.एस.सी (आवर्ती और गैर आवर्ती)		
वर्शारंभ में शेष		
जोड़: भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	-	294.00
न्यूनः प्रास गैर आवर्ती व्यय के अनुदान पूँजी निधि को आन्तरित (अचल संपत्तियाँ)	-	-
न्यूनः आय-व्यय लेखे को आन्तरित प्रपत्र आवर्ती व्यय को अनुदान	-	(294.00)
वर्षांत में शेष (इ)	0.00	0.00

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
ई. केरल सरकार		
वर्षारंभ से शेष	**-**	**3.90**
जोड़: प्राप्त सहायता अनुदान	-	0.00
न्यूनः भूमि के लिए भुगतान		(3.90)
वर्षान्त में शेष (ई)	**0.00**	**0.00**
उ. सी. पी. एफ सदस्यों का लेखा		
वर्षारंभ से शेष	**482.28**	**385.43**
जोड़: चालू वर्ष के अभिदान	141.60	98.03
जोडः चालू वर्ष में ब्याज	44.26	32.58
जोडः पूर्व नियोजकों से अंतरित रकम	0.00	0.01
न्युनः चालू वर्ष के आहरण	(43.10)	(33.77)
न्यूनः इस वर्ष जो रकम सदस्य खातों से समपहरण किया गया है	-	-
वर्षान्त में शेष (उ)	**625.04**	**482.28**
वर्षान्त में कुल शेष (अ+आ+इ+ई) II	**3,317.72**	**1,330.33**
कुल (I +II)	**17,390.48**	**14,831.82**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 2 - आरक्षित निधि और अधिशेष		
अ. समग्र निधि		
वर्षारंभ में शेष	**11,534.55**	**11,029.02**
जोड़: चालू वर्ष में वसूल किए ऋण की राशि	4.03	3.35
जोड़: आय और व्यय लेखा से अंतरीत रकम	1,542.58	1,450.88
जोड़: समग्र निधि निवेश से ब्याज	1,254.00	877.60
जोड़: वसूली योग्य खातों पर प्रभारित ब्याज	0.85	0.68
गत वर्ष विक्रय एवं परिसंपति से आय	2.20	-
न्युन: सामान्य परियोजना के दौरान आन्तरित रकम	-	1,050.00
न्युन: मूल्यह्रास निधि के दौरान आन्तरित रकम	-	(2,870.12)
न्युन: समग्र निधि से प्रदत्त वसूली योग्य ऋण	(3.11)	(6.86)
वर्षान्त में शेष (अ)	**14,335.10**	**11,534.55**
आ. सी.पी एफ सामान्य आरक्षित लेखा		
वर्षारंभ में शेष	1.41	1.81
न्युन: आय और व्यय लेखा से अंतरीम रकम	(5.22)	(0.40)
वर्षान्त में शेष (आ)	**(3.81)**	**1.41**
इ. सी.पी.एफ. समाहरण लेखा		
वर्षारंभ में शेष	4.24	4.24
जोड़: चालू वर्ष में समाहरण रकम		-
वर्षान्त में शेष (इ)	**4.24**	**4.24**
कुल (अ + आ + इ)	**14,335.53**	**11,540.20**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट और विधि निधि	उद्दिष्ट निधि					
	पेन्शन निधि	मूल्यह्रास निधि	कर्मचारियों की कल्याण निधि	अई.डी.एल अनुसंधान अनुदान	31-03-2013 तक	31-03-2012 तक
(अ) निधि में आरंभिक शेष	**214.11**	**6,823.68**	**106.17**	**16.23**	**7,160.19**	**2,811.46**
(आ) निधि में जोड़						
i. प्राप्त अनुसूची/अंशदान	-	617.13	123.66	-	**740.79**	-
ii. निवेश से आय/बचत बैंक खाता	14.36	562.90	-	-	**577.26**	447.09
iii. शुल्क/प्राप्त अंशदान	0.05			-	**0.05**	4,017.06
iv. पूर्व काल आय/अग्रिम से प्रास रकम	-	-	1.15	-	**1.15**	
कुल (अ + आ)	**228.52**	**8,003.71**	**230.98**	**16.23**	**8,479.44**	**7,275.61**
(इ) उपयोग/निधि के वस्तुनिष्ठ व्यय						
i. पूँजीगत व्यय						
- स्थिर आस्तियाँ	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ii. राजस्व खर्च						
- वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि	3.29	-	-	-	3.29	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	80.78	-	80.78	**20.19**
- सदस्यों को भुगतान	-	-	-	-	-	-
कुल	**3.29**	**-**	**80.78**	**-**	**84.07**	**20.19**
iii. प्रेषित/प्रत्यर्पित शेष निधि रकम	55.23	-	-	16.23	71.46	-
कुल	**55.23**	**-**	**-**	**16.23**	**71.46**	**-**
iv .अन्य नामे/पेशगी	-	-	1.65	-	1.65	95.23
कुल	**-**	**-**	**1.65**	**-**	**1.65**	**95.23**
कुल (इ)	**58.52**	**-**	**82.43**	**16.23**	**157.18**	**115.42**
वर्षान्त में शेष (अ + आ + इ)	**170.00**	**8,003.71**	**148.55**	**-**	**8,322.26**	**7,160.19**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm
25 Oct 13

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 4 - चालू देयतायों तथा प्रावधान		
अ - चालू देयतायें		
1. विविध ऋणदाताः		
(अ) आपूर्ति और सेवा के लिए	327.67	259.73
2. अग्रिम, जमा आदि		
(अ) विद्यार्थियों की अवधान-राशि	172.70	130.14
(आ) प्रतिधारण राशि	86.47	59.32
(इ) बयाना निक्षेप जमा	62.50	61.37
(ई) परामर्श परियोजना लेखा	17.39	4.18
3. सांविधिक देयतायें	-	-
4. कैट 2012 खाता	1,561.49	-
5. अन्य चालू देयतायें	104.96	64.09
6. प्राप्त अग्रिम आय	20.64	17.55
कुल - अ	**2,353.82**	**596.38**
आ - प्रावधान		
1. संचित छुट्टी भुनाना	234.73	185.22
2. पूँजीगीत व्यय के लिए प्रावधान	306.03	166.00
3. राजस्व खर्च के लिए प्रावधान	318.38	408.76
कुल - आ	**859.14**	**759.98**
कुल (अ + आ)	**3,212.96**	**1,356.36**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

अनुसूची 5 स्थाई आस्थियाँ

विवरण	कुल संवर्ग				मूल्यहस					शुद्ध संवर्ग	
	लागता/ मूल्यांकन 01-04-12	इस वर्ष में जोड	इस वर्ष में कटौतियां	लागता/ मूल्यांकन 31.03.2013	डबलियु. डी.वी की रीति में दर	01-04-12 के अनुसार	इस वर्ष में जोड	इस वर्ष की कटौतियाँ	31-03-2013 के अनुसार कुल	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
अ - बिना मूल्यह्रास											
1. भूमि											
अ) पूर्ण स्वामित्व	2,346.94	24.50	-	**2,371.44**	-	-	-	-	-	**2,371.44**	**2,346.94**
कुल - अ	**2,346.94**	**24.50**	**-**	**2,371.44**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,371.44**	**2,346.94**
आ - मूल्यह्रास की परिसंपत्तियाँ											
1. इमारत											
अ. पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (शैक्षिक)	7,051.04	2,196.43		**9,247.47**	10%	2,679.66	545.75	(3.36)	3,222.05	**6,025.42**	**4,371.38**
आ. पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (आवसीय)	1,631.54	978.94		**2,610.48**	5%	265.93	93.43		359.36	**2,251.12**	**1,365.62**
इ. रोड, परिसीमा, नाली	873.88	95.72		**969.60**	10%	460.35	46.14		506.49	**463.11**	**413.53**
2. संयंत्र मशीनरी और उपस्कर											
अ. विद्युत स्थापनायें	1,118.09	82.26		**1,200.35**	15%	452.08	106.25		558.33	**642.02**	**666.01**
आ. जल वितरण	255.27	0.15		**255.42**	15%	154.53	15.13		169.66	**85.76**	**100.74**
3. वाहन	61.86	-		**61.86**	15%	26.11	5.36		31.47	**30.39**	**35.76**
4. फर्नीचर और जुडनार	1,059.08	467.17		**1,526.25**	10%	485.88	89.59		575.47	**950.78**	**573.20**
5. कार्यालय उपस्कर	258.20	23.25	(26.87)	**254.58**	15%	162.01	12.60	(22.98)	151.63	**102.95**	**96.19**
6. कंप्यूटर/पेरिफरलस	887.85	82.09		**969.94**	60%	778.89	107.36		886.25	**83.69**	**108.96**
7. पुस्तकालय की किताबें											
- पुस्तक	819.35	128.12		**947.47**	60%	723.21	122.43		845.64	**101.83**	**96.14**
- पत्रिका	576.42	69.47	-	**645.89**	100%	569.76	62.21		631.97	**13.92**	**6.65**
8.अन्य स्थाई आस्थी	0.38		-	**0.38**	15%	0.24	0.02		0.26	**0.12**	**0.14**
कुल - अ (1)	**14,592.96**	**4,123.60**	**(26.87)**	**18,689.69**		**6,758.65**	**1,206.27**	**26.34**	**7,938.58**	**10,751.11**	**7,834.32**
आ. 2 - पूँजी, निर्माण प्रगति										**949.82**	**3,319.74**
कुल - आ (आ 1+ आ 2)										**11,700.93**	**11,154.06**
इ - परियोजना मूल्यह्रास योग्य आस्तियाँ											
1. फर्नीचर और जुडनार	0.79	-	-	**0.79**	10%	0.41	0.04	-	0.45	**0.34**	**0.38**
2. कप्यूटर/पेरिफरलस	62.00	-	-	**62.00**	60%	61.89	0.06	-	61.95	**0.05**	**0.11**
3. पुस्तकालय की किताबें	2.73	-	-	**2.73**	100%	2.73	-	-	2.73	**-**	**-**
कुल - इ	**65.52**	**-**	**-**	**65.52**		**65.03**	**0.10**	**-**	**65.13**	**0.39**	**0.49**
सर्वयोग (अ + आ + इ)	**17,005.42**	**4,148.10**	**(26.87)**	**21,126.65**	**-**	**6,823.68**	**1,206.37**	**26.34**	**8,003.71**	**14,072.76**	**13,501.49**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड

तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन

वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष कासमेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 6 - निर्दिष्ठ/स्थाई निधि से निवेश		
1. पेंशन निधि निवेश	170.00	195.00
2. कैट 2012 निधि निवेश	1,500.00	-
3. सी.पी.एफ. निवेश	520.10	417.23
4. मूल्यह्रास निधि निवेश	7,800.00	6,550.00
कुल	**9,990.10**	**7,162.23**
अनुसूची 7 - निवेश अन्य समग्र निधि		
1. भारत सरकार बंधपत्र में	3,000.00	3,300.00
2. बैंक के साथ आवधिक निक्षेप	11,000.00	8,050.00
कुल	**14,000.00**	**11,350.00**
अनुसूची 8 - चालू आस्ति, ऋण, अग्रिम आदि		
अ. चालू आस्ति		
1. हाथ में शेष माल	323.47	30.66
2. हाथ में रोकड (चैक, ड्राफ्ट और अग्रदान)		
3. बैंक शेष: अ. अनुसूचित बैंक मे:		
आ. बचत खाता में	208.18	139.05
इ. आवधिक निक्षेप में	2,200.00	690.00
कुल (अ)	**2,431.65**	**859.71**
आ. ऋण, अग्रिम और अन्य आस्ति		
1. पेशगी और अन्य वसूली योग्य रकम नकद/माल/मूल्य		
अ. पूँजी लेखा: प्रवृत्तीकरण/ठेकेदार पेशगी	750.51	883.18
आ. पूर्व भुगतान	50.09	72.50
इ. कर्मचारियों के लिए अग्रिम	11.41	15.59
ई. निक्षेप	36.38	18.73
2. निवेश और निधि पर प्राप्त व्याज	1,441.93	395.98
3. अन्य प्राप्तियां	476.40	629.16
कुल (आ)	**2,766.72**	**2,015.14**
कुल (अ + आ)	**5,198.37**	**2,874.85**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 9 - शुल्क		
अ. पी जी पी शिक्षा	3,346.88	3,196.94
कुल (अ)	**3,346.88**	**3,196.94**
आ. शिक्षा शुल्क को छोड़कर अन्य		
1. एम डी पी कार्यक्रम शुल्क	688.15	312.90
2. एफ डी पी कार्यक्रम शुल्क	14.43	14.21
3. संगोष्ठी सम्मेलन से आय	7.86	11.41
4. आई डी एल कार्यक्रम शुल्क	994.57	1,032.50
5. एफ पी एम आवेदन शुल्क	1.50	1.17
6. नियोजन शुल्क	56.98	47.13
7. कोच्चि सैट आवेदन शूल्क	4.58	-
8. कैट से आय	330.63	409.05
कुल (आ)	**2,098.70**	**1,828.37**
कुल (अ + आ)	**5,445.58**	**5,025.31**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 10 निवेश से आय		
ब्याज: (अ) बंधपत्र/निधि		
समग्र निधि	244.28	297.57
पेंशन निधि निवेश	14.36	16.64
कुल (अ)	**258.64**	**314.21**
(आ) बैंक निवेश पर		
समग्र निधि	1,009.72	580.03
मूल्यह्रास निधि	562.90	430.45
कुल (आ)	**1,572.62**	**1,010.48**
सर्वयोग (अ + आ)	**1,831.26**	**1,324.69**
उद्दिष्ठ/अक्षय निधि को अंतरित	**1,831.26**	**1,324.69**
आय और व्यय लेखे को शेष	**-**	**-**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 11 - अर्जित व्याज		
1. आवधिक निक्षेप में		
अ. अनुसूचित बैंक में	424.90	228.25
2. बचत खाते में		
आ. अनुसूचित बैंक में	22.28	22.03
3. ऋणों पर		
इ. अन्य: अग्रिम आदि पर ब्याज	1.05	1.19
कुल	**448.23**	**251.47**
अनुसूची 12 - अन्य आय		
1. अनुज्ञप्ति रकम/अतिथिगृह खर्चे	19.71	23.75
2. आवेदन पत्र-ठेकेदारों	1.05	-
3. अतिरिक्त वापसी प्रावधान	55.23	-
4. विविध आय	67.52	10.53
5. पूर्व काल आय	5.28	8.06
कुल	**148.79**	**42.34**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
अनुसूची 13 - संस्थापन व्यय		
वेतन और मज़दूरी	1,032.48	766.95
भत्ता और बोनस	0.12	59.49
भविष्य निधि के लिए अंशदान	62.29	42.02
कर्मचारी कल्याण व्यय	133.81	87.39
कर्मचारियों के सेवा निवृत्ति और सेवांत हितलाभ के व्यय	89.48	93.31
प्रशिक्षणार्थि को वृत्तिका	1.37	4.94
शिक्षु को वृत्तिका	0.21	0.18
कुल	**1,389.76**	**1,054.28**
अनुसूची 14 - अन्य प्रशासनिक व्यय		
बिजली और जल प्रभार	194.62	117.29
आस्थियाँ पर बीमा	4.47	3.01
मरम्मत और अनुक्षण व्यय	541.70	541.95
किराया, कर और दर	24.98	2.38
वाहन परिरक्षण और रखरखाव व्यय	11.33	9.64
डाक, दूरभाष तथा पत्रव्यवहार व्यय	36.55	27.36
मुद्रण और लेखन-सामग्री	74.15	39.19
यात्रा और सवारी व्यय	155.40	137.68

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
सदस्यता और अभिदान व्यय	10.60	14.83
कानूनी और वृत्तिक व्यय	1.97	2.37
लेखापरीक्षक को मेहनताना	1.00	2.90
आतिथ्य व्यय	17.70	9.15
विज्ञापन और प्रचार व्यय	140.08	57.86
शासक मंडल बैठक के व्यय	6.54	7.64
सूचना प्रोध्योगिकी और संचार गतिविधि व्यय	62.88	72.30
भर्ती व्यय	6.33	4.23
प्रत्यक्ष पी जी पी व्यय	397.49	372.07
प्रत्यक्ष एम डी पी व्यय	292.09	221.78
प्रत्यक्ष एफ डी पी व्यय	6.03	5.25
प्रत्यक्ष आई डी एल / एच ई सी एल व्यय	247.58	170.13
एफ पी एम व्यय	58.61	49.35
अनुसंधान व्यय	2.05	2.52
सम्मेलन, संगोष्ठी/कार्यशाला व्यय	10.13	30.16
अंतर्राष्ट्रीय आपसी मिलन और अनुबंधन व्यय	1.25	0.68
अन्य प्रशासनिक व्यय	67.40	47.82
पूर्व काल व्यय	1.75	12.83
कुल	**2,374.68**	**1,962.37**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

लेखांकित रिवाज़

अनुसूची 15 – महत्वपूर्ण लेखा नीति

ऐतिहासिक मूल्य रिवाज़ के आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किया गया हैं यदि लेखांकन के प्रोदभवन व्यवस्था निर्दिष्ट नहीं है।

2. राजस्व मान्यताः
   - 2.1 2005-2006 से संस्थान भारत की ब्लोंक अनुदान योजना में संविनित है। इसके अनुसार गैर योजना अनुदान पूर्वयोजित राजस्व के आधार पर जारी किए जाते हैं। इसलिए संस्थान 2005-2006 से गैर योजना अनुदान को आय समझता है।
   - 2.2 सर्वाधिक निवेश पर ब्याज तथा प्रवृत्तीकरण पेशगी प्रोदभवन व्यवस्था पर है। लेकिन बचत खाते का ब्याज प्रासी के आधार पर ही लिया जाता है।
   - 2.3 नियोजन शुल्क वसूली आधार पर माना जाता है।
   - 2.4 परामर्श आय परामर्श परियोजनाओं की समाप्ति पर मान्य होती है।

3. निवेश
   - 3.1 दीर्घकाल धन निवेश के रूप में वर्गीकरण किया निवेश मूल्य पर आधारित है। अस्थायी निवेश के अलावा घटने की व्यवस्था ऐसे निवेश की तत्कालीन लागत पर आधारित है।
   - 3.2 चालू धन निवेश के रूप में वर्गीकरण किया गया निवेश मूल्य पर आधारित है। ऐसे निवेश के मूल्य पर अल्पपतन की व्यवस्था प्रत्येक निवेश के वैयक्तिक रूप में, न कि संपूर्ण रूप में आधारित है।

4. स्थायी परिसंपत्तियाँ
   - 4.1 संस्था की स्थायी परिसंपत्तियाँ भारत सरकार तथा केरल सरकार से प्रास योजना अनुदान से अर्जित की जाती है। परिसंपत्तियों के अर्जन के लिए उपयोग की गयी पूँजी निधि (स्थिर परिसंपत्तियाँ) के अन्तर्गत दिखायी जाती है जो तुलन पत्र के संबन्धित अनुसूचि 1 में शामिल है।
   - 4.2 स्थायी परिसंपत्तियाँ जो उद्दिष्ट प्रायोजित परियोजना से अर्जित है, उन्हें संबध परियोजना खाते में दिखाया है। इसे स्थायी परिसंपत्तियों में लगाकर पूँजी निधि में शामिल करके तदनुरूप तुलन पत्र की अनुसूची में लगाया है।
   - 4.3 स्थायी परिसंपत्ति अभिग्रहण के मूल्य पर निर्धारित की गयी है, जिसमें अभिग्रहण संबधी आवक भाडाशुल्क एवं कर आनुषंगिक तथा प्रत्यक्ष व्यय शामिल है।
   - 4.4 निर्माणाधीन परियोजना से संबधित सभी व्यय विविध उपशीर्षक में पूँजीकृत किए जाते हैं और विशिष्ट परिसंपत्ति को इस व्यय का यथानुपात संवितरण परियोजना की पूर्ति के बाद किया जाएगा। आर्थिक अनुदान के अलावा प्रास स्थायी परिसंपत्तियाँ जो समग्र निधि के लिए नहीं है, परिसंपत्तियों के मूल्य पर आरक्षित पूँजी में दिखाई जाती है।

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

5. मूल्यह्रासः

5.1 आय कर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दर में मूल्य को कम करने की रीति के अनुसार मूल्यह्रास प्रदत्त है जो स्थिर परिसंपत्तियों के अभिग्रहण के लिए विदेशी मुद्रा प्रचलन की देयता के रूपांतर के कारण मूल्य व्यवस्थापन पर उठे हुए मूल्यह्रास को छोड़कर दिया गया है।

5.2 वर्ष के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों को जोड/कटौतियों के संबध में अर्जित और 180 दिनों से अधिक उपयोग किए गए आस्तियों के लिए पूरे वर्ष का मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है और अर्जित तथा 180 दिनों तक उपयोग किए गए आस्तियों के लिए मूल्यह्रास का 50% प्रभारित किया जाता है।

5.3 कुल आवर्ती व्यय के निश्चय करने के लिए यधपि मूल्यह्रास आय और व्यय खाते में दिखाया जाता है, पर समवर्ती रकम, (स्थाई परिसंपत्तियों) से और (स्थाई परिसंपत्ती-परियोजना) से कम कर दी जाती है, ताकि सरकारी अनुदान में समायोजित व्यय पर आय की कमी में मूल्यह्रास का प्रावधान शामिल न रहे।

6 सरकारी अनुदान/आर्थिक सहायतायें

6.1 संस्थान की आर्थिक संरचना व्यवस्था के लिए भारत सरकार और केरल सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। केरल सरकार ने निशुल्क भूमि का प्रावधान किया है।

6.2 मिली हुई परियोजना अनुदान की सारी राशी का लेखा पूँजी निधि में (सहायता अनुदान निधि) शामिल है। वहाँ से पूँजी व्यय का शेयर पूँजी निधि (स्थिर आस्ति) को अंतरित किया जाता है और कोई बचत है तो अगले वर्ष के उपयोग या समायोजन के लिए अग्रसित किया जाता है।

6.3 संस्थान के निर्माण के पूँजी मूल्य का उपयोग सरकारी अनुदान पूँजी निधि माना जाता है। निर्दिष्ट स्थाई परिसंपत्ति के संबध में मिला हुआ अनुदान संबधित परिसंपत्ति के मूल्य से घटाकर दिखाया जाता है।

6.4 सरकारी अनुदान वसूल होने पर ही दिखाया जाता है। यह इस शर्त पर है कि अनुदान के लिए मंजूरी आदेश तुलन पत्र की तारीख या उसके पहले प्राप्त होती है।

7. समग्र निधि

7.1 2005-2006 से संस्थान, भारत सरकार की ब्लाँक अनुदान योजना में शामिल है और आय-व्यय खाते से कुल अधिशेष/घाटा समग्र निधि को पहले प्राप्त होते हैं।

7.2 समग्र निधि निवेश, कर्ज एवं अग्रिम से प्राप्त व्यज, आय-व्यय खाते में दिखाने के बदले सीधा समग्र निधि खातें में जमा किया जाते हैं। यह परिवर्तन ब्लोंक अनुदान योजना की आवश्यकता से हुआ है।

8. हर वर्ष प्राभारित मुल्यह्रास की रकम से मूल्यह्रास निधि रूपीकृत है, ताकि पुरानी आस्तियों को निकालने पर पर्याप्त निधि की उपलब्धता सुनिश्चित कर सकें।

9. विदेशी मुद्रा का लेखा, लेन-देन की तारीख के विनिमय दर पर आधारित है।

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

10. सेवानिवृत्ति लाभः

10.1 कर्मचारीयों की संचित छुट्टी के भुगतान के लाभ की गणना ऐसे कि जाती है कि, प्रत्येक वर्षात में कर्मचारी उस लाभ को मिलने के हकदार है।

10.2 पेंशन योजना में सम्मिलित कर्मचारियों के संबध में उनके पूर्व नियोक्ता से उनके पेंशन देयता को कार्ययुक्त करने के लिए मिली रकम अलग पेंशन निधि लेखे में ली जाती है और उपयुक्त रूप में नवेश की जाती है।

10.3 संस्थान की सेवा के लिए योग्य पेंशन भगतान का प्रावधान भारत सरकार के पेंशन/नियमन नियम के अनुसार किया जाता है।

10.4 वर्ष के दौरान किए गए पेंशन भुगतान राजस्व खर्च का भाग है।

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड तिथि : 10-09-2013	ए.के. शांतारामन वि.स. ए. मु.ले.अ	ले. कर्नल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जॉर्ज मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी निदेशक

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

अनुसूची 16 – आकस्मिक देयतायें और लेखाओं की टिप्पणियाँ :

1. आकस्मिक देयतायें

संस्थान के खिलाफ दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	–	रू. 289.95 लाख	(गतवर्ष रू. 229.71 लाख)
संस्थान की ओर से दी गयी बैंक प्रत्याभूति	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
संस्थान की ओर से बैंक द्वारा जारी जमा पत्र	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
बैंक से बट्टागत बिल	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
विवादित माँग के संबध में			
आय कर	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
बिक्रीकर	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
सेवा कर	–	रू. 284.55 लाख	(गतवर्ष रू. 227.31 लाख)
नगर पालिका कर	–	रू. शून्य	(गतवर्ष रू. शून्य)
बिना निष्पाद के आदेश के लिए दलों से दावे के संबध में, संस्थान द्वारा विवाद के लिए लंबित	–	रू. 5.40 लाख	(गतवर्ष रू. 2.40 लाख)

2. पूँजी प्रतिबद्धता

पूँजी खाते में निष्पादन हेतु बाकी संविदाओं का आकलन जिसका प्रावधान नहीं किया गया है (शुद्ध पेशगी)	–	रू. 1,131.40	(गतवर्ष रू. शून्य)

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

3. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं पेशगी

व्यवस्थापकों के मत में, चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं पेशगी व्यापार के साधारण प्रक्रम में बसूली का मूल्य है, जो क्रम से क्रम तुलन पत्र में दिखाई संपूर्ण रकम के बराबर है।

4. विदेशी मुद्रा प्रचलन का लेन-देन

	चालू वर्ष	गतवर्ष
सी.आई.एक के आधार पर गणन किया आयात मूल्य पूँजी माल/उपस्कर	शून्य	शून्य
पूँजी खाते में निष्पादन हेतु विदेशी मुद्रा में व्ययः		
(अ) संकाय की यात्रा और संगोष्ठी शुल्क	यु.एस.डी 25320.0	यु.एस.डी 16417.40
	जी.बी.पी 521	जी.बी.पी 440
	यूरो 440	यूरो 15000
	एन.सड.डी 65	
	एस.जी.डी 2650	एस.जी.डी 920.20
(आ) विदेशी मुद्रा से आर्थिक संस्थाओं/बैंकों को विप्रोषण और व्याज का भुगतान	शून्य	शून्य
(इ) अन्य व्यय		
संस्थीय सदस्यता	यु.एस.डी 1646.15	यु.एस.डी 500
	जी.बी.पी 134	जी.बी.पी. 16007.77
	ए.यु.डी. 3400	ए.यु.डी. 3740
किताब और जर्नल की खरीदी के लिए	यु.एस.डी 71829.69	यु.एस.डी 96886.73
	जी.बी.पी 2068.80	जी.बी.पी. 11616.90
सोफ्चवेयर की खरीदी के लिए	यु.एस.डी 43597.50	यु.एस.डी 4790
	जी.बी.पी शून्य	जी.बी.पी. 3250.80
	यूरो 8610	यूरो शून्य
मानदेय	यु.एस.डी 150	शून्य
कानूनी और व्यावसायिक व्यय	शून्य	शून्य
विविध व्यय	शून्य	यु.एस.डी 1000
आयः एन. आर. आई. छात्रों से शूल्क	यु.एस.डी 36000	शून्य

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित लेखा अनुसूची

5. कराधन
   संस्थान को आय कर अधिनियम 1961 की धारा 10(23 सी) (111 ए बी) के अधीन आय घर भुगतान से थूट प्राप्त हुई है और इसलिए लेखों में आय कर का प्रावधान नहीं किया गया है।

6. खातों की परिकलन की अन्तिम तारीख तक कैट ग्रूप ने चालू वर्ष के लिए कैट आय के संस्था का शेयर सूचित नहीं किया है। इसलिए कैट व्यय के लिए लेखा-किताबों में रु, 250.00 लाख का प्रावधान किया गया है।

7. चालू वर्ष में संस्था के कैट दल के कार्यकलापों को संयोजित किया है, इसलिए चालू देनदार के रूप में 1,561.49 लाख रूप प्रतिबिंबित करता है। कैट दल खाता का अभी तक व्यवस्था नहीं हुआ है।

8. रजस्व व्यय 2011-12 के प्रवधान पर तुलन खाता राशी 1,00,00 रुपए है, जो सांवाधिक सेखा परीक्षा के शुल्क के रूप में है। चालु वर्ष 2012-13 में 1.00 लाख रूपए के नए प्रवधान तैयार किया हैं।

9. अनुसूचि 1-16 तक 31-03-2012 के तुलन पत्र खाते का अभिन्न भाग है। तथा आय-व्यय खाता उसी समय समाष्ठ होता है।

10. जहाँ जरूरत है, गत वर्ष की इकाई तदनुरूप पुनर्व्यवस्थित/ पुनर्वर्गीकृत है।

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड	ए.के. शांतारामन	ले. कर्नल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जॉर्ज	प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी
तिथि : 10-09-2013	वि.स. ए. मु.ले.अ	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड

31-03-2013 को समाप्त वर्ष का समेकित प्राप्तियाँ और भुगतान

(रुपये लाखों में)

प्राप्तियाँ			भुगतान		
विवरण	2012-2013	2011-2012	विवरण	2012-2013	2011-2012
I. आरंभिक शेष			**I. व्यय**		
अ) हाथ का रोकड़	-	-	अ) संस्थापन व्यय	963.90	822.96
आ) बैंक में	139.05	565.05	आ) प्रशासनिक व्यय	2,326.93	1,741.33
II. प्राप्त अनुदान			**III. निवेश एवं निक्षेप**		
अ) भारत सरकार से: योजना	3,913.84	2,147.64	अ) समग्र निधि से	2,950.00	950.00
III. प्राप्त ब्याज			आ) पेंशन निधि से	-	25.00
अ) निवेश पर	996.91	1,733.78	इ) मुल्यह्रास निधि निक्षेप से	1,250.00	4,050.00
आ) बैंक निवेश पर	328.66	204.58	ई) सी.पी.एफ. निक्षेप	102.87	92.39
इ) अन्य	32.10	25.31	उ) सी.ऐ.डी. निवेश	1,500.00	-
IV. अन्य आय			ऊ) सावधि जमा	1,510.00	-
अ) पी जी पी शिक्षा शुल्क	3,346.88	3,196.94	**VI. स्थाई परिसंपत्ती और पूँजी निर्माण प्रगति पर व्यय**		
आ) एम.डी.पी. से प्राप्त आय	705.66	325.01	अ) स्थाई परिसंपत्ती का क्रय	1,552.36	3,289.63
इ) इ.पी जी पी से प्राप्त आय	978.34	1,030.55	**V. अन्य भुगतान**	117.1	20.45
ई) संगोष्ठी/सम्मेलन से प्राप्त आय	7.86	11.41	**VI. अन्तिम शेष**		
उ) एकपीएम से प्राप्त आय	1.50	1.17	अ) हाथ का रोकड़	-	-
ऊ) नियोजन शुल्क	56.98	47.12	आ) बैंक में	208.18	139.58
ए) विविध - प्राप्तियाँ	201.86	154.34			
V. अन्य प्राप्तियाँ					
अ) उद्दिष्ट विधि निधि-प्राप्तियाँ	42.55	714.71			
आ) केट-प्राप्तियाँ	208.41	283.71			
इ) आवधिक निक्षेप	-	760.00			
ई) भारत सरकार 8% जमा पत्र (पैशान निधि)	25.00	-			
उ) भारत सरकार 8% भा.रि.बै.पत्र	300.00	-			
ऊ) चालु परिसंपत्तियँ	17.91	-			
ए) इ.एम.डी/ एस.डि/ धारक मूल्य	28.29	62.67			
ऐ) विविध प्राप्तियाँ	1,531.45	83.59			
कुल	**12,935.47**	**11,272.28**	**कुल**	**11,272.28**	**8,222.43**

संस्थान के शासकीय मंडल की ओर से

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 10-09-2013

ए.के. शांतारामन
वि.स. ए. मु.ले.अ

ले. कर्नल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जॉर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी
निदेशक

Annu Report HINDI ACCOUNTS 17 Jan 14 C hm